सुप्रभात
रांची, सोमवार
09.10.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

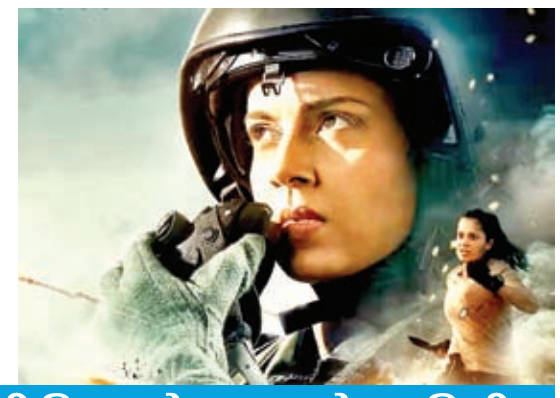

khabarmantra.net आश्विन, कृष्ण पक्ष, दशमी संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 89 12 कंगना रनौत की फिल्म तेजस का ट्रेलर रिलीज

नेक इरादा निभा रहे वादा

सिंचाई की सुविधा से समृद्ध होंगे किसान

देवघर एवं जामताड़ा जिलान्तर्गत

सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना

शिलान्यास समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री बादल पत्रलेख
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

श्री हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण, निबंधन तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री सुनील सोरेन
माननीय सांसद, दुमका लोकसभा क्षेत्र

श्री निशिकान्त दुबे
माननीय सांसद, गोड्डा लोकसभा क्षेत्र

श्री इरफान अंसारी
माननीय विधायक, जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र

श्री रणधीर कुमार सिंह
माननीय विधायक, सारठ विधानसभा क्षेत्र

दिनांक : 09 अक्टूबर, 2023 | समय : अपराह्न 01:00 बजे
स्थान : ग्राम - सिकटिया, प्रखण्ड - सारठ, जिला - देवघर

मुख्य बातें -

₹484.35 करोड़ से होगा निर्माण

13,164 हे० कुल सिंचित क्षेत्र

1,11,174 कुल लाभान्वित ग्रामीण

27 कुल लाभान्वित पंचायत

190 कुल लाभान्वित गाँव

PRNO 308646 (Water Resource) IPRD 23-24

जल संसाधन विभाग, झारखण्ड सरकार

टेट पास शिक्षकों को वेतनमान दे सरकार अन्यथा होगा उग्र आंदोलन : मोहन मंडल

टेट पास शिक्षकों ने सरकार को दी परिवार समेत सामूहिक आत्मदाह की धमकी

48 दिनों से राजभवन के सामने अनिश्चित कालीन आमरण अनशन पर बैठे हैं टेट पास शिक्षक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अपनी मांगों को लेकर राजभवन के समीप अनिश्चित कालीन आमरण अनशन पर टेट सफल सहायक अध्यापक बैठे हैं। वह 48 दिनों से राजभवन के सामने अनशन पर बैठे हैं। परंतु सरकार की ओर से अब तक कोई पहल नहीं की गयी है। संघ के मोहन मंडल ने बताया कि टेट सफल सहायक अध्यापक समन्यवय समिति संघ के बैनर तले राजभवन के समक्ष 48 दिनों से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन सह धरना कार्यक्रम के तहत रविवार को जेएमएम कार्यालय घेराव का प्रस्ताव था। परंतु जेएमएम के केंद्रीय महासचिव बिनोद पांडेय से वार्ता के बाद कार्यालय घेराव स्थगित किया गया। बिनोद पांडेय ने वार्ता के दौरान आश्वस्त किया कि वह 6 दिनों के भीतर सीएम से उच्चस्तरीय वार्ता करा देंगे। इसके बाद टेट पास शिक्षकों ने घेराव कार्यक्रम को स्थगित करते हुए राजभवन के सामने धरना पर बैठ गये।

सुविधा नहीं मिलने से भड़के टेट पास शिक्षक : सभा के बीच धरना में शामिल सभी सहायक अध्यापक राजभवन की ओर नारा लगाते हुए बेरीकेटिंग तोड़ने पर उतारू हो गए। उनका आरोप था कि धरना स्थल पर न शौचालय की व्यवस्था है न पानी की टंकी की और न ही सरकार की ओर से कोई सुविधा दी जा रही है। बेरीकेटिग के पास प्रशासन और टेट शिक्षकों के बीच काफी नोंक- झोंक हुआ। अंत में प्रशासन के तरह से कहा गया कि एक घंटे के अंदर सारा व्यवस्था कर दिया जाएगा, तब जाकर टेट पास शिक्षक शांत हुए और सभा स्थल पर बैठे। प्रशासन से बात करते हुए यह भी कहा गया की राज्यपाल से पिछली बार मिलाने की बात हुई थी, लेकिन इस दिशा में भी काम नही हुआ। इसके जवाब में प्रशासन द्वारा कहा गया कि आपकी बातों को उच्च पदाधिकारी तक पहुंचा दिया जाएगा तथा जल्द वार्ता को पहल किया जाएगा। मौके पर प्रमोद कुमार,चंदन ठाकुर, कैलाश मेहता, कुमार गौरव, घनश्याम चन्द, कालीचरण, राजकिशोर महतो, कार्तिक साव, उपेंद्र ठाकुर, ब्रजेश कुमार, अनिता महतो, प्रकाश कुमार सहित सैकड़ों सैकड़ों की संख्या में सहायक अध्यापक उपस्थित थें।

अब चूहा-बल्ली का खेल बंद करे सरकार

सभा को संबोधित करते हुए मोहन मंडल ने कहा कि अब चूहा-बल्ली का खेल बहुत हो गया, क्योंकि जब भी आंदोलन होता है। सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। लेकिन कभी भी कोई सार्थक पहल नहीं होता। संघ विनोद पांडेय की बातों को गंभीरता से लिया है। वह हेमंत सरकार से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द टेट पास सहायक अध्यापक को वेतनमान दे, नहीं तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा। वहीं, सीमांत घोषाल और संजय मेहता संयुक्त बयान जारी करते हुए कहे की अगर सरकार जल्द पहल नहीं करती है और वेतनमान नही देती है तो मुख्यमंत्री आवास, प्रोजेक्ट भवन का घेराव किया जाएगा। इससे भी काम नहीं बनेगा तो 14 हजार टेट पास सहायक अध्यापक परिवार सहित आत्मदाह राज भवन के सामने करेगें।

झारखंड से 15 अक्टूबर तक विदा हो जायेगा मॉनसून

रांची। अक्टूबर के पहले हफ्ते पांच दिनों की लगातार बारिश के बाद मौसम साफ हो गया है। फिलहाल झारखंड में बारिश की कोई संभावना नहीं है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो झारखंड से 15 अक्टूबर तक मॉनसून की विदायी हो जाएगी। हालांकि राज्य के अधिकांश हिस्सों से अगले 48 घंटे में मॉनसून के वापस लौटने की संभावना है। इसके बाद राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग की मानें तो मॉनसून के लौटने के दौरान हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि दुर्गा पूजा के दौरान बारिश परेशान नहीं करेगी।

गिरने लगा न्यूनतम तापमान

मौसम साफ होने के साथ ही न्यूनतम तापमान गिरने लगा है। पिछले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गयी है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री था, जो शनिवार को 23 डिग्री हो गया है। गढ़वा, पलामू और लातेहार के इलाके में बारिश कम हुई थी, इस वजह से वहां अधिकतम तापमान बढ़ रहा है।

सामान्य से 164.7 एमएम कम हुई बारिश

मौसम विभाग की मानें तो झारखंड में इस साल सामान्य से 164.7 एमएम कम हुई बारिश है। हालांकि अक्टूबर के पांच दिनों में 196.3 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गयी है। पांच अक्टूबर के बाद राज्य में बारिश नहीं हुई है। एक जून से अभी तक की बात करें तो 954.6 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गयी है, जबकि सामान्य वर्षापात के तहत इस अवधि में 1119.3 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, जो अभी भी 164.7 एमएम कम है।

झारखंड में डेंगू के मिले 135 नये संदिग्ध

रांची। झारखंड में डेंगू के मरीजों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को भी डेंगू के 135 संदिग्ध मरीज मिले हैं। जांच में तीन मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। बताते चलें कि दो मरीज पूर्वी सिंहभूम जिले में मिले हैं, जबकि एक मरीज कोडरमा जिले में मिला है। वहीं चिकनगुनिया के 12 संदिग्ध मरीज राज्य में मिले हैं। जांच के बाद किसी में भी चिकनगुनिया की पुष्टि नहीं हुई है।

नौ सेवानिवृत्त कर्मियों की सेवा होगी नियमित

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर राज्य अंतर्गत नौ सेवानिवृत्त लिपिकों की सेवा नियमित करने का फैसला लिया गया है। उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ भी दिया जायेगा। हेमंत सरकार ने इस आश्य के प्रस्ताव पर अपनी स्वीकृति दी है। ये विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हुए थे, लेकिन इनका समायोजन नहीं हुआ। दस साल से अधिक सेवा करते हुए रिटायरमेंट लिया था इनमें मनोज कुमार सिन्हा, गुप्तेश्वर सिंह, जय मंगल प्रसाद शर्मा, राजन राम, राजेंद्र सिंह, सत्येंद्र नारायण त्रिपाठी, नंद किशोर प्रसाद, मदन मोहन और कामेश्वर राम रवि हैं।

बंद वेतन चालू कराने को लेकर मंत्री मिथिलेश ठाकुर से मिले राज्य के शिक्षक

खबर मन्त्र ब्यूरो

इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

मुलाकात के दौरान शिक्षकों ने मंत्री से कहा कि विगत दिनों पलामू सहित राज्य के विभिन्न जिलों के कई शिक्षकों का ई -विद्यावाहिनी एप में बायोमेट्रिक उपस्थिति में अनियमितता को लेकर कर वेतन बंद कर दिया गया है। अभी तक उनका वेतन चालू नहीं किया गया है। इसे चालू कराया जाये। वहीं, विभाग द्वारा विभिन्न प्रोन्नतियों के लिए जारी मार्गदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए जिलों में लंबित प्रधानाध्यापक सहित सभी कोटि के पदों पर शीघ्र प्रोन्नति का कार्य संपन्न करने के लिए आवश्यक निर्देश सरकार की तरफ से विभाग को देने का आग्रह किया गया।

रांची। झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधमंडल रविवार को राज्य के पेयजल स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर से मिला। उनसे मिलकर शिक्षकों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। कहा कि ई-विद्यावाहिनी के कारण जारों शिक्षकों को वेतन नहीं मिला है। वहीं अंतर जिला स्थानांतरण समेत अन्य मुद्दों पर भी बात की। मंत्री ने डेलिगेशन को आश्वस्त किया कि जल्द ही सीएम से समय लेकर संघ से वार्ता कराकर सममस्या का हल निकाला जायेगा। मौके पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष आनंद किशोर साहू और महासचिव बलजीत कुमार सिंह के अलावा प्रदेश कोषाध्यक्ष ज्ञानचन्द साहु, प्रदेश उप संगठन मंत्री राकेश रंजन पिंकु, प्रदेश प्रवक्ता रंजीत लाल शाहदेव ,लातेहार जिला संगठन मंत्री बिजय लाल, रांची जिला कोषाध्यक्ष जिवरा उरांव और अभिषेक कुमार सिंह उपस्थित थे।

कक्षा 5 तक नियुक्त शिक्षकों की प्रोन्नति के द्वार को भी बंद करना चाह रहा शिक्षा विभाग

नयी प्रोन्नति नियमावली नहीं बनाने से झारखंड में उत्पन्न हुई है यह स्थिति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। शिक्षा विभाग कक्षा 1 से 5 के नियुक्त शिक्षकों की प्रोन्नति के द्वार को भी बंद करना चाह रहा है। नई नियुक्ति नियमावली 2012 के आलोक में नई प्रोन्नति नियमावली नहीं बनाने का यह परिणाम है। उक्त बातें अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के पदधारियों ने कही। संघ ने नई प्रोन्नति नियमावली बनाने की कार्रवाई शुरू करने की मांग की है। संघ के अधिकारियों का कहना है कि 2015-16 में प्राथमिक कक्षाओं के लिए नियुक्त शिक्षकों के उच्चतर प्राथमिक शिक्षक के पद पर प्रोन्नति के लिए सेवा में आने एवं अनुभव के बाद दोबारा 6 से 8 की शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने का निर्देश शिक्षा सचिव ने मार्गदर्शन में दिया है। झारखंड शिक्षक नियुक्ति नियमावली-2012 में नियुक्ति की शर्तें बदली, पदसोपन बदले, लेकिन इन बदली हुई शर्तों एवं पदसोपन के आलोक इनके लिए कोई नई या संशोधित प्रोन्नति नियमावली नहीं बनाई गई। इसका दुष्परिणाम 2015-16 में नियुक्त कक्षा 1 से 5 के शिक्षकों को भुगतने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

यह निष्पक्ष निर्णय नहीं

वर्ष 2012 से पूर्व के कार्यरत पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापकों) के डीपीई की प्रशैक्षणिक योग्यता को स्नातक प्रशिक्षित पद के लिए उनके सेवा अनुभव के आधार पर ही मान्य किया गया था। उस वक्त उनके लिए यह बाध्यकारी नहीं किया गया कि उन्हें बीएड होना ही होगा। इसी प्रकार 1 से 5 के टेट उत्तीर्ण कर शिक्षक बने शिक्षकों को 6 से 8 के पदों पर प्रोन्नति के लिए फिर से टेट उत्तीर्णता की बाध्यता निष्पक्ष निर्णय नहीं कहा जा सकता। आश्चर्य का विषय तो यह है कि इन शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए ऐसा कोई उपबंध है ही नही।

नई प्रोन्नति नियमावली बने

कमेटी ने नियमावली-2012 के आलोक में नई प्रोन्नति नियमावली बनाने की सुस्पष्ट अनुशंसा भी की, लेकिन अग्रेतर विभाग ने इस और कोई तत्परता नहीं दिखाई। इसके कारण 1 से 5 के शिक्षकों को भी दंश झेलने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इसलिए संघ की मांग है कि विभाग तत्काल नियमावली-2012 के आलोक में नई प्रोन्नति नियमावली बनाने की कार्रवाई शुरू करे।

दोबारा उत्तीर्ण करने की बाध्यता थोपना उचित नहीं

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ इसे शिक्षकों को मानसिक प्रताड़ना देने वाला कदम मानता है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप कुमार केसरी, महासचिव राम मूर्ति ठाकुर, प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा है कि जब ये शिक्षक अपने संवर्ग के मूल कोटि में सेवा में आने के बाद लंबे वर्षों की सेवा अनुभव प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हे दोबारा शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता कैसे थोपी जा सकती है।

समस्या की मुख्य वजह

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने 2015 में ही तत्कालीन शिक्षा सचिव को नई नियुक्ति नियमावली से उत्पन्न प्रोन्नति की समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया था। नई नियमावली बनाने की मांग की थी, जिसके आलोक में वित और कार्मिक विभाग के साथ तत्कालीन शिक्षा सचिव ने कमेटी बनाकर विचार किया।

नक्सलियों ने ट्रांसपोर्टरों को सुरक्षाबलों की मदद न करने की दी चेतावनी

कहा- पहले भी भुगतना पड़ा है खामियाजा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल्हान में सुरक्षाबलों के लिए अनाज और दूसरे तरह के सामान ढोने के लिए अपने मालवाहक वाहन उपलब्ध करवाने वाले ट्रांसपोर्टर्स को लेकर नक्सलियों ने चेतावनी जारी की है। उन्हें सुरक्षा बलों से दूर रहने के लिए कहा गया है। नक्सलियों ने एक पत्र जारी कर वाहन मालिकों को यह चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अगर सुरक्षा बलों के सामान ढोने के समय उनके वाहन लैंडमाइंस के शिकार होते हैं तो उसके लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे।

भाकपा माओवादियों के दक्षिणी जोनल कमेटी के प्रवक्ता अशोक ने एक पत्र जारी किया है। पत्र में अशोक ने 15 दिसंबर 2022, 18 जनवरी 2023 और 17 अप्रैल 2023 को दक्षिणी जोनल कमेटी की तरफ से ग्रामीण जनता को बूबी ट्रैप माइंस से सावधान करने के लिए कहा था। इसके अलावा यात्री वाहन के मालिकों से पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को ना ढोने और ना ही अपनी गाड़ी देने के लिए कहा गया था। शाम 6:00 बजे के बाद सुबह 6:00 बजे के पहले तक जंगली इलाकों से गुजरने वाले रोड पर न चलने की चेतावनी भी दी गई थी। पत्र में लिखा गया है कि उनकी चेतावनी के बाद भी प्रतिक्रियावादी तत्व, पुलिस मुखबिर और पुलिस के बहकावे में आकर कुछ लोग कमेटी की अपील और निर्देश की अवहेलना कर मनमाने ढंग से जंगल में घुसे। जिसकी वजह से बूबी ट्रैप माइंस में फंसकर उनकी जान चली गई, कुछ लोग घायल भी हुए। इन सभी वारदातों के लिए कहीं से भी संगठन जिम्मेदार नहीं है क्योंकि इसके लिए उन्हें पूर्व में चेतावनी जारी की गई थी।

माओवादी प्रवक्ता के अनुसार एक बार फिर से संगठन की तरफ से ग्रामीणों के लिए पत्र जारी किया गया ताकि आगे वे पुलिस की मदद ना करें। इसके बावजूद अगर वह अपने वाहनों में पुलिस कर्मियों को बैठाते हैं या उनके सामान को ढोते हैं तो वे अपनी सुरक्षा को लेकर खुद जिम्मेदार होंगे। पिछले 11 महीने के दौरान झारखंड के कोल्हान में पुलिस और नक्सलियों के बीच चल रहे वार में 16 ग्रामीणों की जान जा चुकी है। यही वजह है कि ग्रामीण भी अब नक्सलियों से दूर हो रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों को अपनी तरफ करने के लिए पत्र में कई तरह की बातें लिखी गई है। पत्र में लिखा गया है कि संगठन के दुश्मन गाड़ी चालक खलासी और ग्रामीण नहीं हैं।

नक्सलियों ने पत्र में यह भी लिखा है कि उनके निशाने पर अर्धसैनिक बल के आम जवान भी नहीं हैं। कोल्हान को नक्सलियों से मुक्त करवाने के लिए जिस तरह से एक अघोषित लड़ाई लड़ी जा रही है, वह उसका विरोध कर रहे हैं। कोल्हान को नक्सली मुक्त करवाने के नाम पर पुलिस के द्वारा अत्याचार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जातीय जनगणना के मुद्दे पर राज्य की जनता को बरगलाना बंद करें : सुदेश महतो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आजसू पार्टी केंद्रीय समिति की बैठक हरमू स्थित केंद्रीय कार्यलय में रविवार को केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन के विस्तार पर चर्चा हुई और पार्टी के भावी केंद्रीय समिति का स्वरूप तय किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पार्टी के केंद्रीय समिति में 50 प्रतिशत युवा सदस्य होंगे जिनकी उम्र 40 वर्ष से कम होगी। इसके साथ ही समिति में 30 प्रतिशत महिला पदाधिकारी भी होंगी। सामाजिक भागीदारी सुनिश्ति करने के लिए राज्य के आबादी के आधार पर केंद्रीय समिति में पदाधिकारियों को स्थान दिया जाएगा। राज्य के सभी प्रखंड और नगर निकाय से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने वाले कम से कम एक महिला एवं एक पुरुष केंद्रीय समिति में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

महाधिवेशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के बड़ी आबादी पर महाधिवेशन का साकारत्मक असर है।

इस दौरान सुदेश महतो ने जातीय जनगणना को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जातीय जनगणना के मुद्दे पर राज्य की जनता को चिट्ठी लिख कर और अन्य तरीके से बरगलाना बंद करे और जल्द से जल्द जातीय जनगणना करवाएं। जातीय जनगणना इस राज्य में रहने वाले हर वर्ग के लोगों के लिए बहुत आवश्यक है। इसके आधार पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं, जिससे अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति का भी विकास हो पाए। बैठक में पार्टी के सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री, जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी जिला अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रमुख नेता मौजूद थे।

राज्य के चार विभागों में होगी 863 पदों पर कंप्यूटर ऑपरेटर और एलडीसी की नियुक्ति

रांची। झारखंड के चार विभागों के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों के लिए कंप्यूटर ऑपरेटर, स्टेनो, निम्नगीय लिपिक, लेखा लिपिक की बहाली की होगी। कार्मिक विभाग की अनुशंसा पर नगर विकास विभाग, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग और उच्च शिक्षा एवं तकनीकी कौशल विभाग व पॉलीटेकनिक में ये बहालियां होंगी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने 863 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए वेंकेसी जारी की है।

इसके लिए आयोग ने विज्ञापन संख्या 15, 2023 से झारखंड इंटरमीडिएट स्तर, कंप्यूटर ज्ञान एवं कंप्यूटर में हिंदी टंकण अर्हता धारक पद के लिए संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 नियमित भर्ती जारी किया है।आवेदकों से आवेदन मांगे हैं। आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता इंटर और न्यूनतम उम्र 18 वर्ष रखी गयी है। आवेदन शुल्क सामान्य के लिए 100 रुपये से 50 रुपये तक रखा गया है। रिक्तियां आरक्षण के अनुसार जारी की गयी है।

चार साल से लंबित कांडों की समीक्षा करेंगे मुख्य सचिव

रांची। झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह 10 अक्टूबर मंगलवार को चार साल से लंबित कांडों की समीक्षा करेंगे। इसे लेकर मुख्य सचिव कार्यालय ने गृह सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में कहा गया है कि मुख्य सचिव चार साल व इससे अधिक समय से लंबित कांडों की समीक्षा जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी,सभी जिलों के एसएसपी, एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इससे पहले बीते पांच अक्टूबर को एडीजी अभियान ने जिले के एसएसपी और एसपी के साथ चार से लंबित कांडों की समीक्षा की थी।लंबे समय से लंबित केस के निष्पादन के लिए मार्गदर्शन और अनुवीक्षण समिति बनायी गयी है। इस समिति के अध्यक्ष एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर और उपाध्यक्ष, आईजी और सीआईडी असीम विक्रांत मिंज को बनाया गया है।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है अवैध भवनों को नियमित करने का विधेयक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के शहरी निकायों में अवैध नक्शे पर बने 7 लाख से अधिक भवनों के नियमितिकरण में अभी और वक्त लगेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इससे संबंधित विधेयक लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नवंबर 2022 में ही शहरी निकायों में 31 दिसंबर 2019 के पहले बने अवैध भवनों को नियमित करने की योजना के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद नगर विकास विभाग ने इस ड्राफ्ट और बेहतर बनाने के लिए एक कमेटी बनाई। उस कमेटी ने प्रारूप पर स्टेक होल्डर्स और आम लोगों की राय और आपत्ति मांगी थी। 2022 में ही स्टेक होल्डर्स ने आपत्ति दर्ज करा दी थी। वहीं कमेटी ने ओडिशा, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों के ड्राफ्ट का अध्ययन किया। अब कमेटी तेलंगाना मॉडल की स्टडी कर रही है। इसके लिए हैदराबाद से डॉक्यूमेंट मंगाये गये हैं।

2012 के बाद खरीदी गयी अधिकांश जमीनों में बिना नक्शे के बने भवन : 2012 में 51 पिछड़ी जाति को सीएनटी एक्ट में शामिल किया गया था। शहरी निकायों में काफी जमीन 2012 के बाद खरीदे गये थे। सीएनटी में आने के कारण इन जमीनों की न रसीद कटती है और न म्यूटेशन होता है। 75 फीसदी लोगों का नक्शा भूमि संबंधी मामले के कारण पास नहीं हुआ है। ऐसे मकानों को नियमित करने के लिए कई पेपर्स की जरूरत है, जो मकान मालिकों के पास नहीं है। ऐसे में इन मकानों को नियमित करने के लिए मिनिमम लैंड पेपर्स देने की छूट पर विचार किया जा रहा है।

इन सुझावों पर भी विचार कर रही कमेटी : स्टेक होल्डर्स ने सुझाव दिया है कि जिन भवनों की उंचाई 15 मीटर से अधिक और 500 स्क्वायर मीटर प्लिंथ एरिया से ज्यादा है, उसका भी शुल्क के साथ नियमितिकरण का प्रावधान किया जाना चाहिए। 15 मीटर से अधिक ऊंचे और 500 स्क्वायर मीटर से अधिक प्लिंथ एरिया वाले रेसिडेंशियल बिल्डिंग को नगर निगम क्षेत्र में 100, नगर परिषद में 75 और नगर पंचायत में 50 रुपये प्रति स्क्वायर मीटर की फीस लेकर रेगुलर किया जाना चाहिए। कमेटी इन सुझावों पर भी विचार कर रही है।

चैंबर को सरकार ने दिया है आश्वासन

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री और उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने इसे लेकर वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव से भी मुलाकात की। किशोर मंत्री ने बताया कि मंत्री ने कहा है कि सरकार इसे लेकर गंभीर है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में ही इसे लाने की तैयारी है। उन्होंने यह भी बताया कि विभागीय सचिव विनय चौबे ने कहा है कि तेलंगाना मॉडल का अध्ययन करने के बाद प्रारूप को फाइनल किया जाएगा। वहीं चैंबर ऑफ कॉमर्स ने शहरों में सीएनटी एक्ट का उल्लंघन कर बने 75 फीसदी भवनों को नियमित करने के लिए बीच का रास्ता सुझाया है। साथ ही सिंगल विंडो सिस्टम से इस योजना को लागू करने का सुझाव भी दिया है।

सुप्रभात
रांची, सोमवार
09.10.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

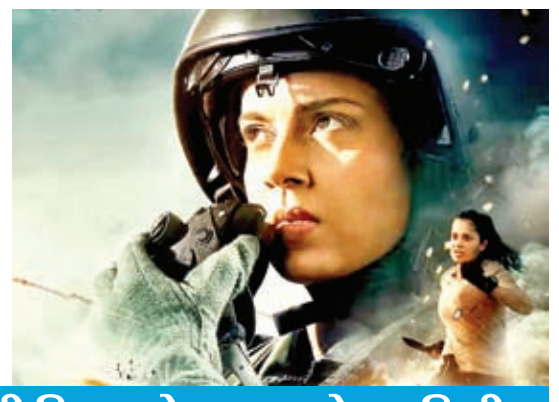

khabarmantra.net आश्विन, कृष्ण पक्ष, दशमी संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 89

12

कंगना रनौत की फिल्म तेजस का ट्रेलर रिलीज

न्यूज डायरी

सीएम की मां की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन की तबीयत बिगड़ गयी है। उन्हें रांची बरियातू के हिल व्यू हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार रूपी सोरेन को सांस संबंधी समस्या होने के बाद शनिवार देर रात अस्पताल में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बतायी है।

भूकंप से मरने वालों की संख्या 2,000 के पार

हेरात। पश्चिमी अफगानिस्तान में शनिवार को आये शक्तिशाली भूकंप से मरने वालों की संख्या दो हजार से अधिक हो गयी है। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। तालिबान सरकार ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

धनबाद : जोरदार आवाज के साथ पांच घर जमींदोज

धनबाद। सिजुआ बीसीसीएल क्षेत्र के अग्निप्रभावित क्षेत्र जोगता 11 नंबर में रविवार अहले सुबह जोरदार आवाज के साथ पांच घर जमींदोज हो गये। हालांकि इसमें सभी पांच परिवार के परिजन बाल-बाल बच गये। घटना के बाद यहां अफरा-तफरी का माहौल रहा।

मुख्य सचिव करेंगे लंबित कांडों की समीक्षा

रांची। मुख्य सचिव सुखदेव सिंह 10 अक्टूबर को चार साल से लंबित कांडों की समीक्षा करेंगे। इसको लेकर मुख्य सचिव कार्यालय ने गृह सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि मुख्य सचिव चार साल और इससे अधिक समय से लंबित कांडों की समीक्षा जोनल आइजी, रेंज के डीआइजी, सभी जिलों के एसएसपी, एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से करेंगे।

हजारीबाग : महिला ने लगायी फांसी, मौत

हजारीबाग। इचाक प्रखंड के भुसवा गांव की अख्तरी खातून (22) ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने कहा कि तीन वर्ष पूर्व अख्तरी का निकाह एहसान अंसारी से हुआ था। शादी के कुछ दिन बाद से ही उसे दहेज और बच्चा नहीं होने के कारण दवाब मिलता था, जिससे उसने विवश होकर वह शनिवार रात फांसी लगा ली।

35 अज्ञात शवों का सामूहिक दाह संस्कार

रांची। मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 35 अज्ञात शवों का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया। संस्था के सदस्य रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकाल पैक कर जुमार नदी के तट पर लेकर गये। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी।

गोल्डन सिक्स के साथ जीता भारत

ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से रौंद वर्ल्ड कप की शुरुआत

चेन्नई। खराब शुरुआत के बाद स्टार खिलाड़ी केएल राहुल के (नाबाद 97) और विराट कोहली (85) की बेहतरीन पारी के दम पर भारत ने वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से रौंद करअपने अभियान की शानदार शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को जीत के लिए 200 रन का लक्ष्य दिया था। भारत ने 4 विकेट पर 41.2 ओवर में 201 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। विजयी छक्का केएल राहुल ने जड़ा। बेहतरीन पारी पारी खेलने के चलते केएल राहुल को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

प्लेयर ऑफ दी मैच राहुल ने छक्का उड़ा कर दिलायी जीत

केएल राहुल ने 115 गेंदों में दो छक्के और 8 चौकों की मदद से नाबाद 97 रन बनाये। विराट कोहली ने 116 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 85 रन की शानदार पारी खेली। कुल दो रनके स्को पर ही कप्तान रोहित शर्मा, इशान किशन और श्रेयस अय्यर शून्य पर आउट हो गये थे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिये।

भारत का अगला मैच 11 को अफगानिस्तान के खिलाफ दोपहर दो बजे से अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली में

कोयलाकर्मियों की बल्ले-बल्ले

कामगारों को मिलेगा 85 हजार रुपये बोनस

- 21 अक्टूबर से पहले कर दिया जायेगा भुगतान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया, उसकी सहायक कंपनियों और एससीसीएल में कार्यरत साढ़े तीन लाख से अधिक कामगारों के लिए खुशखबरी सामने आ गयी। इस साल कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को 85 हजार रुपये बोनस मिलेगा। दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में मिलने वाले वार्षिक

बोनस की राशि तय करने को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) और यूनियनों के नेताओं के बीच रविवार को नयी दिल्ली में लंबी बातचीत हुई। बैठक में 85,000 के बोनस पर यूनियन और प्रबंधन के बीच सहमति बन गयी। समझौते के मुताबिक बोनस का भुगतान 21 अक्टूबर से पहले कर दिया जायेगा। पिछले वर्ष 76500 रुपये बोनस मिला था। इस लिहाज से इस साल कामगारों के बोनस में 8,500 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

(शेष पेज 11 पर)

अब तक मिले बोनस

वर्ष - रुपये	
2014 - 40,000	2019 - 64,700
2015 -48,500	2020 - 68,500
2016 - 54,000	2021- 72,500
2017- 57,000	2022- 76,500
2018 - 60,500	2023- 85,000

बेकाबू ट्रक ने दो चचेरे भाइयों को रौंदा, मौत

- एक अन्य बच्चा भी गंभीर रूप से घायल
- सड़क किनारे खेलने के दौरान हुआ हादसा

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका/ रांची। उपराजधानी दुमका में एक बेकाबू ट्रक ने तीन बच्चों को कुचल दिया। दो बच्चों ने मौके पर दी दम तोड़ दिया। वहीं तीसरे बच्चे की हालत गंभीर है। दोनों मृतक बच्चे ध्रुवराज नाग और सोमनाथ नाग चचेरे भाई थे। बच्चों की मौत से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। हादसा मसलिया थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार की है। ये तीनों बच्चे सड़क के किनारे खेल रहे थे। उसी दौरान अनियंत्रित ट्रक ने तीनों को बच्चों को रौंद दिया। हादसे के बाद ट्रक भी पलट गया। चालक भी घायल हो गया। आक्रोशित लोगों ने ट्रक चालक की जमकर पिटाई कर दी। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सांख्यिकी पदाधिकारी की सड़क हादसे में मौत

दुमका। जिले में ही एक अन्य सड़क हादसे में सड़क हादसे में जामताड़ा जिला के सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी गंगाराम मरांडी की मौत हो गयी। हादसा जरमुंडी थाना क्षेत्र में हुआ। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार के कारण ये हादसा हुआ। श्री मरांडी, बाइक से बासुकीनाथ - नोनीहाट हो अपने घर बेनुकट्टा गांव जा रहे थे। इसी दौरान एक घुमावदार मोड़ पर उनकी बाइक अनियंत्रित सड़क किनारे पेड़ से जा टकरा गयी। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी। उनकी जेब में मिले परिचयपत्र से उनकी पहचान हुई।

इजराइल का बड़ा एक्शन, सैकड़ों आतंकवादी ढेर, बंधक

संघर्ष में 600 से अधिक मारे गये

एजेंसी

तेल अवीव/गाजा। इजरायली सेना और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच लड़ाई में 600 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। दोनों में लड़ाई तेज होती जा रही है। इस बीच इजराइल और हमास के बीच संघर्ष में हिजबुल्लाह भी कूद गया है। इसने रविवार सुबह लेबनान सीमा पर इजरायली सैन्य स्थलों पर मोर्टार और गोले दागे। इसमें कई लोगों के घायल होने की खबर है। खबरों के अनुसार इजराइल में रह रहे सभी भारतीय सुरक्षित हैं। वे दूतावास के संपर्क में हैं।

जोरदार पलटवार : वहीं तेल अवीव में इजराइली सेना के एक अधिकारी ने कहा कि गाजा और दक्षिणी इजराइल में हमास के साथ जारी लड़ाई में सैकड़ों आतंकवादी मारे गये और अनेक को बंधक बना लिया गया है। रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने फिलीस्तीनी आतंकवादी समूह द्वारा इजराइल पर अप्रत्याशित हमला किये जाने, सैकड़ों लोगों की हत्या करने और कई लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले जाने के 24 घंटे से अधिक समय बाद रविवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में यह जानकारी दी। इजराइल ने गाजा में हवाई हमलों में कई इमारतों और आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया है।

(शेष पेज 11 पर)

अबतक का सबसे बड़ा हमला

इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से तुर्की में इजराइल के दूतावास ने कहा, इजराइल में भी 300 नागरिक मारे गये हैं और दर्जनों इजराइलियों को बंधक बना लिया गया है। अबतक के सबसे बड़े हमले में हमास ने शनिवार को गाजा पट्टी से यहूदी राज्य की ओर मिसाइलों की बौछारें कर दी थी। हमले की शुरुआत इजराइल पर 2,000 से अधिक रॉकेट दागे जाने से हुई।

उर्स मेला : बीएमपी-जैप जवानों ने की चादरपोशी

रांची। राजधानी के डोरंडा स्थित रिसालदार बाबा के 216वें सालाना उर्स पर रविवार को भी चादरपोशी का सिलसिला चलता रहा। सभी वर्गों के लोगों में रिसालदार बाबा के प्रति गहरी आस्था है। उर्स मेला के चौथे दिन झारखंड सशस्त्र बल और बिहार के बीएमपी के 200 से अधिक जवानों ने अपनी पलटन के साथ शाह बाबा को सलामी देते हुए चादरपोशी की। गोरखा बटालियन भी परंपरा का निर्वहन वर्षों से करती आ रही है।

साल में दो बार बोर्ड परीक्षा देना अनिवार्य नहीं : मंत्री

10वीं, 12वीं की परीक्षा दो बार होगी, बच्चे विकल्प चुन सकेंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि विद्यार्थियों के लिए कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में साल में दो बार शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा। विद्यार्थियों के पास इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेइइ की तरह ही साल में दो बार कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में बैठने का विकल्प होगा। वे परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर चुन सकते हैं...,लेकिन यह पूरी तरह से वैकल्पिक होगा, इसे लेकर कोई बाध्यता नहीं होगी। एकल अवसर के डर से होने वाले तनाव को कम करने के उद्देश्य से यह विकल्प पेश किया जा रहा है। श्री प्रधान एक साक्षात्कार में बोल रहे थे।

बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार होंगी : उन्होंने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि वह पूरी तरह से तैयार है और परीक्षा के पहले सेट में प्राप्तांक से संतुष्ट है, तो वह अगली परीक्षा में शामिल न होने का विकल्प चुन सकता है तथा कुछ भी अनिवार्य नहीं होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा अगस्त में घोषित न्नयी पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जायेंगी, ताकि विद्यार्थियों के पास अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर हो तथा उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाये रखने का विकल्प मिले। साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की योजना पर उन्हें विद्यार्थियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

(शेष पेज 1 पर)

चेशायर होमः खाता नं 37 की जमाबंदी रद्द करने का आदेश

विष्णु अग्रवाल के नाम बड़गाई अंचल ने किया था म्यूटेशन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बड़गाई अंचल के गाड़ी मौजा स्थित खाता संख्या 37 की जिस 1 एकड़ जमीन की खरीदारी व्यवसायी विष्णु अग्रवाल ने की थी, उसकी जमाबंदी रद्द करने का आदेश रांची के एलआरडीसी ने दिया है। व्यवसायी विष्णु अग्रवाल द्वारा खरीदी गयी जमीन की बड़गाईं अंचल ने उनके नाम से जमाबंदी कायम कर दी थी। ईडी के अधिकारी भी चेशायर होम रोड के खाता नंबर 37 के भूमि घोटाले की जांच कर रहे हैं।

कई दावेदार सामने आये : उल्लेखनीय है कि चेशायर होम रोड स्थित इस भूखंड की डील प्रेम प्रकाश के करीबी पुनीत भार्गव ने विष्णु अग्रवाल से की थी। डील के बाद इस जमीन के तीन दावेदार सामने आ चुके हैं। पहले दावेदार उमेश गोप हैं, जो खुद को इस भूमि का असली मालिक बता रहे हैं। दूसरे दावेदार लखन सिंह हैं, जिनके पिता काली राम सिंह हैं। लखन सिंह के नाम से बने दस्तावेज कोलकाता के रिकॉर्ड रूम में मौजूद हैं, जो संदेहास्पद हैं। तीसरे दावेदार राजेश राय हैं, जिनके पिता जगदीश राय हैं। पुनीत भार्गव ने इनसे ही जमीन की रजिस्ट्री करायी थी।

(शेष पेज 11 पर)

जमाबंदी को दी गयी थी चुनौती

विष्णु अग्रवाल के नाम पर जमाबंदी कायम करने के आदेश को एलआरडीसी (भूमि उपसमाहर्ता) के कोर्ट में चुनौती दी गयी थी। जमीन का खतियानी मालिक होने का दावा करनेवाले उमेश गोप ने जमाबंदी खारिज करने की अपील की थी। खाता संख्या 37 की 60 कट्ठा जमीन पर अपना दावा करने वाले सभी पक्षों ने अपने कागजात एलआडीसी के समक्ष पेश किये। करीब एक वर्ष से ज्यादा समय तक यह मामला एलआरडीसी कोर्ट में चला। सभी पक्षों को सुनने के बाद एलआरडीसी कोर्ट ने विष्णु अग्रवाल के नाम जमाबंदी को रद्द करने का आदेश दिया है। आदेश की प्रतिलिपि बड़गाईं सीओ को भी भेज दी गयी है।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 54,000 रु./10 ग्राम
चांदी : 72,000 रु./प्रति किलो

लव जेहाद और धर्म परिवर्तन को गैर कानूनी घोषित करे सरकार : अशोक तिवारी

धुर्वा के श्री जगन्नाथ मैदान में धर्म सभा का हुआ आयोजन, बजरंग दल ने शहर में निकाली शौर्य जागरण यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जिस तरह से हिंदुओं के खिलाफ दूसरे धर्म वाले लव जेहाद और धर्म परिवर्तन का एजेंडा चला रहे है, उसे हिंदू समाज किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। सरकार को चहिए कि ऐसी गतिविधियों को गैर कानूनी घोषित करे। यह बात विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री एवं धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने रविवार को धुर्वा स्थित श्री जगरनाथ मैदान में आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर संत महंत के साथ समस्त हिंदू समाज, हिंदू संगठनों का जनसैलाब श्री रामजन्म भूमि अयोध्या मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के शंखनाद आमंत्रण में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित, प्रणवोच्चार एकात्मता मंत्र और विजय महामंत्र रंगनाथ महतो के उच्चारण के साथ किया गया। अतिथियों का परिचय और स्वागत माला और अंगवस्त्र देकर किया गया। स्वागत भाषण तिलक राज मंगलम, प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष ने दिया। इस धर्म सभा में संत महंत और अखिल भारतीय अधिकारियों द्वारा उद्बोधन किया गया।

महामंडलेश्वर सूर्यनारायण दास महत्यागी महाराज, स्वामी कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी ने अपनी यात्रा का अनुभव एवं शिलान्यास कार्यक्रम के संदर्भ में बताया। साध्वी लाडली शरण ने मातृ शक्ति जागरण के संदर्भ में और चंद्रकांत रायपत ने धार्मिक न्यास बोर्ड के वर्तमान धार्मिक घुसपैठ के बारे में बताया। स्वामी भूतेशानंद महाराज ने सेवा के महत्व के बारे में बताया। वीरेंद्र

विमल ने झारखंड के महापुरुषों का प्रक्रम की व्याख्या की। कैलाश केसरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन मिथिलेश्वर मिश्र और दीपक ठाकुर ने किया।

इससे पूर्व विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की युवा इकाई बजरंग दल द्वारा शहर के कई हिस्सों से शौर्य जागरण यात्रा निकाली गयी। यात्रा को शहर के कई जगहों पर स्वागत किया गया। यात्रा धुर्वा स्थित श्री जगरनाथ मैदान में पहुंच कर सभा में परिवर्तित हो गयी।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप महामंडलेश्वर स्वामी सूर्य नारायण दास महात्यागी, जगन्नाथ शाही, रामस्वरूप रोंगटा, क्षेत्रीय अध्यक्ष, वीरेंद्र विमल क्षेत्रीय मंत्री, तिलकराज मंगलम कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष, चंद्रकांत रायपत संयोजक धर्म सभा प्रांत उपाध्यक्ष, कृष्ण चैतन्य महाराज, सिद्धनाथ सिंह, जन्मजय कुमार क्षेत्रीय संयोजक बजरंग दल, परिपूर्णेन्दु महाराज चिन्मय आश्रम, गोकुल दस राम मंदिर चुटिया, ओमप्रकाश शरण तपोवन श्री राम जानकी मंदिर, भूतेशानंद महाराज भारत सेवा आश्रम संघ, सीताराम शरण, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह,ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, गोपी लाल जी गंगा प्रसाद यादव, सुभाष नेत्रगयालकर प्रांत उपाध्यक्ष, सुनील गुप्ता प्रांत उपाध्यक्ष मनोज पोद्दार प्रांत सहमंत्री, रामनरेश सिंह प्रांत सहमंत्री, रामनाथ सिंह प्रांत मंत्री, मदन बागड़िया जी प्रांत कोषाध्यक्ष, शिव साबू प्रांत सहकोषाध्यक्ष, अजय अग्रवाल प्रांत सेवा प्रमुख, जुगल प्रसाद प्रांत धमार्चार्य संपर्क प्रमुख, दीपा रानी कुंज प्रांत मातृशक्ति, दीपक ठाकुर प्रांत संयोजक बजरंग दल, अनुराधा कश्यप प्रांत दुर्गा वाहिनी संयोजिका, अरविंद सिंह प्रांत संपर्क प्रमुख, बलदेव आचार्य , आचार्य पुरोहित प्रमुख, संजय कुमार प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख, प्रकाश रंजन सहप्रमुख प्रचार प्रसार, रेनू अग्रवाल विशेष संपर्क प्रमुख,कृष्ण देव पांडे विभाग धमार्चार्य संपर्क प्रमुख, गिरजा शंकर पांडे नागेंद्र सिंह ,किशन झा विभाग मंत्री रांची, कैलाश केसरी सुजीत सिंह ,राजीव रंजन मिश्रा, मेधा उरांव, सुखी उरांव, रेखा जैन, पुनीत पोद्दार,प्रदीप राजगारिया, नवीन झा, युगल कांगडा, विजय मिनोचा, रवि शंकर राय,दीपक कुमार रवि, राजकुमार शर्मा, अमर प्रसाद,गणेश शंकर विद्यार्थी, रमेश दयाल ग्रामीण अध्यक्ष, विनोद जायसवाल खूंटी जिला अध्यक्ष,चंद्रदीप दुबे,विश्व रंजन, सुरेन्द्र तिवारी, जितेंद्र तिवारी,मुकेश गिरि, नागेंद्र शुक्ला, बबिता हिंदू, समृद्धि, ज्ञान प्रकाश, पारस नाथ मिश्र, दीपक साहू, रोहित राज, छोटू वर्मा, अनामिका श्रीवास्तव, भगीरथ पोद्दार,रोबिन महतो, रौशन चोधरी,विनोद विश्वकर्मा बजरंग दल मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मुक्ति संस्था ने 35 अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची। मुक्ति संस्था के द्वारा रविवार को जुमार नदी के तट पर 35 अज्ञात शवों का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया। मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से सभी शवों को निकालकर पैककर जुमार नदी ले गए। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था की ओर से अबतक कुल 1623 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया। इस दौरान मौके पर प्रवीण लोहिया, रवि अग्रवाल, अमित किशोर, रतन अग्रवाल, राजेश विजयवर्गीय, सीताराम कौशिक, सुनील अग्रवाल, संदीप पपनेजा, सौरभ बथवाल, केवल किशोर, पंकज खिरवाल, मोती सिंह, हरीश नागपाल, मनोज पाठक, नरेश प्रसाद, पंकज मीढा, अरुण कुटरियार आदि मौजूद रहे।

अंजुमन इस्लामिया अस्पताल के अध्यक्ष बने हाजी मुख्तार, महासचिव अनवर अन्नु

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रविवार को अंजुमन इस्लामिया अस्पताल परिसर में जनरल बॉडी की एक बैठक चुनाव को लेकर हुई। जिसकी अध्यक्षता शहर के मकबूल समाजसेवी हाजी गुलाम रब्बानी ने की और संचालन नौशाद आलम उर्फ गुज्जर ने किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे हाजी गुलाम रब्बानी ने कहा की आज के पूर्व जो अंजुमन अस्पताल कमिटी बनी थी वो नियम अनुसार नही थी। 14 के जगह पर 17 लोग थे। जो नियम विरुद्ध है। उस कमिटी को भंग करते हुए नई कमिटी बनाने का प्रस्ताव रखा। साथ ही पूर्व की भाँति अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष को हॉस्पिटल सोसायटी एक्ट के तहत हाजी मुख्तार को अंजुमन इस्लामिया अस्पताल सोशल सर्विसेज सोसायटी का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में अंजुमन इस्लामिया हॉस्पिटल में चल रहे उतार-चढ़ाव पर चर्चा हुई। सभी ने एक स्वर में कहा के अंजुमन इस्लामिया हॉस्पिटल को बेहतर बनाने के लिए हर एक पंचायत, सोसाइटी, तंजीम, एदारा को साथ आना होगा। तभी हम मिलकर आगे बढ़ सकते हैं। बैठक में अंजुमन इस्लामिया मेडिकल एंड सोशल सर्विसेज सोसाइटी एक्ट के तहत अंजुमन हॉस्पिटल का चुनाव कराने की बात हुई। तय हुआ कि जो लोग हॉस्पिटल में सेवा देना चाहते है वो स्वयं अपना नाम बैठक में पेश करें। नाम आने के बाद उनके नाम पर अगर लोग सहमत होते हैं और उनके नाम पर हाथ उठाते हैं तो वह माना जायेगा। सर्वसम्मति से लोग जिनके नाम पर हाथ उठाकर अपना समर्थन दिया उसे हाउस ने मंजूर किया। अध्यक्ष में हाजी मुख्तार अहमद, उपाध्यक्ष जाहिद काजल, महासचिव अनवर आलम अन्नु, उप सचिव नदीम इकबाल, कोषाध्यक्ष मास्टर शाहिद का नाम हैं। इनके अलावा 9 कार्यकारिणी सदस्य का भी चुनाव किया गया। इसमें रांची शहर के प्रख्यात समाजसेवी पूर्व पार्षद मोहम्मद असलम, अफरोज आलम, जफर खान, मोहम्मद सुफियान, जबीउल हक, अब्दुल खालिक नन्हू, शाफिकुर रहमान, डॉक्टर सैयद इकबाल, और मोहम्मद मुकीम आलम का नाम शामिल है।

बैंक ऑफ इंडिया में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बैंक ऑफ इंडिया के रांची आंचलिक कार्यालय के बिरसा मुंडा सभागार में हिंदी माह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। माह के दौरान ऑनलाइन बैंकिंग और राजभाषा सामान्य ज्ञान, हिंदी टंकण, श्रुतिलेख, टिप्पण लेखन, अंचल स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता (अधीनस्थ, लिपिक और अधिकारी के लिए अलग-अलग) और विभागों के लिए हिंदी ई-मेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसके विजेताओं को आंचलिक प्रबंधक संजीव कुमार सिंह, उप आंचलिक प्रबंधक नरेंद्र कुमार और सुनीत कुमार ने पुरस्कृत किया।

आंचलिक प्रबंधक संजीव कुमार सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में हमारे अंचल के लिए काफी उत्साहवर्धक रहा। राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय से पूर्वी क्षेत्र के लिए राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुआ। नराकास (बैंक), रांची और प्रधान कार्यालय से भी श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसे हमें आगे भी जारी रखना है।

नरेंद्र कुमार दास, उप आंचलिक प्रबंधक ने सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने हिंदी में कामकाज को लेकर जो सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है, उसे समय सीमा में सीमित न करके अपने दैनिक कामकाज में ज्यादा से ज्यादा प्रयोग को बढ़ाने और उसमें उत्तरोत्तर वृद्धि करने का आह्वान किया। सुनीत कुमार ने अंचल में बेहतर राजभाषा कार्यान्वयन में सक्रिय योगदान करने वाले सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। आंचलिक प्रबंधक संजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज की बैंकिंग में बढ़ते धोखाधड़ी के मामले : चुनौतियां और बचाव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें नरेंद्र कुमार दास, उप आंचलिक प्रबंधक, संतोष मेहता, वरिष्ठ प्रबंधक और सुश्री शिल्पा भाटिया ने उपरोक्त विषय पर लिखे निबंध को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन राजेश यादव, प्रबंधक, राजभाषा विभाग ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अनुराग वर्मा, मुख्य प्रबंधक, विपणन विभाग ने किया। मौके पर पप्पू कुमार, बिनय कुजूर, राजेश कुमार, ओमप्रकाश, नजमुल होदा, संतोष कुमार, शिल्पी भाटिया, अरुण कुमार आदि उपस्थित थे।

न्यू डेली मार्केट के अध्यक्ष बने हाजी हाशिम

रांची। रविवार को न्यू डेली मार्केट ट्रेड वेलफेयर एसोशिएशन का चुनाव संपन्न हुए। हाजी मो हाशिम एसोसियेशन के अध्यक्ष पद पर विजयी हुए। 21 वर्षो से अध्यक्ष पद पर हाजी मो हाशिम बने हुए हैं। दो साल के कार्यकाल वाली यह समिति अपने अच्छे कार्यों को लेकर आगे बढ़ रही है। चुनाव अधिकारी मिन्हाज आलम ने कहा की चुनाव शांति पूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

ऑब्स एंड गायनी सोसाइटी की सीएमइ सह जीबी की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ऑब्स एंड गायनी सोसाइटी की नई टीम ने रविवार को बीएनआर चाणक्या में सीएमई सह जीबी बैठक की। इस दौरान सोसायटी की संरक्षक डॉ उषा नाथ ने डिजिटल चुनाव के महत्व और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। जिसके माध्यम से पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। इस दौरान नई अध्यक्ष डॉ शशि बाला सिंह ने स्त्री एवं प्रसूति से जुड़ी समस्याओं और उनके निदान पर चर्चा की। सचिव डॉ अर्चना कुमारी ने नई साथी टीम का परिचय कराया। सोसायटी की पूर्व अध्यक्ष डॉ सुमन सिन्हा का विशेष अभिनंदन किया गया। जिनके दो साल के कार्यकाल में सोसायटी ने नए मानक हासिल किए. वैज्ञानिक सत्र में प्रख्यात वक्ता डॉ आशीष मुखोपाध्याय ने समय से पहले प्रसव की कठिनाइयों और प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। पूरे सत्र की मेजबानी नई टीम की संयुक्त सचिव डॉ वंदिता और कोषाध्यक्ष डॉ रश्मी सिंह ने की।

खबर एक नजर में

डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातू में दो दिनी कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम संपन्न

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातु में चल रहे दो दिनी कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अन्तिम दिन रविवार को नई शिक्षा नीति के तहत पठन-पाठन समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की गयी। अंतिम दिन रिसोर्स पर्सन द्वारा गतिविधियों के माध्यम से अध्यापन करना, प्रत्येक विद्यार्थी को महत्वपूर्ण मानना और उसकी क्षमता को परिष्कृत करना, शिक्षकों को अपनी पढ़ाई के तार विद्यार्थियों के मन के तार के साथ जोड़ना तथा नई शिक्षा नीतिनुसार कम्पीटेंसि बेस्ड एजुकेशन और एक्सपीरियेंसिंग लर्निंग के सिद्धातों के अनुसार पठन-पाठन करना जैसे विषयों पर चर्चा की गई। प्राचार्य विनय कुमार पांडेय ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा अपनी शिक्षण पद्धति का परस्पर आदान प्रदान करना और उसे विकसित करना है।

बाबा विद्यापति स्मारक समिति के नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में मरीजों को डॉक्टरों ने दी सलाह

रांची। बाबा विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को नि:शुल्क हृदय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सभी आगंतुकों के साथ बाबा विद्यापति पर माल्यार्पण कर बाबा विद्यापति रचित आरती जय जय भैरवी असुर भयावानी आरती से की गयी। इसके बाद समिति के कार्यकारी अध्यक्ष जयंत झा द्वारा प्रसिद्ध चिकित्सक राजेश अग्रवाल को पुष्प गुच्छ, मिथिला पाग एवं शाल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि समिति को जब भी किसी कार्य की जरूरत पड़ेगी तो मैं हर तरह हर संभव समिति को मदद करूंगा। मौके पर नि: शुल्क हृदय चिकित्सा शिविर और नर सेवा नारायण सेवा के तहत करीब सैकड़ों हृदय रोगी एवं चर्म रोगी का इलाज डॉ राजेश अग्रवाल एवं डॉ एसके चौधरी ने किया। इस दौरान उनके सहयोगी टेक्नीशियन जिनके द्वारा ब्लड प्रेशर, शुगर आदि की नि:शुल्क जांच की गयी।

भाजपा मेसरा मंडल में पूर्व विधायक के साथ बूथ अध्यक्षों की बैठक

रांची। कांके विधानसभा क्षेत्र के भाजपा मेसरा मंडल में रविवार को लोकसभा व विधानसभा चुनाव को लेकर प्रभारी ने मंडल के सभी कार्यकताओं व बूथ अध्यक्ष के साथ बैठक की गयी। इसमें बूथ अध्यक्ष का सत्यापन किया गया। साथ ही हरेक पंचायत व गांव में बूथ कमिटी बनाने का निर्देश दिया गया। बैठक में मेसरा मंडल के सभी पंचायतों के पंचायत प्रभारी भी चुने गये। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को पुन: प्रधानमंत्री बनाने, केंद्र में भाजपा की सरकार लाने के लिए बूथ लेवल पर नजर रखने की बात कही गयी। सभी कार्यकताओं को निर्देश दिया गया कि केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को जनता तक पहुंचायें। जनता का इसका लाभ मिले। इसका ध्यान रखना है। बैठक में पूर्व विधायक डॉ जितुचरण राम, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, प्रभारी राजेन्द्र मानकी शाही, रांची जिला ग्रामीण महामंत्री नरेंद्र कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

भगवा सेना के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह एवं महानगर अध्यक्ष बने अंकित वर्मा

रांची। कचहरी रोड स्थित दुर्गा पुजा महानगर कार्यालय बिहार क्लब में भगवा सेना की एक बैठक रविवार को भगवा सेना के संस्थापक मुकेश वर्मा एवं सेना प्रमुख अमित सोनी के संयुक्त अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि महानगर दुर्गा पुजा समिति के अध्यक्ष डॉक्टर अजीत सहाय तथा विशिष्ट अतिथि संस्था के संरक्षक संतोष कुमार सोनी, नीरज कुमार, गौतम रीत राज, मंटू सिंह मंजीत सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने सर्वसम्मति से भगवा सेना का विस्तार करते हुए ज़िला कमिटी एवं महानगर कमिटी का गठन किया। जिसमें ज़िला अध्यक्ष के दायित्व पर जितेंद्र सिंह एवं महानगर अध्यक्ष अंकित वर्मा को निर्विरोध चुना गया, जिसका सबने फूल माला तथा बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष एवं महानगर अध्यक्ष ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा की भगवा सेना शहर की प्रतिष्ठित संस्था है, जो समय समय पर ब्लड डोनेट कैंप,सड़क किनारे रह रहें जरूरत मंद को कंबल तथा कपड़ों का बितरण जैसे सामाजिक कार्यों को करते हुए एक अलग पहचान बनाई है। भगवा सेना द्वारा जो जिमेदारी दी गई है,उसे पूरी निष्ठा से निभाऊँगा एवं संस्था के हित के लिए सदैव तत्पर रहूंगा।

श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन

रांची। संत शिरोमणि श्री श्री 1008 स्वामी सदानंद महाराज द्वारा संचालित समाजिक एव धार्मिक संस्था कृष्ण प्रणामी सेवाधाम ट्रस्ट एव स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा रविवार को 111 वें नि:शुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे आयोजन किया गया। भंडारे का प्रसाद लेने आये हुए श्रद्धालुओ एव ग्रामीणो का नि:शुल्क ब्लड प्रेशर, शुगर जांच किया गया। अभी तक संस्था के द्वारा लगभग 2500 जरुरत मंदो का ईलाज कर दवाई का वितरण किया गया है। संस्था के मनीष जालान,राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक विशाल जालान सह-संयोजक पुर्णमल सर्राफ ओमप्रकाश सरावगी के द्वारा वहां के जरूरतमंद ग्रामीण मंदिर के आस पास के रहने वाले श्रद्धालुओ, जरुरतमंद परिवार के सदस्यों मंदिर के सामने के गुजरने वाले राहगीरों एवं बच्चों के बीच 111वें नि:शुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का विधिवत उद्घाटन कर वितरण शुरू किया गया।

अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता एलिसन रूपल खाखा सम्मानित

रांची। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी इमा के तत्वावधान में फर्स्टक्राई इंटेलिटॉट्स प्री स्कूल अशोकनगर रोड नंबर-5, रांची में इमा कराटे प्रशिक्षण शाखा का उद्घाटन रविवार को किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पूर्व उप महापौर अजय नाथ शाहदेव, इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोत्ता, फर्स्टक्राई इंटेलिटॉट्स प्री स्कूल के निदेशक विवेक भारती एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहिनी रितिका टोप्पो ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान पिछले दिनों बैंकॉक थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में देश के लिए पदक जीतने वाली खिलाड़ी एलिसन रुपल खाखा को अजय नाथ शहदेव ने सम्मानित किया। अजय नाथ शाहदेव ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार से इमा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रही है, यह एक बड़ी उपलब्धि है। शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि अशोकनगर में शाखा खुलने से अशोक नगर के 3 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को कराटे प्रशिक्षण लेने में सुविधा होगी। इस शाखा में किसी भी आयु के लड़के, लड़कियां एवं महिला, पुरुष अपना नामांकन करा सकते हैं। पहले आने वाले 20 लोगों का नि:शुल्क नामांकन लिया जाएगा। उद्घाटन के दौरान इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के खिलाड़ियों ने कराटे का उम्दा प्रदर्शन किया जहां 10 वर्ष से कम आयु के 3 खिलाड़ी आसीन ऐलिसन और आरोही भूमि ने टीम काता का प्रदर्शन किया कहीं फाइट के माध्यम से आरती, रितिका, दीपशिखा और प्रतिभा ने आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया।

अंजुमन इस्लामिया के मजलिसे आमला की टीम ने अंजुमन अस्पताल की नयी कमेटी का विरोध किया

रांची। अंजुमन इस्लामिया की मजलिस-ए-आमला की एक अपातकाल बैठक रविवार को हुई जिससे सदर अंजुमन इस्लामिया सदर मोख्तार द्वारा जो अंजुमन इस्लामिया अस्पताल में गैर कानूनी तरीके से फर्जी कमीटि बनाई गई उसका एक सुर में सारे मेम्बरानों ने पुरजोर विरोध किया और इसे पूरी तरह से फर्जी और आईन के खिलाफ काम बताया। जिस आईन का हवाला अंजुमन सदर मोखतार दें रहे हैं, वो 2005 का है और इसकी मान्यता खत्म हो चुकी है थी। इस आईन में भी कही ऐसा नही लिखा है कि सदर अंजुमन अपनी मनमानी से कभी भी कमिटी बना और हटा सकते हैं। मालूम हो कि दिनांक 29-09-23 को सदर मोख्तार साहेब खुद सचिव डा.तारिक ने 16-09-23 की एग्जीक्यूटिव बॉडी का रेजुलेशन का हवाला देते हुए 17 मेम्बरों को घटा कर 14 कार्यकारिणी सदस्य बनाया था और अंजुमन अस्पताल के बैंक खातों में और सारे मेम्बरानों को दिया था था।

श्रीवास्तव गिरोह का अपराधी गिरफ्तार

रांची। हिंदपीढ़ी इलाके से एके-47 और 16 पीस पिस्टल बरामदगी मामले में श्रीवास्तव गिरोह का अपराधी गिरफ्तार हुआ है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान मजरूल उर्फ करन उर्फ जमरूल को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मजरूल को पलामू जिला के हैदरनगर से गिरफ्तार किया गया है। बताते चलें कि बीते 26 मार्च 2018 को शहर के हिंदपीढ़ी इलाके से तत्कालीन एसएसपी कुलदीप द्विवेदी ने खुद छापेमारी कर हथियार जब्त किया था। हत्याकांड की छानबीन में पुलिस की यह उपलब्धि मिली थी। इस मामले में मजरूल फरार चल रहा था।

भारतीय नवयुवक संघ बकरी बाजार के पंडाल के समीप की समस्या का हुआ समाधान

खबर का असर : पूजा का बने भव्य पंडाल और समस्याओं का हो समाधान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूजा का बने भव्य पंडाल और समस्या का हो समाधान खबर मंत्र के द्वारा पूरे एक माह इस अभियान को चलाया गया। इस को चलाने का मुख्य उदेश्य था पूजा पंडाल के आसपास जो भी समस्या हो उसे नगर निगम या पूजा समिति मिल बैठकर उसका हल निकाले ताकि पूजा के दौरान आने वाले मां के भक्तों को किसी तरह की असुविधा न हो, जिसका असर रविवार को भारतीय नवयुवक संघ बकरी बाजार पूजा पंडाल मे देखने को मिला। राजधानी के एक प्रमुख पंडालों में से एक है। भारतीय नवयुवक संघ बकरी बाजार दुर्गा पूजा समिति राजधानी ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड से लोग यहां के पंडाल को देखने के लिए आते हैं। जब हमने इस पंडाल के बारे में छपा था उस वक्त यहां की मुख्य समस्या थी नगर निगम के द्वारा कबाड़ डंप करने का,इस समस्या को खबर मन्त्र अखबार ने प्रमुखता से छापा था । रविवार को यह देखने को मिला कि नगर निगम अपने पूरे कबाड़ को एक किनारे कर दिया है और पूजा के द्वारा वहां कनात लगाकर घेर दिया जाएगा ताकि आने वाले भक्तों को किसी तरह की परेशानी ना हो और पूजा का भव्य रूप बना रहे।

पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने कहा कि हम लोगों ने नगर निगम से निवेदन किया था कि पांच अक्टूबर तक पूजा स्थल की साफ-सफाई निगम करा दे। नगर निगम ने पूरी साफ सफाई कर दी जितना भी यहां कबाड़ा था उसे पीछे कर दिया गया है पूजा से पूर्व कनात से ढक दिया जाएगा ताकि आने वाले भक्तों को किसी तरह का दिक्कत ना हो इसके लिए हम नगर निगम और खबर मन्त्र को धन्यवाद देते हैं।

भारतीय नवयुवक संघ बकरी बाजार में दिखेगा महाभारत का 'चक्रव्यूह'

भारतीय नवयुवक संघ बकरी बाजार इस बार श्रद्धालुओं के लिए चक्रव्यूह का निर्माण कर रहा है। महाभारत का चक्रव्यूह, इससे बाहर निकलना आज भी दुनिया के लिए एक रहस्य है। पंडाल में जाने के लिए भक्तों को सीढ़ी से ऊपर चढ़ना होगा और यहां से चक्रव्यूह में प्रवेश करेंगे और उसी में घूमते हुए नीचे उतरेंगे चक्रव्यूह में विशेष विद्युत सज्जा की गयी है।

आचार्यकुलम विद्यालय में लगी कला एवं शिल्प प्रदर्शनी

रांची। आचार्यकुलम विद्यालय परिसर में कला एवं शिल्प प्रदर्शनी लगायी गयी। इसमें कक्षा एलकेजी से लेकर कक्षा 9 तक के छात्र-छात्राओं ने अपनी -अपनी कला को प्रदर्शित किया। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर मंत्र उच्चारण के साथ हुआ। बच्चों ने इस कला और शिल्प प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की पेंटिंग और क्राफ्ट प्रस्तुत किये। इसमें फोटो फ्रेम, जूट रस्सी कला, विभिन्न सामग्रियों यथा कपड़ा, कागज, तार, झाड़ू छड़ी का उपयोग करके फूल पॉट पेंटिंग, कांच की पेंटिंग, दीवार पर लटकाना, डिस्पोजेबल ग्लास के साथ टेबल लैंप, कागज के साथ हैंडबैग, कार्डबोर्ड का उपयोग कर गिटार, टेडी बियर बनाना, लिप्पन कला, बोतल की सजावट, लकड़ी की कील धागा कला, कांच की पेंटिंग इत्यादि प्रदर्शित की गयी।

हर पूजा पंडाल में कम से कम पांच सदस्य तैनात करें : रमेश सिंह

सुरक्षा दस्ता रांची महानगर के प्रधान कार्यालय का हुआ उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। समाजसेवी रमेश सिंह ने रविवार को रांची के कचहरी रोड में सुरक्षा दस्ता रांची महानगर के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रमेश सिंह ने कहा कि राजधानी में दुर्गा पूजा की धूम मची रहती है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र से लाखों लोग पूजा पंडाल को देखने आते हैं। इसी भीड़ का फायदा उठाकर कुछ चोर उचक्के पूजा में बाधा उत्पन्न करते हैं। ऐसे लोगों पर नकेल कसने के लिए सुरक्षा दस्ता का गठन बहुत ही उत्तम कार्य है।

उन्होंने सुरक्षा दस्ता के सदस्यों से निवेदन किया कि हर पूजा पंडाल में कम से कम पांच सदस्यों को तैनात करें, ताकि चोर-उच्चकों पर नकेल कसा जा सके। पूजा में कहीं भी कोई बाधा उत्पन्न होती है, तो तुरंत पुलिस को फोन करें। बैठक में सुरक्षा दस्ता के संरक्षक रवींद्र वर्मा, बजरंग वर्मा और अध्यक्ष मंटू वर्मा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में दीपू वर्मा, रोशन सिंह, शंकर बर्मन, शिव शर्मा, मनोज वर्मा, रंजन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवा सुरक्षा वाहिनी जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करेगा

रांची। युवा सुरक्षा वाहिनी की बैठक रविवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता युवा सुरक्षा वाहिनी के अध्यक्ष ओम वर्मा ने की । बैठक में दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर विचार विमर्श किया गया। पूजा के दौरान होने वाले सभी बिंदु पर विचार किया गया एवं पूरे राज्य भर में सभी पूजा पंडाल पुरे पारम्परिक विधि विधान से माँ दुर्गा की आराधना कर पूजा करने की अपील की। पूजा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन के साथ मिलकर कदम से कदम मिलाकर दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालू की सेवा हेतु सहायता शिविर फिरायला चौक में लगाया जाएगा एवं मेडिकल कैंप , तथा खोया पाया कार्ड भी वितरण किया जाएगा। बैठक का संचालन सागर वर्मा एवं विक्की ने किया। धन्यवाद ज्ञापन रवि वर्मा ने किया। बैठक में मुख्य सरंक्षक रमेश सिंह, रवि यादव, सुनील यादव, बंटी यादव, ओम वर्मा, रवि वर्मा, विक्की वर्मा ,सुमित लोहरा, सागर, अमित हर्ष, सत्या, पीयूष प्रशांत, विशाल, मुकेश, प्रिंस, कुणाल, मोनू लकड़ा, बबलू इंदवार, पवन मनीष, आयुष पीयूष अमित आदि उपस्थित थे।

मेरा रिसालदार मेरी जिंदगी है... पर झूम उठे लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा के मजार पर उर्स के चौथे दिन रविवार को अकीदतमंदों का भारी भीड़ उमड़ी। रविवार की सुबह जैप 1 और बीएमपी की चादर बैंड बाजा के साथ जैप 1 परिसर से निकल कर डोरंडा गस्त करते हुए बाबा के मजार पहुंच कर सलामी देकर चादरपोशी किया। जैप 1 और बीएमपी के चादर का कमिटी के ओहदे दारानो ने गुलाब पानी छीट कर स्वागत किया।

रात में कव्वाली का महामुकाबला

मुंबई से आए कव्वाल अजीम नाजा और छोटे मजीद शोला के बीच कव्वाली का मुकाबला का आयोजन किया गया जिसमे कव्वाल अजीम नाजा ने मेरा रिसालदार मेरी जिंदगी है... पर लोगों को झूमाया वहीं छोटे मजीद शोला ने अपने लोकप्रिय गीत वो लड़ी याद आती है..पर लोगों का मन मोह लिया। देर रात तक कव्वाली के महामुकाबला का आयोजन किया गया। उर्स के सफल आयोजन मे दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अयूब गद्दी, महासचिव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, बेलाल अहमद, उपसचिव जुल्फिकार अली भुप्तो, मोहम्मद सदीक, कोषाध्यक्ष जैनुल आबिदीन राज, कार्यकारिणी सदस्य, अब्दुल खालिक, अनीश गद्दी, सरफराज उर्फ सम्पा, नज्जू अंसारी, एजाज गद्दी, आसिफ नईम, आफताब आलम, साजिद उम्र, मोहम्मद शहजाद बबलू, नसीम गद्दी उर्फ पप्पू गद्दी, मोहम्मद वसीम, सरफराज उर्फ बबलू पंडित, मुमताज गद्दी उर्फ छोटे, मो तस्लीम,शाहीन अहमद, सरफराज कुरैशी,पूर्व पार्षद फिरोज आलम उर्फ मुन्ना,आजम अहमद, समीर हेजाजी, शाहिद खान,आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महासचिव के घर से निकाली गयी चादर

रविवार को दोपहर जोहर नमाज के बाद मजार कमिटी के महासचिव जावेद अनवर के डोरंडा स्तिथ घर से बाबा की चादर और साही संदल निकाली गई जो डोरंडा गस्त करते हुए बाबा के मजार पहुंच चादरपोशी की गई।वही चादर निकलने से पूर्व लोगो को बाबा का लंगर खिलाया गया। उसके बाद मुम्बई से आए कव्वाल अजीम नाजा और छोटे मजीद शोला के बीच सीरत मैदान डोरंडा में कव्वाली का मुकाबला हुआ।

बाबा के दरगह में चादरपोशी के लिए लगा रहा ताता

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बादल पत्र लेख,पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी ,कांग्रेस नेता विनय सिन्हा दीपू,भाजपा नेत्री शोभा यादव सहित डिस्ट्रिक जज ने चादरपोसी की और राज्य मे अमन चैन की दुआएं मांगी।

रविवार को मेले मे उमड़ी भीड़

उर्स के दौरान रविवार को बाबा के मजार और मेले मे जायरीनों की उमड़ी भीड़। मेले में कई सारी दुकाने लेगी है वही मनोरंजन के लिए झूले, ब्रेक डांस, बच्चो का झूला, मौत का कुआं आदि लगाया गया है। मेले का लोगो ने खूब आंनद लिया। कमिटी की ओर से एक ग्रुप खिदमत में लगी हुई है जिसमे असफर खान, अफताब गद्दी, मुमताज गद्दी छोटे, रिजवान गद्दी, इमामुद्दीन गद्दी, कलीम गद्दी इरफान,आजम, इकबाल, मुन्ना, अस्सु गद्दी, सैफ गद्दी, और उनकी पूरी टीम खिदमत में लगी है।

दुर्गापूजा में 900 सीसीटीवी से होगी निगरानी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूजा पंडाल के निर्माण के साथ राजधानी में दुर्गा पूजा को लेकर काफी उत्साह है। वहीं दूसरी तरफ रांची पुलिस प्रशासन की तरफ से सुरक्षित दुर्गा पूजा को लेकर तमाम तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बार राजधानी रांची में दुर्गा पूजा की निगरानी निगरानी 900 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। वहीं आग से बचाव के लिए सभी पूजा समितियों को थानास्तर पर लिखित अंडर टेकिंग भी देना होगा।

वर्तमान में 600 सरकारी कैमरे कार्यरत हैं राजधानी में : दुर्गा पूजा के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हो, इसके लिए रांची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे से निगरानी करने का निर्णय लिया है। सुरक्षा की दृष्टि से पूजा के दौरान पूरे आठ दिनों तक पुलिस को बहुत ज्यादा मैनपावर की जरूरत होती है। भीड़ को संभालने, मनचलों पर नकेल कसने, ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के साथ-साथ खाली घरों को कहीं चोर निशाना बना ले, इसके लिए पुलिस को बेहद सतर्क रहना पड़ता है। ऐसे में सीसीटीवी कैमरे पुलिस के लिए बेहद मददगार साबित होते हैं।

रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि दुर्गा पूजा के अवसर पर सुरक्षा के लिए तकनीक का भी सहारा लिया जा रहा है। पूरे शहर की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा की संख्या बढ़ाई जा रही है। एसएसपी ने बताया कि वर्तमान समय में राजधानी रांची में सरकारी 600 कैमरे काम कर रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रतिष्ठानों में लगे कैमरों का फीड भी कंट्रोल रूम से जोड़ा जा रहा है ताकि शहर के अधिकांश चौक चौराहे तीसरी आंख की जद में आ जाए।

हर पंडालों में लगाना होगा सीसीटीवी कैमरा : रांची पुलिस के द्वारा सभी पूजा समितियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वह पंचमी से पहले पूरे पूजा पंडाल को सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में रखने का काम पूरा कर लें। खासकर इन और आउट में बेहतर कैमरे लगाने का निर्देश पूजा समितियों को दिया गया है। सभी पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं या नहीं इसकी जांच के लिए थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाले पूजा पंडालों का विजिट कर बकायदा, सीसीटीवी को चेक करेंगे। यह भी थाना प्रभारी ही तय करेंगे कि सीसीटीवी के डीवीआर में बैकअप बढ़िया हो।

लगेगा 400 अतिरिक्त कैमरा

रांची पुलिस के द्वारा पूजा समितियों के साथ मिलकर राजधानी में 4सौ से ज्यादा और सीसीटीवी कैमरे विभिन्न स्थानों पर लगाए जा रहे हैं। यह कैमरे 15 अक्टूबर से पहले इंस्टॉल कर लिए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मी पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात रहेंगे। सीसीटीवी से मॉनिटरिंग के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में 24 घंटे तक पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी।

फायर सेफ्टी के लिए भी देना होगा अंडर टेकिंग

रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान पूर्व में अगलगी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में पूजा पंडाल में फायर सेफ्टी को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। सभी पूजा पंडाल आग से बचाव के लिए जितने भी जरूरी सामग्री हैं, उसे उन्हें हर हाल में पंडाल के पास रखना है। बड़े पूजा पंडालों में अग्निशमन वाहन मौजूद रहेंगे वहीं इस दौरान शहर में कुल आठ जगहों पर अग्निशमन वाहन स्टेटिक रूप में मौजूद रहेंगे। अग्निशमन को लेकर सभी पूजा समितियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इसमें लापरवाही नहीं चलेगी। सभी थाना प्रभारी को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाले पूजा पंडाल में जाकर स्वयं अग्निशमन यंत्रों की जांच करें। सभी पूजा समिति थानों में यह लिख कर देंगे कि उनके यहां पर्याप्त मात्रा में अग्निशमन यंत्र और आग से बचाव के लिए साधन उपलब्ध हैं।

मनरेगा कर्मियों का आरोप : अधिकारी गलत काम और टार्गेट पूरा करने की दे रहे धमकी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ की रांची जिला इकाई की बैठक रविवार को जिला स्कूल परिसर में संजय प्रामाणिक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी प्रखंड के मनरेगा कर्मी उपस्थित थे। बैठक में सरकार के अधिकारियों के द्वारा मनरेगा कर्मियों के ऊपर हो रहे शोषण का विरोध किया गया। मनरेगा कर्मियों ने कहा कि अधिकारियों की ओर से उन्हें गलत काम और टार्गेट पूरा करने की धमकी जा रही है। धमकी दिया जा रहा है कि अगर टारगेट पूरा नहीं किया तो सीधे बर्खास्त कर दिया जाएगा।

लंबित मांगों पर सरकार को घेरने के लिए बनी रणनीति

बैठक में मनरेगा कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर आगामी दिनों में सरकार को घेरने की रणनीति पर विचार किया गया। रांची जिला के सभी मनरेगा कर्मी एकजुट होकर किसी भी शोषण और अपनी मांगों की पूर्ति के लिए तैयार हैं। संजय प्रमाणिक ने बताया कि मनरेगा कर्मी विगत 16 वर्षों से अपनी सेवा ग्रामीण विकास विभाग के अति महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने चुनाव पूर्व घोषणा की थी कि सरकार बनते ही अनुबंध कर्मियों को नियमावली में संशोधन कर सेवा नियमित कर दिया जायेगा पर सरकार के चार वर्ष पूरा होने को है। बैठक में मुख्य रूप से जॉन पीटर बागे प्रदेश अध्यक्ष, संजय प्रामाणिक जिला अध्यक्ष, बासंती कुमारी, मो. युसुफ, आशिक अंसारी, बजरंग प्रसाद, बीरेन्द्र सिह भोक्ता, मो. मुर्तजा,अपराजिता गुप्ता, खुदी राम पातर, दिनेश उरांव व अन्य लोग शामिल थे।

पासवा का चतरा में 13 अक्टूबर को जिलास्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

रांची। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) का चतरा में जिलास्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 13 अक्टूबर को होगा। इसका उद्घाटन राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू करेंगे। मुख्य अतिथि श्रम मंत्री सत्यानन्द भोक्ता और डॉ रामेश्वर उरांव होंगे। इनकी उपस्थिति में 2000 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रिंसिपल व डायरेक्टर शिक्षक गौरव सम्मान से नवाजे जाएंगे। पासवा के सचिव नीरज सहाय ने बताया कि समारोह में पद्मश्री मुकुंद नायक, राष्ट्रपति अवॉर्डी फलक फातिमा, पासवा के प्रदेश उपाध्यक्ष विपिन कुमार सिन्हा के अतिरिक्त बहुत बड़ी संख्या में पासवा के प्रदेश स्तरीय एवं झारखंड के विभिन्न जिलों से पासवा जिला स्तरीय पदधारी सम्मिलित होंगे। चतरा जिले के विभिन्न जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

लंबे समय तक जमे रहने से पुलिसकर्मियों में होता है मतभेद, तबादले की मांग

रांची। राजधानी रांची के विभिन्न ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात पुलिसकर्मियों को एक पोस्ट से दूसरे पोस्ट पर तबादले की मांग झारखण्ड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के रांची शाखा ने की है। इस बाबत रांची के प्रभारी ट्रैफिक एसपी को पत्र भी लिखा है। जिसमें बताया गया है कि यातायात में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मी लगातार लगभग 8-10 माह से एक ही पोस्ट पर अपने कर्तव्य का अनुपालन कर रहे है। जिसके कारण पुलिसकर्मी भाईचारा में मतभेद की समस्या उत्पन्न हो रही है। विदित हो कि पूर्व में यातायात में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों का एक पोस्ट से दूसरे पोस्ट पर स्थानांतरण ससमय पर किया जाता रहा है। एक पोस्ट पर ज्यादा समय तक बने रहने से आमजनों से काफी लगाव बढ़ जाता है, जिसके कारण आमजनों के द्वारा नियमों का उलंघन करने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई करने में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ जाता है। उक्त समस्याओं को देखते हुए यातायात में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को एक पोस्ट से दूसरे पोस्ट पर सामूहिक रूप से स्थानांतरण किया जाए।

अर्जुन मुंडा के बयान से झारखंड का कुरमी समाज नाराज

- अमित शाह और जेपी नड्डा का एयरपोर्ट पर करेंगे विरोध
- मोर्चा ने सीएम से चुप्पी तोड़ने की अपील
- 21 नवंबर को सीएम आवास का होगा घेराव
- 18 फरवरी को महारैली

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा के बयान से कुरमी समाज भड़क गए हैं।कुरमी विकास मोर्चा ने रविवार को पुराना विधानसभा में बैठक करके निर्णय लिया कि गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का झारखंड आगमन पर पुरजोर विरोध किया जाएगा। एयरपोर्ट से बाहर निकलने नहीं दिया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार ने कहा कि पिछले 72 वर्षों से लगातार संघर्ष करने के बाद भी केंद्र सरकार टोटेमिक कुरमी/कुड़मी जनजाति को अनुसूचित जनजाति में सूचीबद्ध करने की मांग पर विचार नहीं कर रही है और जनजातीय मामले के मंत्री अर्जुन मुंडा हतोत्साहित करने वाला गलत बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कि अब कुरमी/ कुड़मी एसटी मांग पर मुख्यमंत्री चुप्पी तोड़ो। झारखंड निमार्ता बिनोद बिहारी महतो को झारखंड पितामह का दर्जा दो इन दोनों मांगों को लेकर आगामी 21नवंबर को मुख्यमंत्री आवास घेराव का घोषणा किया गया। मुख्यमंत्री आवास घेराव कर्यक्रम में लाखों की संख्या में समाज के महिला पुरुष अपने पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त 18 फरवरी 2024 को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में कुरमी/ कुड़मी आक्रोश महारैली किया जाएगा। बैठक में कुरमी विकास परिषद के अध्यक्ष रंधीर चौधरी, कुरमी महासभा के प्रतिनिधि देवकी महतो, रामपोदो महतो, सखीचंद , थानेश्वर, सपन,दानिसिंह, राजेंद्र, सखीचंद, रचिया, सुषमा, ओम प्रकाश महतो आदि सैकडों लोग शामिल थे।

खबर एक नजर में

सदर अस्पताल में पार्किंग शुल्क को लेकर छात्राओं से बदसलूकी की शिकायत

रांची। सदर अस्पताल में पार्किंग को लेकर रविवार को एक प्रतिष्ठित कॉलेज की छात्राओं को पार्किंग शुल्क का विरोध करने पर जबरन रोक दिया गया। विवाद के बाद अस्पताल परिसर में पहुंच कुछ लोगों ने कर्मियों को समझाने का प्रयास किया, तो कर्मी अपने कुछ अन्य साथियों को बुला लाए और बस ड्राइवर, छात्राओं और अन्य लोगों से झगड़ने लगे। बताते चलें कि कॉलेज की कुछ छात्राएं बाहर से शॉपिंग करने आई थीं और सदर हॉस्पिटल के कैंपस में बस खड़ी की थी। शुरूआत में अस्पताल परिसर में एंट्री के दौरान उन्हें नहीं रोका गया। बाद में जब खरीदारी कर छात्राएं वहां से जाने लगीं तो पर्ची के अनुसार प्रति घंटे की दर से दो सौ रुपया पार्किंग चार्ज चुकाने को कहा गया। इस पर छात्राओं ने ज्यादा पार्किंग वसूलने की शिकायत की तो उनकी बस को जबरन गेट पर ही रोक दिया गया। इस दौरान छात्राओं का कहना था कि उनके साथ भी आरोपियों ने बदसलूकी की। इसकी सूचना छात्राओं ने जब अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट को दी तो उन्होंने विवाद में शामिल पार्किंग कंपनी से जुड़े कर्मचारियों पर कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें विदा किया।

सवर्णों की मांग-अल्पसंख्यक का दर्जा मिले

रांची। स्वर्ण समाज की बैठक रविवार को लाइन टैंक रोड स्थित अनिकेत मॉल के सभागार में सवर्ण समाज समन्वय समिति के संयोजक मनीष सिंह के आवा? पर धर्मेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से पिछले दिनों बिहार में हुए जातिगत जनगणना में सवर्ण समाज की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सवर्ण को अल्पसंख्यक का दर्जा देते हुए आरक्षण की मांग की गई। वहीं सवर्ण महिलाओं का राजनीतिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए प्रयास करना। वैचारिक मतभेद दूर कर सवर्णों में सामंजस्य बढ़ाना। सवर्णों के साथ हो रहे जातीय भेदभाव पर एकजुटता से आवाज उठाना। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मेंद्र तिवारी, मंच संचालन मनीष कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन वीरेंद्र कुमार सिंह ने किया।

ऋषिकांत तिवारी चुने गये झारखंड आकलन सफल सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश अध्यक्ष

रांची। राज्य के एकीकृत सहायक अध्यापकों की बैठक रविवार को मोरहाबादी मैदान में हुई। बैठक के दौरान चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से कमेटी का गठन किया गया, जिसमें पलामू के ऋषिकांत तिवारी को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। वहीं, लोहरदगा के जसीम अंसारी को महासचिव और शिवनाथ महतो को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा दुमका जिले के शैलेश कुमार नायक को उपकोषाध्यक्ष और हजारीबाग के सुरेश कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया।

झारखंड कांग्रेस प्रभारी ने चुनाव में जीत का पार्टी कार्यकर्ताओं में भरा जोश

रांची। भाजपा धर्म के नाम पर हिंदू-मुस्लिम को बांटकर फिर से सत्ता में आना चाहतीं है। लोकतंत्र खतरे में है। देश में आपातकाल की स्थिति है। आने वाला चुनाव सिर्फ लोकसभा का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे ने रांची जिले के नामकुम प्रखंड के सिदरौल स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित रांची लोकसभा समन्वय समिति की एकदिवसीय बैठक में कहीं।

अविनाश पांडे ने कहा कि 14 लोकसभा हम सब के लिए चुनौती है,जिसे जीतने के लिए कार्यकर्ताओं को सतर्क एवं ईमानदार बनना होगा वर्ना आने वाला दिन भयावह होगा। राहुल गांधी के नेतृत्व में परिवर्तन यात्रा की सफलता के बाद परिवर्तन की लहर है। हमारा उद्देश्य नफरत की राजनीति को समाप्त कर मोहब्बत की राजनीति करना है।

मीडिया एवं डाटा मैनेजमेंट को मजबूत करने पर जोर : झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मीडिया एवं डाटा मैनेजमेंट को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया सभी लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी की सभी इकाई का जन सम्मेलन कराया जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने विभाग के द्वारा चलाए जा रहे कार्यों एवं योजनाओं की विस्तृत चर्चा करते हुए उन्हें जनता के बीच लेकर जाने को कहा। कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने संगठन की मजबूती के टिप्स दिए। खिजरी विधायक राजेश कच्छप, पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय, पूर्व विधायक केशव कमलेश, अजयनाथ शाहदेव ने भी अपने विचार रखे। मौके पर सुरेश बैठा, सतीश पॉल, प्रदीप तुलसियान, सुनील सहाय, राजेश कुमार सन्नी, विजय टोप्पो,सहित रांची लोकसभा अंतर्गत 6 विधानसभा के प्रखंड अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रांची नगर निगम ने सरोवर नगर पश्चिम सोसाइटी के लोगों के बीच बांटे पौधे

रांची। रांची नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार के निर्देश पर रविवार को रिलेशंस के सहयोग से सरोवर नगर पश्चिम सोसाइटी, देवी मंडप रातु रोड में सोसाइटी के लोगों के बिच पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत 100 फलदार पौधे बांटे गये। साथ पर्यावरण संरक्षण एव उर्जा संरक्षण पर सेमिनार का भी आयोजन किया गया। इसमें 100 लोगों को पर्यावरण संबंधित कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी। इस अवसर पर रांची नगर निगम के सहायक अभियंता सौरभ केसरी, राजकुमार, सरोवर नगर पश्चिम सोसाइटी के अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद, सचिव विकास सिन्हा, कोषाध्यक्ष रंजित कुमार, संयोजक सोनित कुमार, उपाध्यक्ष पल्लवी सिंह,उपसचिव सोनम शर्मा, प्रवक्ता राजीव सिंह, सदस्य सुरेश कुमार सिंह, सुजीत कुमार गुप्ता, अनंत राय, कमलेश कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

नवरात्र पर रांची से गोरखपुर और दरभंगा के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

रांची। 15 अक्टूबर से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र के मद्देनजर रांची रेल मंडल ने स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह निर्णय हुआ है कि दरभंगा और गोरखपुर से आने वाले यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। साथ ही जिन ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ देखी जाएगी या फिर वेटिंग लिस्ट की संख्या ज्यादा रहेगी, उनमें अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल के मंडल वाणिज्य प्रबंधक निशांत कुमार ने रविवार को बताया कि इस वर्ष रेलवे कर्मचारियों द्वारा पहले मंथन किया गया कि किस रूट की ट्रेन में सबसे ज्यादा भीड़ होती है, उसी हिसाब से हेड क्वार्टर को अतिरिक्त रेल गाड़ियों के परिचालन को लेकर प्रस्ताव भेजा जाएगा। मंथन करने के बाद यह देखने को मिला कि उत्तर प्रदेश और बिहार के दरभंगा जिले से आने वाली ट्रेनों में सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है। अभी से ही इन ट्रेनों में यात्रियों को वेटिंग में टिकट मिल रहा है।

युवा कांग्रेस का मिलन समारोह, जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया का नारा किया गया बुलंद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस का मिलन समारोह रविवार को अभिजीत राज की अध्यक्षता में गीतांजलि बैंक्वेट हॉल, मोरहाबादी में संपन्न हुआ। इस मिलन समारोह का उद्देश्य वर्तमान और पूर्व जिलाध्यक्षों,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को संवाद के लिए एक मंच पर लाना था। कार्यक्रम में सभी 24 जिलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। मिलन समारोह में शामिल हुए नेताओं ने अपने संबोधन में कांग्रेस संगठन में युवा कांग्रेस की भूमिका तथा युवा कांग्रेस में कार्य के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी के लिए ईमानदारी पूर्वक काम करें। यह समय काफी कठिन है। कोई अगर विधायक बना हो, सांसद बना हो, मंत्री बना हो तो यह युवा कांग्रेस की ही देन है। जिसे पद नहीं भी मिला वह कार्य करते रहें, आज न कल उन्हें भी जरूर पद मिलेगा।

विधायक अनूप सिंह ने याद किये पुराने दिन : इस मौके पर विधायक अनूप सिंह ने कहा कि मैं भी यूथ कांग्रेस का प्रेसिडेंट था, क्योंकि युवा राजनीति यही से शुरू होती है। जितने भी प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं, वह यूथ कांग्रेस से ही रहे हैं। मैं खुद भी 7 सालों तक यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष रहा हूं।

जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया का नारा बुलंद किया। कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी देश के उभरते नेता में शामिल होने जा रहे हैं। जिसका डर भाजपा को सता रहा है। उन्होंने कहा देश में तानाशाही सरकार है। देश के युवाओं ने बदलाव करने को लेकर ठान लिया है। नौजवान, किसान और महिलाएं त्रस्त हैं। इस सरकार में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है।

खबर मन्त्र

रांची. सोमवार. 09 अक्टूबर 2023

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

युद्ध की घोषणा

हमास के हमले के बाद इजरायल ने युद्ध की घोषणा कर दी है। युद्ध विशेषज्ञों का मानना है कि इजरायल की ताकत के आगे हमास का टिकना कठिन है लेकिन हमास को ईरान, पाकिस्तान, जार्डन सहित तालिबान जैसे कई आंतकी संगठनों की मदद मिल रही है। इजरायल ने फिलिस्तीन पर हमला कर दिया है और पूरा विश्व इजरायल और फिलिस्तीन के साथ दो घड़ों में दिखायी दे रहा है। इजरायल और फिलिस्तीन का विवाद लंबे समय से चल रहा है लेकिन जिस प्रकार फिलिस्तीन समर्थक चरमपंथी संगठन हमास ने तीन हजार राकेटों से हमला किया यह हमला अब तक का इजरायल का सबसे बड़ा प्रहार था। इजरायल की गुप्तचर एजेंसी मोसाद पर भी सवाल खड़ा किया जा रहा है कि इतने बड़ें हमले जिसकी तैयारी छह माह से कम में संभव नहीं है उसकी भनक तक नहीं लगी। इस युद्ध में जिस प्रकार हमास ने बच्चों और महिलाओं पर अत्याचार किये हैं उससे यह साफ हो गया है कि इजरायल किसी भी हाल में अपने नागरिकों और बंधकों को रिहा कराने के लिये सैनिक कार्रवाई करेगा। दूसरी ओर हमास के साथ भी ईरान और अन्य आंतकी संगठनों के खड़ा हो जाने के कारण स्थिति विषम होती जा रही है। विश्व में पहले से रुस यूक्रेन युद्ध चल रहा है और ध्रुवीकरण चालू है इसमें दूसरे युद्ध से माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया है। जिस प्रकार इजरायल ने इस मामले को लिया है उससे इशारा यह है कि वह हमास और इसके सहयोगी दोनों पर हमला करने का मन बना लिया है। यही कारण है कि जार्डन पर भी हमला आंरभ हो गया है। यह युद्ध दुनिया के लिये ऐसी चिंगारी है जो जरा सी चूक से दुनिया को विश्व युद्ध में डाल दे सकती है। एक ओर हमास की मजबूती खतरनाक संकेत दे रहें है तो दूसरी ओर इजरायल की क्षमता को भी कम नहीं आंका जा सकता है। वैसे यूएनओ इस युद्ध को रोक पाये तो बेहतर होगा।

देश में वृद्धों की संख्या

दुनिया का सबसे युवा देश होने का गौरव भारत को है। लेकिन धीरे-धीरे बढ़ती वरिष्ठ नागरिकों की आबादी हमें इस दिशा में गंभीरता से सोचने की जरूरत बता रही है। दरअसल,भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश का चरण वर्ष 2010 में तब आरंभ हुआ जब देश में कामकाजी आयु वर्ग की आबादी 51 फीसदी हुई। कालांतर इसमें इजाफा हुआ है। जाहिर बात है कि आने वाले वर्षों में इसी अनुपात में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या में इजाफा होना तय है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज द्वारा जारी की गई इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 हमारी चिंता बढ़ाती है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2050 तक देश में साठ साल से अधिक लोगों की आबादी करीब 21 फीसदी हो जाएगी। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 34.7 करोड़ हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में बुजुर्गों की आबादी करीब दस फीसदी यानी 14.9 करोड़ थी। दरअसल, देश के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की भारत में युवा 2022 रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि हुई है कि प्रजनन दर में गिरावट के चलते कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर बुजुर्ग आबादी की दर में लगातार वृद्धि हो रही है। जहां वर्ष 1991 में बुजुर्ग आबादी का प्रतिशत 6.8 था, वहीं 2016 में यह प्रतिशत 9.2 हो गया। अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2036 तक यह आंकड़ा करीब पंद्रह फीसदी हो जाएगा। निश्चित रूप से ऐसे में हमें इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये तैयार रहना होगा ताकि देश के वरिष्ठ नागरिक सम्मानपूर्वक जीवन-यापन कर सकें। जिसके लिये अभी से तैयारी करनी होगी। हमें ऐसी सरकारी नीतियां बनानी होंगी जो आने वाले समय में बुजुर्गों के कल्याण में सहायक हों। कोशिश हो जीवन के अंतिम पड़ाव में बुजुर्गों को कष्टों का सामना न करना पड़े।

अरब इजरायल संघर्ष का सबसे रौद्र दृश्य सामने आया

दुनिया को सेंसर सर्विलांस उपकरण, एंटी ड्रोन मशीनरी और एंटी मिसाइल तंत्र की आपूर्ति करने वाले और दुश्मन को पाताल लोक से दबोच लाने की क्षमता वाली जासूसी संस्था रखने वाले इजरायल पर हमास ने हमला कर विश्व को चौंका दिया है। हमास ने इसे आपरेशन अल अक्सा स्टॉर्म नाम दिया है और इजराइल को यह संदेश दिया कि अब बहुत हो चुका।

7 अक्टूबर की सुबह इजरायल पर सिर्फ 20 मिनट में 5000 रॉकेट दागे गए। फिर इजरायली सुरक्षा तंत्र जब तक सतर्क होती आतंकी देश में घुस कर भारी तबाही मचा गए। अनेक नागरिक और सैन्य अधिकारी बंधक भी बनाकर ले जाए गए। इजरायल ने भी फिलीस्तीनी क्षेत्र पर जवाबी हमला किया है। दोनों तरफ हताहतों की सही संख्या बतला पाना कठिन है, पर हजारों लोगों के मारे जाने का अनुमान है। इतिहास बतलाता है कि इसराइल ऐसे हमलों का हिसाब चुकता करने में कोई कसर नहीं छोड़ता । लेकिन रूस यूक्रेन युद्ध के बाद क्या विश्व एक और युद्ध का दुष्परिणाम झेलने के लिए तैयार है?

इसराइल और फिलिस्तीनियों के बीच संघर्ष पुराना है। बीसवीं सदी की शुरूआत तक यहूदियों का अलग कोई क्षेत्र या देश नहीं था। जब यूरोप में यहूदियों के विरुद्ध अत्याचार शुरू हुए तो एक अलग यहूदी देश की मांग उठने लगी ।मध्य पूर्व में फलस्तीन का इलाका मुसलमान, यहूदियों और ईसाई तीनों धर्मों के लिए पवित्र स्थल माना जाता है। इस इलाके पर ओटोमन साम्राज्य का नियंत्रण था और यह ज्यादातर अरबों और अन्य मुस्लिम समुदायों के कब्जे में था। बड़ी संख्या में यहां यहूदी आकर बसने लगे पहले विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन ने फिलीस्तीन के प्रशासन को अपने नियंत्रण में ले लिया और इसे राष्ट्र संघ की मंजूरी भी मिल गई ।

1947 में संयुक्त राष्ट्र में फिलीस्तीन को यहूदी और अरब को अलग-अलग राष्ट्र में बांटने को लेकर मतदान हुआ और जेरूसलम को एक अंतरराष्ट्रीय शहर की मान्यता दी गई। जिसे यहूदियों ने स्वीकार कर लिया, लेकिन अरब इस फैसले से नाराज थे। 1948 में ब्रिटिशर्स के वापस जाने के बाद 14 मई 1948 को इसराइल नामक एक अलग देश की स्थापना हुई?। तब से यह क्षेत्र तनाव और विवाद में रहा है । इसराइल नामक देश के गठन के अगले ही दिन मिश्र, जॉर्डन, सीरिया और इराक ने इस इलाके पर हमला किया, जो प्रथम अरब - इजरायल संघर्ष कहलाता है। युद्ध समाप्ति पर संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र की आधी जमीन फिलिस्तीन राज्य की स्थापना के लिए निर्धारित की।पर फिलिस्तीनियों के अलग राज्य या देश का सपना अब तक पूरा नहीं हो पाया है।

1956 में स्वेज नहर को लेकर विवाद हुआ। 1967 और 1973 में भी अरब - इजरायल युद्ध हुए और इसराइल के सामने अरब देशों को मुंह की खानी पड़ी। 1967 के युद्ध के बाद गाजापट्टी,मिस्र का सिनाई प्रायद्वीप,जॉर्डन का वेस्ट बैंक और सीरिया का गोलन पहाड़ी इसराइल के नियंत्रण में आ गए।1973 में सिनाई प्रायद्वीप फिर से मिश्र को हासिल हो गया। समय बीतने के साथ इसराइल और कई अरब देशों के बीच शांति समझौते भी हुए। हमले का ताजा कारण अलअक्सा मस्जिद विवाद है। 2021 में मस्जिद में इसराइल सेना का छापा पड़ा उसके बाद 11 दिनों तक संघर्ष चलता रहा इसके बाद 2022 में अल अक्सा में इसराइल सेना के कई छापे पड़े अलअक्सा मस्जिद को अपवित्र करने के विरुद्ध यह हमला है हमास का यह मानना है। यहूदी और फिलीस्तीन मुस्लिम दोनों इस मस्जिद पर दावा करते हैं। यहूदी इसकी वेस्टर्न वाल को अपने यहूदी मंदिर का आखिरी अवशेष मानते हैं ।मुस्लिम इसे अल-बाराक की दीवार होने का दावा करते हैं। मक्का और मदीना के बाद या इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल है ।70 के दशक में सहमति बनी थी कि गैर मुसलमानों को भी मस्जिद परिसर में आने की इजाजत होगी लेकिन वह प्रार्थना नहीं कर पाएंगे, इसके बावजूद यहूदियों ने पिछले कुछ समय से मस्जिद में प्रार्थना करने की कोशिश की।यह विवाद का विषय बना।

हमास के ताजा हमले ने इजरायल के आयरन डोम नमक रक्षा कवच को भेद दिया है। सिर्फ 20 मिनट में 5000 रॉकेट दागे गए हैं। आयरन डोम विश्व की सबसे सफल एयर डिफेंस सिस्टम मानी जाती है। लेकिन कम समय में सघन रूप से हुए हमलों को यह झेल नहीं पाई

गाजापट्टी में हमास का शासन है इस्माइल हनीएह उसके नेता हैं जबकि वेस्ट बैंक में फिलीस्तीनी अथॉरिटी का शासन है जिसके नेता महमूद अब्बास हैं।

एक स्वतंत्र फिलीस्तीन राष्ट्र के गठन में देरी, इजराइल द्वारा वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियां बसाने का काम और फिलिस्तीनी क्षेत्र के आसपास इजरायली सुरक्षा घेरा शांति प्रक्रिया में बाधा पहुंचाती है।इस्राइल की सुरक्षा कैबिनेट ने 'युद्ध की स्थिति' को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा बुनियादी कानून यानी अनुच्छेद 40 के अनुसार महत्वपूर्ण सैन्य कदम उठाने के लिए भी सरकार को हरी झंडी दे दी है। इससे पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा था कि देश युद्ध की स्थिति में है। इसके बाद रक्षा बलों के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने रविवार को हमास के हमले को युद्ध अपराध करार दिया। उन्होंने कहा कि जिसने भी इसमें भाग लिया, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत में इस्त्राइल के राजदूत नाओर गिलोन ने कहा, भारत से प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा, फोन पर कुछ मंत्रियों, व्यापारियों, सिविल सेवकों ने इस्त्राइल का समर्थन करने की बात कही है। भारत से मिले भारी समर्थन से इस्त्राइल बहुत उत्साहित है। हमारा सोशल मीडिया ऐसे लोगों से भरा है जो अपना समर्थन दिखा रहे हैं। इस्त्राइल इसकी सराहना करता है। नाओर गिलोन ने कहा, भारत सबसे पहले, दुनिया का बहुत ही महत्वपूर्ण देश है।

भारत और अमेरिका ने इसराइल पर हमले की निंदा की है ,जबकि ईरान ने हमास के हमले की सराहना की है। आने वाला समय ही बतायेगा कि इस संघर्ष में कौन सा देश किस तरफ खड़ा है।

-सत्यनारायण गुप्ता

हमले का ताजा कारण अलअक्सा मस्जिद विवाद है। 2021 में मस्जिद में इसराइल सेना का छापा पड़ा उसके बाद 11 दिनों तक संघर्ष चलता रहा इसके बाद 2022 में अल अक्सा में इसराइल सेना के कई छापे पड़े अलअक्सा मस्जिद को अपवित्र करने के विरुद्ध यह हमला है हमास का यह मानना है। यहूदी और फिलीस्तीन मुस्लिम दोनों इस मस्जिद पर दावा करते हैं।

खास बात

नयी पेंशन प्रणाली

1998 में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने वृद्धावस्था सामाजिक और आय सुरक्षा परियोजना के लिए एक रिपोर्ट कमीशन की। सेबी और यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष एस ए दवे के तहत एक विशेषज्ञ समिति ने जनवरी 2000 में रिपोर्ट प्रस्तुत की। परियोजना सरकारी पेंशन प्रणाली में सुधार के लिए नहीं थी - इसका प्राथमिक उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के वृद्धावस्था आय सुरक्षा पर लक्षित था जिनके पास कोई नहीं था। 1991 की जनगणना के आंकड़ों को लेते हुए समिति ने पाया कि सिर्फ 3.4 करोड़ लोगों, या 31.4 करोड़ की अनुमानित कुल कामकाजी आबादी के 11 प्रतिशत से भी कम लोगों के पास सेवानिवृत्ति के बाद की कुछ आय सुरक्षा थी। शेष कार्यबल के पास सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा का कोई साधन नहीं था। व्यक्ति तीन प्रकार के फंडों में निवेश कर सकते हैं - सुरक्षित (इक्विटी में 10 प्रतिशत तक निवेश की अनुमति), संतुलित (इक्विटी में 30 प्रतिशत तक), और विकास (इक्विटी में 50 प्रतिशत तक) - छह फंड प्रबंधकों द्वारा जारी किया जाएगा। शेष राशि का निवेश कॉर्पोरेट बॉन्ड या सरकारी प्रतिभूतियों में किया जाएगा। व्यक्तियों के पास अद्वितीय सेवानिवृत्ति खाते होंगे, और उन्हें कम से कम 500 रुपये प्रति वर्ष निवेश करने की आवश्यकता होगी।

नई पेंशन योजना की उत्पत्ति क्या थी?

प्रस्तावित नई पेंशन प्रणाली पेंशन सुधारों का आधार बनी और मूल रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए जो कल्पना की गई थी, उसे सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए अपनाया था। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना (एनपीएस) को 22 दिसंबर, 2003 को अधिसूचित किया गया था। कुछ अन्य देशों के विपरीत, एनपीएस संभावित कर्मचारियों के लिए था - इसे 1 जनवरी, 2004 से सरकारी सेवा में शामिल होने वाले सभी नए भर्ती के लिए अनिवार्य कर दिया गया था। परिभाषित योगदान में कर्मचारी द्वारा मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत और सरकार द्वारा एक समान योगदान शामिल है। यह टीयर 1 था, जिसमें योगदान अनिवार्य था।

आध्यात्मिक जीवन

विचार-प्रवाह

श्रीराम शर्मा आचार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

लोगों की यह धारणा भ्रांतिमूलक है कि परमात्मा किसी को सुखी अथवा समृद्धिशाली बनाता है। परमात्मा स्वयं अपने हाथ से किसी को वैसा नहीं बनाता। मनुष्य स्वयं ही अपने आचरणों से वैसा बन जाता है। जो जितना ही सर्वमूल परमात्म-तत्व की ओर अभिमुख होकर उसके आदेशों का पालन करता जायेगा, वह उतना ही सुखी और समृद्धिशाली बनता जायेगा।

इसी बात को स्पष्ट करते हुए भगवान ने गीता में कहा है- ₹आत्मा ही आत्मा का बंधु और आत्मा ही आत्मा का शत्रु है।₹ अर्थात् हम स्वयं ही अपने मित्र और स्वयं ही अपने शत्रु हैं। जितने ही हम अपने अंदर प्रवाहमान परमतत्व के प्रति अनुकूल होते जाएँगे, जगत में ; क्यूँकि जिनके लिए कुछ किया गया है, हमारा और हमारे प्रति जगत का मित्र भाव बढ़ता जाएगा और है।

जितना ही हम इसके विपरीत दिशा में आचरण करेंगे, शत्रु-भाव की वृद्धि करते जाएँगे। जितना ही हम अपने आदर्शों को उन्नत और अपने हृदय को दिव्य-शक्ति की ओर उन्मुख होने का अवसर देंगे, उतना ही एकात्मता से उद्भूत आनंद के अधिकारी बनते जाएँगे।

अहंकारजन्य भौतिक भावना ही दुःखों का मूल कारण है। हमारी आत्मा की परिधि जितनी संकीर्ण होती जाती है, उतनी ही घुटन हमें अनुभव होती है। इसके विपरीत ज्यों-ज्यों हम अध्यात्मवाद की ओर, आत्मा एवं परमात्मा के ऐक्य की ओर प्रसार करते जायेंगे, हम उन्मुक्त पक्षी की भाँति अनंत के आनंद-प्रवाह में बहने लगेंगे।

शांति, शोर से ज्यादा सुनायी देती है ! शोर वो ही करता है, जो कुछ नहीं कर रहा है । जो कर रहा है, उसे बोलने कि जरूरत नहीं है।

-अमिताभ बच्चन

आपके ट्वीट

एशियन गेम्स 2023 में कांस्य पदक जीतने के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम को हार्दिक, बधाई, और जोहार।एशियन गेम्स में विभिन्न खेलों में ऐतिहासिक कुल 107 पदक जीतकर टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन कर देश का मान-सम्मान बढ़ाया है।

- हेमंत सोरेन, सीएम

19वें एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट टीम, पुरुष कबड्डी टीम और पुरुष बैडमिंटन डबल्स में सात्विकसाईराज जी एवं चिराग शेट्टी जी को गोल्ड मेडल जीतने की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

- सुदेश महतो, आजसू

खास अंदाज से मोहित कर देने वाले देव आनंद

वॉलिवुड

अजय कुमार शर्मा

देव आनंद का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। पूरे देश को अपने खास अंदाज से मोहित कर देने वाले देव आनंद सच में एक ऐसे प्रेम पुजारी थे जिन्होंने भारतीय सिनेमा में प्यार को रूमानियत के साथ-साथ शोखपन और असीम ऊर्जा प्रदान की। देव को देव आनंद बनाने में चार लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सबसे पहले चेतन आनंद फिर गुरुदत्त और राज घोसला और उसके बाद उनके छोटे भाई विजय आनंद यानी गोल्डी। जिद्दी (1948) देव की पहली सुपरहिट फाल्म थी जिसे बॉम्बे टॉकीज के लिए शाहिद लतीफ ने निर्देशित किया था के बाद 1949 में देव आनंद ने अपने बड़े भाई चेतन आनंद के साथ नवकेतन फिल्म्स नामक फिल्म कंपनी की स्थापना की। अफसर (1950) इस बैनर की पहली फिल्म थी जिसे चेतन आनंद ने निर्देशित किया था। नवकेतन की अगली फिल्म बाजी थी जिसे उनके मित्र गुरुदत्त ने निर्देशित किया।

दरअसल गुरुदत्त, देव आनंद की पहली फिल्म हम एक हैं (1946) के सहायक निर्देशक और हमउम्र थे। इसलिए शीघ्र ही दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई । दोनों ने आपस में यह वादा भी किया कि जब भी वे अपनी पहली फिल्म बनाएंगे तो एक-दूसरे को मौका अवश्य देंगे। आंधियां (1952), टैक्सी ड्राइवर (1954) और फंटूश (1956) के निर्देशन के बाद चेतन आनंद नवकेतन से अलग हो गए और उन्होंने अपनी निर्माण कंपनी हिमालय फिल्म के नाम से बना ली। इस दौरान राज घोसला ने और लोगों के लिए उनकी कुछ हिट फिल्में निर्देशित की। काला पानी (1958) का निर्देशन उन्होंने नवकेतन के लिए किया फिर वे गुरुदत्त के साथ व्यस्त हो गए। ऐसे में विजय आनंद की एंट्री नवकेतन में हुई ।

हालांकि टैक्सी ड्राइवर के निर्माण के समय विजय आनंद पहली बार नवकेतन से जुड़े। इस फिल्म के लिए उन्होंने संवाद लेखन का कार्य किया। विजय आनंद की पटकथा नौ दो ग्यारह (1957) से प्रभावित होकर देव आनंद ने उसके निर्देशन की जिम्मेवारी भी उनको सौंप दी। फिल्म बेहद सफल रही और उसके बाद तो नवकेतन की फिल्मों के निर्देशन की जिम्मेदारी विजय आनंद को मिल गई जिसे उन्होंने लंबे समय तक निभाया। विजय आनंद ने उनके लिए 10 फिल्मों का निर्देशन किया जिसमें चार फिल्में काला बाजार (1960), तेरे घर के सामने (1963), गाइड (1965) और ज्वैल थीफ (1967) का निर्देशन उन्होंने नवकेतन फिल्म्स के लिए किया और बाद में अपने बनाए बैनर नवकेतन इंटरप्राइजेज के लिए तेरे मेरे सपने (1971), छुपे रुस्तम (1973) और बुलेट (1976) का निर्माण किया। बीच में एक सुपरहिट फिल्म त्रिमूर्ति फिल्म के लिए थी जॉनी मेरा नाम (1970)। यह वह फिल्में हैं जिनसे संपूर्ण देव आनंद की छवि निर्मित होती हैं।

देव आनंद को हंसते-गाते रोमांटिक प्रेमी बनाने में विजय आनंद की फिल्मों की विशेष भूमिका रही। उनके द्वारा गीतों को फिल्माए जाने का हुनर सबसे अलग और सबसे निराला था। यह शैली उन्होंने गुरुदत्त से सीखी थी। यह कुछ विशेष गीत हैं ... खोया खोया चांद..., रिमझिम के तराने लेकर आई बरसात...(काला बाजार) या फिर तेरे घर के सामने.... का गीत जो कुतुब मीनार पर फिल्माया गया था। वह दर्शकों का आज तक याद है। यह नवकेतन फिल्म्स की आखिरी ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म थी।

इसके बाद नकेतन की पहली रंगीन और ऑफबीट फिल्म गाइड का जिम्मा विजय आनंद को मिला। पहले देव आनंद यह फिल्म अंग्रेजी और हिंदी में साथ-साथ बनाना चाहते थे।

लेटर टू एडिटर

सोच विकसित करें

देश का पर्यावरण लगातार प्रदूषित होता जा रहा है। पराली जलाना इस समस्या का एकमात्र कारण नहीं है। जहरीली फैक्टरियों और ईंट-भट्ठों की चिमनियों तथा शहरों में जलते कूड़े के ढेरों से जहरीली गैस निकलती हैं। सड़कों पर बढ़ता वाहनों का दबाव स्पष्ट करता है कि वायु प्रदूषण में भंयकर इजाफा हो रहा है। पर्यावरण को लेकर व्यक्तिगत सोच भी विकसित करनी होगी। **- सुरेन्द्र सिंह, रांची**

बेटी का मोल

बेटी ही सबसे अधिक विश्वसनीय और सेवाभावी होती है। विवाहित स्त्री दो परिवार के बीच एक सेतु बनकर जोड़ती ही है। गौरतलब है कि वर्तमान में महिलाएं कुछ क्षेत्रों में आगे हो चुकी हैं किंतु संख्या की दृष्टि में उनका अनुपात कम होना चिंतनीय विषय है। राष्ट्रीय कर्तव्य है कि बेटियों को लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया में भागीदार बनायें ।

- बीएल शर्मा, हजारीबाग

जनजातीय समुदाय का सम्मान और राष्ट्रीय एकता

विचार

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जनजातीय समुदाय के सम्मान का नया अध्याय लिखा है। देश में पहली बार जनजातीय समाज की महिला सर्वोच्च पद पर आसीन हुई है। पहली बार जनजातीय गौरव दिवस का शुभारंभ हुआ है। आजादी के अमृत महोत्सव में अनेक उपेक्षित राष्ट्रनायकों को प्रतिष्ठित किया जा रहा है। अमृत महोत्सव के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेरणा का नया दिन भी घोषित किया गया। अब देश प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस भी मनाएगा। इस दिवस का प्रथम आयोजन गत वर्ष हुआ था। तब प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड में बिरसा मुंडा की मूर्ति का वर्चुअल लोकार्पण किया था। इसके अलावा भोपाल में विश्वस्तरीय रानी कमलापति रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया गया।बिरसा मुंडा और रानी कमलापति के महान योगदान से देश की नई पीढ़ी परिचित हुई। जनजातीय समुदाय में भगवान बिरसा मुंडा का बड़ा सम्मान है। वह राष्ट्रनायक के रूप में पूरे देश के लिए सम्मान की विभूति हैं। रानी कमलापति का भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है।

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर, 1875 को झारखंड के खूंटी जिले के उलीहातु गांव में हुआ था। उन्होंने जनजातीय समुदाय को लामबंद कर ब्रिटिश दासता से मुक्त कराने का संकल्प लिया था। मुंडा विद्रोह को उलगुलान नाम से भी जाना जाता है। बिरसा मुंडा को 1895 में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें दो साल के कारावास की सजा दी गई। उन्हें लोग सम्मान से धरती आबा कहते थे। खूंटी थाने पर हमला कर अंग्रेजों को चुनौती दी गई। तांगा नदी के किनारे ब्रिटिश सेना पराजित भी हुई थी। डोम्बरी पहाड़ पर संघर्ष हुआ। उन्हें चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया। जेल में ही उनका निधन हो गया। मध्य प्रदेश के रेलवे स्टेशन हबीबगंज भोपाल का अंतिम गोंड शासक रानी कमलापति के नाम पर नामकरण किया गया। वह 18वीं शताब्दी की गोंड रानी थीं। यह पहली बार है, जब जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अब तक ये सेनानी स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायक रहे हैं। जनजातीय समुदाय ने प्राचीन काल से ही जम्मू-कश्मीर,मणिपुर, नागालैंड सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में निवास किया है और देश की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाई है। आजादी से पहले भी जनजातीय नायकों ने भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में प्रमुख भूमिका निभाई। रानी कमलापति का नाम रेलवे स्टेशन से जोड़ने से गोंड समाज सहित सम्पूर्ण जनजाति वर्ग का गौरव बढ़ा है। आजादी के बाद देश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर जनजातीय कला, संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को गौरव एवं सम्मान प्रदान किया गया है। भगवान श्रीराम और जनजातीय समाज का रिश्ता किसी से छुपा नहीं है। जनजातीय समाज की परंपराओं, रीति-रिवाज और जीवनशैली से प्रेरणा मिलती है। सरकार निरंतर उनके कल्याण के कार्य कर रही है।

सरकार द्वारा बीस लाख जनजातीय व्यक्तियों को वनभूमि के पट्टे प्रदान किए गए हैं। जनजातीय युवाओं के शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए देशभर में साढ़े सात सौ एकलव्य आवासीय आदर्श विद्यालय खोले जा रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा तीस लाख विद्यार्थियों को हर वर्ष छात्रवृत्ति दी जा रही है। सरकार द्वारा नब्बे वन उपजों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

पतंजलि का योग शिविर शुरू

रामगढ़। जिला मैदान एमएमटी ग्राउंड में रविवार को पतंजलि योग समिति द्वारा सात दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ किया गया। जिसमें सीए अजीत जायसवाल , जिला प्रभारी प्रमोद लाल , युवा प्रभारी ठाकुर प्रसाद उपस्थित रहे। युवा प्रभारी ठाकुर प्रसाद ने शिविर में शामिल लोगों प्राणायाम एवं आसान का सूक्ष्म ज्ञान दिया और रोग अनुसार योग के अभ्यास की जानकारी दी। बताया की यह योग शिवर 15 अक्टूबर तक चलेगी । उन्होंने जिला वासियों से आग्रह किया की शिविर में शामिल होकर योग के माध्यम से विभिन्न प्रकार की समस्याओं से मुक्ति प्राप्त करें। शिविर सुबह 5:00 से 7:00 बजे तक चलेगा। मौके पर रामचरित्र वर्मा, डॉ रणधीर , अजीत , मनोज , सुरेंद्र आदि मौजूद थे।

रजरप्पा में बनेगा 40 फीट का रावण

रजरप्पा। रजरप्पा आवासीय कॉलोनी स्थित स्टेडियम मैदान में कमेटी की तरफ से रावण, मेघनाथ व कुंभकरण के पुतले का निर्माण कारीगरों (बिहार, गया) द्वारा करवाया जा रहा है। रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का भी दहन होगा। समिति के सचिव गजेंद्र चौधरी ने बताया कि 48 वर्ष का दशहरा सबसे पुराना है। यहां 40 फिट के रावण का पुतला और 35-35 फिट ऊंचे कुंभकरण और मेघनाद का पुतला बनाया जा रहा है। इस बार आईपीएल स्तर की तर्ज पर आतिशबाजी की जाएगी।

आंदोलनकारियों को पेंशन दे सरकार : गंझू

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रामगढ़ जिला समिति की बैठक रविवार को भुरकुंडा में हुई। मोर्चा के केन्द्रीय उपाध्यक्ष दर्शन गंझू ने कहा कि अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर लोगो ने अपना खून-पसीना बहाया है। सरकार अलग राज्य की मांग को लेकर जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी आंदोलनकारियों को समान रूप से पेंशन और नियोजन नीति का लाभ दे। इसके साथ ही सभी सरकारी नौकरियों में आंदोलनकारियों के आश्रितों को द्वितीय और तृतीय श्रेणी की नौकरी में सीधा लाभ दे। मौके पर ब्रहमदेव महतो, भागीरथ महतो, टिकेश्वर महतो, जगदेव महतो, अशोक कुमार रजक, बाबुलाल महतो, मोहन तिवारी, झलकु बेदिया, नरेश गंझू, जितू बेदिया, लालु बेदिया, जन्नत अंसारी, भीम महतो, राम अवतार महतो, गंगाधार महतो, रविन्द्र प्रसाद, संतोष विश्वास, अब्दुल क्यूम अंसारी, हरिशंकर चैधरी, अलीम अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

कुजू में रिझवार झूमर प्रतियोगिता

कुजू। श्री महतो जय बजरंग समिति काचाडाडी द्वारा जितिया को लेकर रिझवार झूमर प्रतियोगिता समारोह हुआ। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो शामिल हुए। झूमर प्रतियोगिता में करीब दर्जन भर झूमर टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें झूमर मंडली के सदस्यों ने विभिन्न परिधान में शामिल होकर अपने कला का प्रदर्शन किया। मौके पर राजकुमार महतो ने कहा कि यही वह पर्व हैं जिनमें हमारी संस्कृति की झलक पायी जाती है। इसलिए विलुप्त होते अपनी इस परंपरा और संस्कृति को बड़े पैमाने पर आयोजित करने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राजनाथ महतो एवं संचालन शिक्षक बौधराम महतो ने किया।

भुरकुंडा में नाबालिग चोर गिरफ्तार

भुरकुंडा (रामगढ़)। कोयलांचल भुरकुंडा बाजार सहित आसपास के क्षेत्रो में पिछले एक महीने से चोरो ने आतंक मचाते हुये करीब एक दर्जनों दुकानो को अपना निशाना बनाकर भुरकुंडा पुलिस को खुली चुनौती दे रखी थी। शनिवार की रात्रि भुरकुंडा पुलिस ने राहत की सांस ली। जब हॉस्पीटल कॉलोनी भुरकुंडा में मो असगर के राशन दुकान में चोरी करते स्थानीय लोगो ने एक नाबालिग चोर को धर दबोचा। वहीं दो चोर भागने में कामयाब रहें। पुलिस ने पकडे गये नाबालिक चोर के निशानदेही पर जवाहरनगर के एक घर से तीन लोगों को हिरासत मे लिया। पूछताछ मे चोरो ने अपनी संलिप्तता स्वीकार ली। पुलिस ने बताया कि चोरो के गैंग में सात लोग है। जिसमें से चार को हिरासत में ले लिया गया है। वहीं तीन अन्य को पकडे के लिये छापामारी की जा रही है।

'कुड़मी को नहीं मिले आदिवासी का दर्जा'

कुजू। आदिवासी समाज के लोगों ने कुडमी, कुरमी के खिलाफ आंदोलन को लेकर ओरला पंचायत सचिवालय में रविवार को जनसभा हुआ। जनसभा में पूर्व शिक्षा मंत्री गीता श्री उरांव शामिल हुई। जनसभा में अदिवासी समाज के लोगों ने कहा कि कुरमी समाज को आदिवासी का दर्जा किसी भी हाल में नहीं दिया जाये। अगर सरकार के द्वारा ऐसा कदम उठाया गया तो पुरजोर आंदोलन किया जाएगा। हमारी जमीन एवं हमारे अधिकार को लूटने को लेकर रणनीति तैयार कर रहे हैं जो कदापि सफल होने नहीं दिया जाएगा। हमारी जमीन, हमारे अधिकार, हमारे बच्चों की भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की साजिश रची जा रही है। आज हम सभी आदिवासी समाज के लोगों को एकजुट होकर इसे हर हाल में रोकना होगा। सभा का संचालन निर्मल करमाली ने किया। मौके पर लक्ष्मी नारायण सिंह मुंडा, जितेंद्र मुंडा, दीपक उरांव, सोमदेव करमाली, नरेश मुंडा, मिहिरचंद्र मुंडा, राम रतन मुंडा, पवन करमाली, मनीष उरांव, अभिषेक उरांव, छोटू बेदिया, राजेश मुंडा, श्यामदेव मांझी, हीरालाल मांझी, मुकेश मुंडा, आदित्य मुंडा, अमित बेदिया, रानी देवी, ममता देवी, सविता देवी, गायत्री कुमारी, अनूप, नरेश हेंब्रोम, प्रीत देवी, शिखा देवी, पिंटू आदि मौजूद थे।

नगर निगम चुंगी वसूली के एजेंट की हुई धुनाई

खबर मन्त्र संवाददाता

एजेंट ने अडानी कंपनी के प्राइवेट सुरक्षा गार्ड्स पर लगाया मारपीट का आरोप

हजारीबाग। नगरनिगम के चुंगी वसुली के एजेंट संजीत कुमार ने चुंगी वसुली के दौरान अडानी कंपनी के प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा मारपीट का आरोप लगाया है। घटना शनिवार देर शाम की है। बताया जा रहा है कि अडानी कम्पनी के कर्मचारी उक्त बस बस में सवार थे, जब बस को चुंगी वसूली के लिए रोका गया तो उस बस को एस्कॉर्ट कर रहे अडानी कंपनी के प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा उसकी मारकुटाई कर दी गयी। संजीत कुमार ने बताया कि बड़कागांव रोड शंकरपुर में नगरनिगम द्वारा चुंगी वसुली की जाती है। हर दिन उक्त बस से चुंगी लिया जाता है। सड़क पर चलने वाली सभी मालवाहक एवं पैसेंजर गाड़ी से नगरनिगम क्षेत्र में प्रवेश करने पर शुल्क वसूल की जाती है।

शनिवार शाम को विजय बस पर सवार होकर अडानी कम्पनी के कर्मचारी अपने काम से लौट रहे थे। जब चुंगी वसूलने के लिए बस को रोका गया तो अडानी कम्पनी के कर्मचारियों की सुरक्षा में चल रहे प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स ने चुंगी वसुली कर रहे कर्मचारियों के साथ गाली गलौज करते हुए उन्हें धुन डाला। इस दौरान अफरातफरी मच गई। इस दौरान सड़क जाम हो गया। आरोप है की मारपीट के दौरान वसुली मशीन को भी तोड़ दिया गया। बाद में मामला बिगड़ता देख अडानी कम्पनी के उच्च अधिकारियों के आने के बाद सुलह हुआ तब जाकर कर्मचारियों की बस उन्हें लेकर गन्तव्य पर रवाना हुयी।

धर्मसभा में रामगढ़ जिले से हजारों लोग हुए शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

सांसद जयंत सिन्हा ने रामभक्तों को रांची किया रवाना

रामगढ़। 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा और बजरंग दल के स्थापना दिवस के अवसर पर रांची में आयोजित विशाल धर्मसभा हेतु रामगढ़ जिले से हिस्सा लेने जा रहे हजारों की संख्या में पहुंचे रामभक्तों को पटेल चौक सैनी होटल के सामने सांसद जयंत सिन्हा ने पुष्पवर्षा कर विदा किया। सैकड़ों की संख्या में बस,चारपहिया वाहन एवं मोटरसाइकल से श्रद्धालु पटेल चौक पर पूर्वाहन 11:00 बजे तक एकत्रित होना शुरू हुए जिसका नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद् बजरंग दल के जिला मंत्री छोटू वर्मा कर रहे थे। रामभक्तों ने जय श्री राम के गगनभेदी नारों के साथ उनका स्वागत किया। महिलाओं ने पुष्पवर्षा कर जयंत सिन्हा का अभिवादन किया। सिन्हा ने कहा कि आप सभी को धार्मिक सभा हेतु विदा करते हुए मुझे आपार हर्ष हो रहा है साथ हीं आपकी एकजुटता और प्रण के कारण आज हम भव्य राममंदिर बनते देख पा रहे हैं। जिला मंत्री छोटू वर्मा ने सांसद का आभार जताते हुए कहा कि श्रद्धालुओं का स्वागत और पुष्पवर्षा कर उनका विदा करना हम सभी के मनोबल को बढ़ाता है ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष झारखंड प्रदेश तिलकराज मंगलम,प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार,वरिष्ठ भाजपा नेता रंजीत सिन्हा,भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह रामगढ़ विधानसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू,आनंद बेदिया, रंजन फौजी,मंत्री वसुध तिवारी,कारसेवक विजय जयसवाल,रोबिन गुप्ता, महामाया मंदिर के मुख्य पुजारी दिनेश पाठक, राजीव पामदत्त, सत्यजीत चौधरी, प्रवीण सोनू,उमेश प्रसाद, रविंद्र शर्मा ,ऋषिकेश सिंह, मिथलेश मंडल, पब्बी बजरंगी,रवि वर्मा, अयोध्या वर्मा, सुरजीत सिंह छाबड़ा,मणिशंकर ठाकुर,धीरज साहू आदि उपस्थित रहे।

मुखिया शमशेर आलम ने खिलाड़ियों को दिया फुटबॉल

बरही। बरही पश्चिमी पंचायत के मुखिया शमशेर आलम ने पंचायत के जूनियर क्लब बरहीडीह में खिलाड़ियों को दिया फुटबॉल। आलम ने कहा कि क्षेत्र के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नही है बल्कि उन्हें प्लैटफॉर्म और सही मार्गदर्शन की जरूरत है। उन्होंने खिलाड़ियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि खेल में वह अपना प्रदर्शन अनुशासित रूप से करें और गांव समाज का नाम रौशन करें। उनके सर्वांगीण विकास को लेकर वह हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। मौके पर मुखिया के साथ मुखिया प्रतिनिधि टिंकू आलम, राकेश कुमार सिंह, सुधीर मालाकार, विक्की सिंह, मनीष कुमार, कौशिक कुमार पासवान के अलावा प्रशांत शर्मा, ओमकार ठाकुर, धनंजय कुमार राणा, कृष्ण कुमार, प्रिंस कुमार, शुभम कुमार, पीयूष कुमार, बादल कुमार, अविनाश कुमार, नैतिक कुमार, दीपक, सुजीत, अनिकेत कुमार, चंदन, मोहित कुमार, कुमार विक्कू प्रजापति कोच उपस्थित थे।

वन अधिकार समिति के अध्यक्ष महालाल व नीलकंठ बने सचिव

चरही। चुरचू प्रखंड के चरही पंचायत के तहत ग्राम सडवाहा में वन अधिकार अधिनियम 2023 के तहत चुनाव किया।जिसमें सर्वसम्मति से समिति के अध्यक्ष महालाल हांसदा और सचिव नीलकंठ महतो को चुना गया।वहीं सदस्य के रूप में अनुप तिग्गा,पूनम कुमारी,रामदेव सोरेन, सुष्मिता टुडू और प्रेम कच्छप का चयन किया गया।मौके पर नव निर्वाचित समिति के अध्यक्ष महालाल हंसदा ने कहा कि पहला उद्देश्य लोगों को न्याय और अधिकार दिलाना हमारा कर्तव्य होगा।उन्होंने कहा कि वन को बचाना हमारा पहला प्राथमिकता है।इस अवसर पर चरही पंचायत के मुखिया संझली मुर्मू, पूर्व मुखिया महादेव सोरेन,पंसस निरंजन महतो , नरेश, रामदेव,प्रेम कश्यप,पूनम कुमारी,अनूप तिग्गा, पायल देवी,रेणु देवी,बबीता देवी, संजीता,चंदा देवी, मेघवाल,सुष्मिता टुडू,दिलीप टुडू,बिशुन मुर्मू,प्रकाश टुडू,लक्ष्मण हंसदा,अनूप तिग्गा,रामदेव सोरेन, सुखदेव सोरेन,राजू हंसदा, प्रिंस हांसदा, करण हांसदा,महादेव सोरेन,सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

शिक्षा कर्मियों का प्रशिक्षण शुरू

दारू। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद और रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट के तत्वावधान में बीआरसी में आयोजित बुनियादी साक्षरता सुदृढीकरण कार्यक्रम का तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण द्वितीय सत्र शिविर का शुभारंभ रविवार को हुआ। शिविर में विभिन्न विद्यालयों में कक्षा 1 तथा 2 में पढ़ाने वाले 24 हिन्दी शिक्षक- शिक्षिकाओं को बुनियादी साक्षरता के 8 घटकों की जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर अमित कुमार राणा, नितिन सिन्हा, शम्भू कुमार, दिलीप ठाकुर ने बताया कि मौखिक भाषा विकास, ध्वनि जागरूकता, वर्ण ज्ञान, शब्द भंडार, धारा प्रवाह पठन, समझ, लेखन और स्वतंत्र पठन विषय पर विस्तार से समझ बनाने का कार्य किया।

चतुर्थ वर्गीय कर्मियों की नियुक्ति करे केंद्र सरकार : प्रदीप मुखर्जी

खबर मन्त्र संवाददाता

बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल का अधिवेशन आयोजित

रामगढ़। बीमा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रदीप मुखर्जी ने रविवार को कहा कि वर्ष 2012 से चतुर्थ वर्गीय कर्मियों की नियुक्ति करे सरकार। वर्ष 2020 से द्वितीय वर्ग के कर्मचारियों की जो नियुक्ति रोक दी गई है उसे भी आरंभ करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को आरंभ किया जाए। श्री मुखर्जी ने कहा कि सरकार ने बीमा प्रीमियम पर जो 18 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया है उसे तत्काल वापस ले। उन्होंने कहा कि एक तरफ सोना पर मात्र 3 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया है, वहीं बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया है। जो की पूरी तरह से अनुचित है और सरकार इसपर ध्यान देते हुए इसे समाप्त करने के लिए कदम उठाए। बीमा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ने सरकार से मांग किया कि 01,08,2022 से वेतन पुनरीक्षण का कार्य जो रूका हुआ है, उसको लेकर सरकार वार्ता के लिए पहल करे। ताकि इस समस्या का समुचित समाधान निकल सके। प्रदीप मुखर्जी ने कहा की वर्तमान में दो प्रकार की पेंशन योजनाएं चल रही हैं। पुरानी पेंशन योजना एवं नई पेंशन योजना। कहा की हम पूरी तरह से पुरानी पेंशन योजना का समर्थन करते हैं और उसे लागू करने की मांग करते हैं। लेकिन जबतक पुरानी पेंशन योजना समुचित तरीके से लागू नही हो जाती तबतक नये पेंशन स्कीम में 10 प्रतिशत अनुदान की जगह 14 प्रतिशत अनुदान की अनुशंसा की जाए।

उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम में सरकार द्वारा 3.5 प्रतिशत विनिवेश किया गया है। जिसके हम सख्त खिलाफ हैं और सरकार से मांग करते हैं विनिवेश के प्रक्रिया को रोक दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी की यदि सरकार द्वारा मारी मांगों को अनसुना किया तो हम सड़क पर उतरकर आंदोलन को विवश होंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हजारीबाग मंडल महामंत्री जगदीश चंद्र मित्तल, सचिव धर्म प्रकाश साव, संयुक्त सचिव सुमित सिन्हा मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग से नहीं मिला बिलीचिंग पाउडर

टाटीझरिया। प्रखंड के झरपो, खैरा, डहरभंगा, बेडम, डूमर, धर्मपुर, टाटीझरिया, भराजो पंचायत के कई गांवों में वर्षा के मौसम के आरंभ में ही स्वास्थ विभाग द्वारा पंचायतों के नजदीकी स्वास्थ्य उपकेंद्र के कर्मी एवं सबंधित कमीयो के माध्यम से बिलिचिंग पाउडर का वितरण आवश्याकता अनुसार ग्रामीणों के बीच किया जाता था। कई ग्रामीण आज भी कुआ के पानी को पीने भोजन पकाने सबंघी अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में लाते है। झरपो पंचायत मुखिया सह 20 सूत्री अध्यक्ष शिबूप्रसाद सोनी ने कहा की दुर्भाग्य पूर्ण बात है की टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के ओर से वर्षा के मौसम में भी बिलीचिंग पाउडर स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध पंचायतों के नजदीक स्वास्थ्य केंद्रों में भी नहीं उपलब्ध हो पाया है। वहीं झरपो मुखिया सह 20 सूत्री अध्यक्ष शिबूप्रसाद सोनी ने कहा की स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रिय स्वास्थ्य कमीयो में एएनएम तारावती जल सहिया हिरामन प्रसाद से पूछताछ की गई तो उन्होंने स्वास्थ्य विभाग पर ठिकरा फोड़ते हुए कहा कि विभाग द्वारा अब तक हमलोगों को बिलीचिंग पाउडर उपलब्ध नहीं करवाया गया है तो हमलोग कहां से वितरण करें। श्री सोनी ने स्वास्थ विभाग द्वारा इस प्रकार के लापरवाही पर नाराजगी जताई है।

मुखिया आशा देवी के पुत्र का माइनिंग सरदार पद पर चयन

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। सयाल उतरी पंचायत की मुखिया आशा देवी व पूर्व मुखिया सह झामुमो नेता सत्येंद्र यादव के पुत्र मिंटू कुमार उर्फ बैजु का कोल इंडिया की महारत्न कंपनी एनसीएल के सिंगरौली निगाही एरिया में माइनिंग सरदार पद पर अंतिम रूप से चयन हुआ है। मिंटू की सफलता से दादा-दादी, माता-पिता व परिजनों सहित क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। वहीं बधाईयों का तांता लगा हुआ है। मिंटू की सफलता से गदगद पिता सत्येंद्र यादव व माता आशा देवी ने कहा की हमारा पुत्र शुरू से मेधावी छात्र रहा है। उन्होंने बताया कि मिंटू ने मैट्रिक ऑक्सफोर्ड स्कूल रांची झारखंड से प्रथम श्रेणी व आइएसी सिन्हा कॉलेज औरंगाबाद बिहार से प्रथम श्रेणी से पास किया था। वहीं उसने अपनी माइनिंग डिप्लोमा की पढ़ाई श्रीधर यूनिवर्सिटी कोटा राजस्थान से किया है। आशा देवी ने कहा कि लक्ष्य का निर्धारण कर तैयारी की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। पूर्व मुखिया सत्येंद्र यादव ने कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है को सच कर दिखाया है मिंटू ने। उन्होंने कहा कि मेरे पुत्र ने अपनी सफलता से पूरे यादव समाज का नाम रोशन किया है।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच द्वारा प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक बाजार भुरकुंडा में दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुन-पत्तल बेचने आये अत्यंत गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच भोजन का वितरण किया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जयसवाल, प्रो. रामानुज सिंह व शिक्षक भुपेंद्र वर्णवाल उर्फ रिंकु द्वारा दर्जनों गरीबों के बीच पुरी-सब्जी एवं जलेबी का वितरण किया गया। मौके पर मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने बताया कि पितरपक्ष के अवसर पर भाजपा नेता योगेश दांगी, मुन्ना मिश्रा व अशोक झा द्वारा अपने बुर्जुर्गों के आत्मा की शांति के लिए गरीबों को भोजन कराया गया है। मंच के अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि सबों के सहयोग से पिछले 8 वर्षों से मंच द्वारा गरीबों को भोजन कराया जाता रहा है जो आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य ही गरीबों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पूण्य का कार्य है। ऐसे नेक कार्य में सबों को मन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, राकेश शर्मा, संजू सिन्हा आदि का विशेष योगदान रहा।

एक नजर में

जितिया पर मेला और ऑर्केस्ट्रा आयोजित

केरेडारी। जितिया मेला के अवसर पर ग्राम जोरदाग के झुमरी टांड मैदान में नागपुरी आर्केस्ट्रा का आयोजन रविवार को किया गया। आर्केस्ट्रा का उद्घाटन प्रमुख सुनीता देवी ने फीता काटकर की। सुनीता देवी ने कहा कि जितिया का व्रत हिंदू धर्म में संतान की लंबी उम्र और उसकी मंगल कामना के लिए किया जाता है। समाजसेवी जागेश्वर साव ने कहा कि झारखंड का लोक नृत्य गीत संगीत झारखंडी जीवन का दर्शन कराती है, इस तरह के आयोजन से मनोरंजन के साथ-साथ झारखंडी लोक कला के साथ रूबरू होने का अवसर मिलता है। समाजसेवी रामकुमार साव ने कहा कि नृत्य एवं संगीत से मनुष्य का मानसिक विकास होता है। ऐसे कार्यक्रम से कलाकारों की प्रतिभा भी निखरती है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल मुंडा ,सचिव बिकास कुमार, कोषाध्यक्ष अजित माली,उपाध्यक्ष संजय मुंडा, हिरामन महतो,किशोर साव,अनिल महतो,राहुल माली,प्रमोद साव,दिलीप साव, संजय साव, कालो राम, दिनेश महतो,ब्रजेश राम,खिरोधर साव, कुलदिप साव, कन्हाई माली,अखिलेश पासवान आदि उपस्थित थे।

चरही : पीसीसी पथ गड्ढे में हुआ तब्दील

चरही। इंद्रा पंचायत ग्राम बासाडीह और हेंदेगढ़ा में ग्रामीण जलापूर्ति योजना घर-घर नल-जल योजना लगाया गया है, जिसमें कारुखाप में गावं के मुख्य पथ के पीसीसी को काटकर जलापूर्ति पाइप बिछाया गया है ।पीसीसी पथ को पुनः ढलाई किया गया, जिससे पथ गड्ढा में तब्दील हो गया है। मेन पाइप से ज्वाइंट कर कर घर-घर पाइप को जोड़ने के लिए दी गई ज्वाइंट से बराबर पानी बहते रहता हैख जिसके चलते पथ पर कीचड़ का ढेर लग जाता है ।जिस कारण बरसात के दिनों में तरह-तरह के मच्छड़ उत्पन्न हो जाते हैं ।जिसके चलते बीमारी होने की संभावना बनी रहती है ।इस मामले को लेकर ग्रामीण जलापूर्ति संवेदक से कई बार बात भी कर चुके हैं ।लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया ।इस समस्या के समाधान के लिए चुरचू प्रखंड पूर्व जिप सदस्य सह पूर्व मुखिया परमेश्वर महतो ने हस्ताक्षर युक्त लिखित आवेदन चुरचू बीडीओ को भी दिया गया ।इसके बावजूद भी कोई पहल नहीं किया गया ।श्री महतो ने बताया कि इस समस्या का समाधान जल्द नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

झारखंड मुक्ति मोर्चा पंचायत कमेटी का चुनाव

इचाक। ग्राम पंचायत बरकाकला में झारखंड मुक्ति मोर्चा पंचायत कमेटी का चुनाव किया गया । सर्व समिति से पंचायत अध्यक्ष अरविंद मेहता उपाध्यक्ष ताहिर आलम सचिव सिकंदर कुमार मेहता संयुक्त सचिव समसुद्दीन अंसारी संगठन सचिव दीपक मेहता ,उपाध्यक्ष उपेंद्र कुमार दास ,मीडिया प्रभारी शिवम कुमार, कोषाध्यक्ष राजू रजवार ,उपाध्यक्ष लालजी रजवार, संयुक्त सचिव विक्रम कुमार, दिगंबर कुमार, को चुना गया ।इस चुनाव में प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा संयोजक मंडली अध्यक्ष मनोहर राम प्रखंड 20 सूत्री सदस्य दिगम्बर कुमार मेहता थे। इस बैठक में मुख्य रूप से बरका कला पंचायत के मुखिया सिकंदर कुमार दास ,सुरेंद्र मेहता, अनिल कुमार राणा, महेंद्र मेहता, अरविंद कुमार, दीपक मेहता, शिवम कुमार ,विक्रम कुमार ,विनय राम, सिकंदर कुमार मेहता ,एवं दर्जनो झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छावनी अखाड़ा का दुर्गा पूजा समिति गठित

इचाक। रविवार को बालेश्वर मेहता की अध्यक्षता में बैठक की गई। जिसमें सर्व समिति से पूजा ठीक ढंग से हो उसके लिए कमेटी का गठन किया गया। समिति का अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेहता ,राजद प्रखण्ड अध्यक्ष, सचिव सदन प्रसाद मेहता ,पूर्व मुखिया प्रतिनिधि, एवं कोषाध्यक्ष नरेश प्रसाद मेहता ,को बनाया गया। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया की नवमी के दिन जागरण का कार्यक्रम कराया जाएगा। पूजा को सफल बनाने के लिए तथा कमेटी को मदद करने के लिए कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया ।जिसमें बालेश्वर प्रसाद मेहता, किशोर प्रसाद मेहता, सुरेंद्र प्रसाद मेहता, प्रदीप प्रसाद मेहता ,सुबोध कुमार, प्रकाश मेहता ,सिकंदर मेहता, द्वारिका मेहता ,अशोक मेहता, लोकनाथ मेहता ,आदित्य कुमार, जीतू यादव ,संतोष यादव ,उमेश कुमार, वजीर मेहता समेत कई लोग शामिल थे।

बड़कागांव में झामुमो कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

बड़कागांव। सिरमा पंचायत भवन में झामुमो का पंचायत स्तरीय बैठक किया गया, जिसकी अध्यक्षता मो अहद एवं संचालन मोहम्मद एहरार ने किया ।कार्यक्रम के झामुमो केंद्रीय सचिव सह झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव कुमार बेदिया उपस्थित हुए ।श्री बेदिया ने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासी मूलवासी के लिए विशेष रूप से कार्य कर रही है गरीब महिला पुरुष के लिये भिन्न-भिन्न प्रकार के योजनाएं चलाए जा रहे हैं ।बैठक में झामुमों सीरमा पंचायत कमेटी का गठन किया गया जिसमे अध्यक्ष मो हेसाम ,उपाध्यक्ष समीर परवीन, मो मोहसिन,अहद रजा, सचिव मो तालीम,संयुक्त सचिव मो एकराम हुसैन,सहूद आलम,संगठन सचिव मो अकील,कोशाध्यक्ष करामत अली वही कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया। मौके पर मुख्य संयोजक संजय सिंह, विशेश्वर राम, सफीउल्लाह अंसारी, संजय भुइयां ,मोहम्मद मनोहर, हजार खातून मेहनाज ,समीना खातून नसरीन जहां ,मो मुख्तार मोहम्मद कयूम,मो आशिक राजा,मो अमजद,मो तनवीर,सलामत मुस्कान, रानी खातून,मो गुलाम सहित सैकड़ो महिला पुरुष शामिल थे।

हजारीबाग में दिनदहाड़े चेन छिनतई

हजारीबाग। शहर के नवाबगंज में उच्चको ने फिर से चेन छिनतई की घटना को अंजाम दिया है। इस मामले की सी सीटीवी फुटेज भी सामने आयी है। नवाबगंज लक्ष्मी पेट्रोल पंप के पीछे नीलकंठ टेंट हाउस के सामने रहने वाले शशि शेखर झा जो शहर में सेनेटरी वर्क का काम करते है उनकी पत्नी के गले से उच्चको ने35 ग्राम सोने का चेन झप्पटा मार के उड़ा दिया। इस दौरान उनकी पत्नी सारंधा कुमारी झा सड़क पर गिर गयी। उन्हें किसी तरह की गंभीर चोट नहीं लगी। इस मामले पर शशि शेखर झा ने कहा की उनकी पत्नी मटवारी स्थित कला किरण से अपने बेटे को लेकर घर पहुंची थी। उनका बेटा कला किरण में ड्राइंग सीखता है। वो जैसे ही घर के गेट के पास अपने स्कूटी पर थी। वहा पहले से घात लगाए उचक्कों ने उनका चेन छिल लिया। इस मामले में थाने में रिपोर्ट दर्ज कर दी गयी है।

तीन कद्दावर नेता ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

बड़कागांव। कांग्रेस के तीन कद्दावर नेता एक साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी से इस्तीफा देने वालों में मुख्य रूप से बड़कागांव पूर्व विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र कुमार, कांग्रेस महिला मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष गीता देवी एवं कांग्रेस सेवा दल प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र विश्वकर्मा ने अपने लेटर पेड पर निजी कार्यो का हवाला देते हुए कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया है। सभी लोगों अपने-अपने इस्तीफा में कांग्रेस पार्टी के लिए 15 से 20 साल से पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पार्टी के लिए काम करने की बात कही, परंतु अभी निजी कार्यो के व्यस्थता की वजह से पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं।

समाज के लिए कोढ़ है बाल विवाह : केदार यादव

बरही। आजादी के कई वर्षो के बाद भी समाज में जागरूकता के अभाव में कुरीतियां समाज का दामन छोड़ नही रही है ।इन्ही कुरीतियों में प्रमुख है बाल विवाह ।बाल विवाह समाज के लिए एक अभिशाप है। इस बात की जानकारी भाजपा युवा नेता सह एंटी करप्शन क्राइम कण्ट्रोल कमिटी के प्रदेश उपाध्यक्ष केदार यादव ने पत्रकारो को बताया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह समाज के लिए एक कोढ़ है ।जिसके प्रभाव से बच्चों को शादी के बाद शारीरिक, मानसिक रूप से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है ।इसलिए इस बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए हमसभी को एकजुट होकर इस प्रथा को हटाने की जरूरत है।

ओरमांझी : समूह की दीदियों को झांसा दे पांच लाख के जेवरात और रुपये की ठगी

■ गांव में घूम-घूम कर पुराने को नये डिजाइन में गहना बनाने का ठग ने दिया झांसा

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षत्र के सुदूरवर्ती गांव सदमा में एक ठग ने आसपास के गांव में घूम-घूमकर महिला समूह की दीदियों को झांसे में लिया और लाखों की जेवरात व रुपए लेकर फरार हो गया। घटना के संबंध में बताया गया कि मुकेश नामक एक ठग पिछले एक माह से होचई, सांती व आसपास गांव में समूह की दीदियों व अन्य महिलाओं को पिठोरिया का सोनार व अलंकार ज्वेलर्स का मालिक बता कर झांसे में लिया और पुराने डिजाईन के आभूषणों को दो-चार दिन से एक सप्ताह के अंदर नये डिजाईन में बना कर देने का भरोसा देते हुए समूह की दीदियों से सोने-चांदी के आभूषण ठगता गया। ठग ने कई दीदियों से आभूषण बनाई के नाम पर रुपए भी लिया। समय पर आभुषण बना कर नही लाने पर दीदियों की चिंता बढ़ने लगी। मोबाइल पर संपर्क करने पर पहले वह कुछ दिन तो टालमटोल करता रहा और बाद में मोबाइल भी बंद कर लिया। ठग द्वारा दिए गए पते पर अलंकार ज्वेलर्स नाम का कोई दुकान भी नहीं मिला। ठगे जाने का एहसास होने पर कई दीदियां मुखिया सुनील उरांव के पास पहुंची। समूह की दीदियों ने बताया कि मुकेश नामक ठग अपना अलग-अलग नाम बता कर ठगी किया है। वहीं मुखिया ने गांव वालों से गांव में आने वाले अपरिचित लोगों से सावधान रहने को कहा है।

मुखिया को घटना की जानकरी देती समूह की दीदियां।

मुखिया की पहल पर मामला दर्ज

मुखिया की पहल समूह की दीदियों द्वारा ओरमांझी थाना में मामला दर्ज कराया गया है, जिसमें बताया गया कि रीता देवी से सोना का मंगल सूत्र, कान का झुमका, चांदी का पायल व हार, प्रतिमा देवी व सुजन देवी से सोना का नथिया व चांदी की पायल, शीला देवी से चांदी का पायल व हार, उषा देवी से पायल, नथिया, बीछिया व कंगन की ठगी हुई। इसके अलावा सुरैत देवी, रीता देवी, किरन देवी, सुनिता देवी, देवंती देवी इन सभी से पायल, सोने की नथिया सहित लगभग पांच लाख रुपए की जेवरात व रुपए भी ठगी कर फरार हो गया है। वहीं ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा ठग का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

कांके सीओ ने बताया दलाल, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष ने बताया कार्यकर्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

कांके। अंचल अधिकारी कांके जयकुमार राम द्वारा 6 अक्टूबर को राज्य के गृह सचिव उपायुक्त रांची अपर समाहर्ता रांची आयुक्त दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल को शिकायती पत्र प्रेषित कर कांके अंचल कार्यालय में दलालों द्वारा आम ग्रामीणों का भयादोहन कर दाखिल खारिज, जमीन सुधार संबंधी कार्यों में रुपयों की लेनदेन, अंचल कर्मियों को धमकी देने को लेकर शिकायती पत्र भेज कर दर्जनों नामजद जमीन दलालों पर अंकुश लगाने की बात कही गई है। इस संबंध में कांके प्रखंड अध्यक्ष संजर खान ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि इसमें से आधे दर्जन लोग कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता हैं। कांके सीओ के इस पत्र से कांग्रेस पार्टी सहित पार्टी के कार्यकर्ताओं की छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई है। सीओ जय कुमार राम को अंचल में ज्वाइन किए हुए चार दिन ही हुए हैं। इसे अंचल कर्मियों द्वारा भ्रमित कर और बरगलाकर अपना हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर दलालों पर कार्रवाई करने को कहा है, लेकिन इसमें कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला सचिव सहित अन्य कार्यकर्ताओं का नाम जोड़ दिया जाना गलत है। प्रखंड अध्यक्ष ने इस मामले पर उच्च अधिकारियों से जांच कर और कार्यालय में लगे सीसीटीवी फुटेज देखकर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही प्रखंड कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सीओ से 9 अक्टूबर को मुलाकात कर अपनी बातों को रखेंगे।

कांके अंचल कार्यालय वर्षों से रहा है विवादित

पूर्व में पदस्थापित रहे दो सीओ प्रभात कुमार सिंह व अनिल कुमार हो चुके हैं सस्पेंड वही पूर्व में 1 दिन में म्यूटेशन करने का इतिहास भी रचा जा चुका है।

स्पीड न्यूज

इटकी : हॉस्पिटल में लगा एक्सरे और ईसीजी मशीन

इटकी। इटकी रसूल नगर स्थित सेवा निकेतन ट्रस्ट हॉस्पिटल में रविवार को थाना प्रभारी अमित प्रशांत व डॉ जहांनुमा ने ईसीजी व डिजिटल एक्सरे मशीन का उदघाटन संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि हॉस्पिटल में एक्सरे व ईसीजी के मशीन उपलब्ध हो जाने से ग्रामीणों को इसका लाभ मिलेगा। मौके पर हॉस्पिटल के डायरेक्टर मकसूद आलमए सिंदबाज खान, आकिब अहमद, राबिया, माहपारा, शबाना, राजकुमार महतो, शम्सुल व रिजवान आदि मौजूद थे।

इटकी : ठगी मामले के आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

इटकी। इटकी थाना क्षेत्र के गुलामटोली निवासी मेराज अंसारी उर्फ मेराज आलम पिता अमीन अंसारी के घर पुलिस ने शनिवार को इश्तेहार चिपकाया। मेराज चैनपुर थाना कांड संख्या 07-23 धारा 406, 420 भादवि का फरार अभियुक्त है। उसके विरूद्ध गुमला जिला के चैनपुर थाना में ठगी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज है।

बेड़ो में सात दिवसीय योग शिविर शुरू

बेड़ो। बेड़ो के महादानी मंदिर परिसर स्थित विवाह मंडप में रविवार को पतंजलि योगपीठ बेड़ो शाखा द्वारा बीपी व शुगर निवारण के लिए सात दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में सबसे पहले प्रखंड चिकित्सा प्रभारी की ओर से शिविर में आये लोगों का बीपी व शुगर की जांच प्रखंड प्रशिक्षक रविंद्र वर्मा पुरुषोत्तम यादव व विकास बंटी ने 60 लोगों का शुगर व बीपी की जांच की। शिविर को सफल बनाने में मुकेश कुमार राय अनिता देवी सुनीता देवी ललिता मंगल रविंद्र वर्मा धनंजय साहू अर्जुन ठाकुर ने सराहनीय योगदान दिया।

बीसीकेयू सीटू का आठवें दिन भी धरना जारी

खलारी। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन सीटू के बैनर तले जामुनदोहर में लगातार आठवाँ दिन धरना जारी है। विश्रामपुर, जामुनदोहर में रैयत खतियानी के लोग और यूनियन के पदाधिकारी विस्थापन नौकरी मुआवजा को लेकर धरना पर बैठे हैं। मौके पर बीसीकेयू के जोनल अध्यक्ष रतिया गंझु एनके एरिया अध्यक्ष इरफान खान जंग बहादुर राम अरुण सिंह सोनू गंझु विजय गंझु लाल मैन गंझु राम प्रसाद गंझु मौजूद थे।

सिल्ली : अवैध बालू लदा टर्बो ट्रक जप्त

सिल्ली। सिल्ली थाना अंतर्गत बांसिया गांव के समीप अवैध बालू से लदे एक टर्बो ट्रक नंबर जेएच 01 एआर 3507 को जप्त किया है और बालू माफिया पुलिस को चकमा देकर बालू को ले जा रहे था वहीं थाना प्रभारी आकाश दीप ने गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए वाहन को जप्त कर लिया है।

मांडर डीलर संघ ने कार्डिनल का दर्शन कर दी श्रद्धांजलि

मांडर। जनवितरण प्रणाली दुकानदार संघ के अध्यक्ष बाबू पाठक के नेतृत्व में मांडर डीलर संघ के सभी सम्मानित सदस्य गण कार्डिनल तेलस्फोर टोप्पो के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित किए। कांस्टेट लिवन्स हॉस्पिटल मांडर पहुचे। डीलर संघ के अध्यक्ष पाठक ने बताया कि यह गर्व की बात है कि कार्डिनल साहब झारखंड के पुण्य धरती पर जन्म लिये। मौके पर मजीबूल रहमान, मोहम्मद रहमान सुनील सिंह मुमताज अंसारी अशोक लाल माली सलमान अंसारी संजीव अंसारी हरिनारायण साहू अशोक साहू मुन्ना साहू शाहिद मिराज शांति देवी कृष्ण मुंडा सहित सभी सम्मानित सदस्य मौजूद थे।

दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय

सिल्ली। सिंगपुर श्री श्री 108 दुर्गा बाड़ी पूजा समिति के सदस्य की एक बैठक सुशील कुमार कोईरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूजा को सफलता पूवर्क संपन्न करने के लिए कमेटी का गठन किया गया।

लक्ष्मण प्रसाद सैनी बने ढेलवाखूंटा दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष

सिकिदिरी। दुर्गा पूजा समिति ढेलवा खूंटा की बैठक रविवार दुर्गा मंदिर प्रांगण में हुई।इस की अध्यक्षता अध्यक्षता बिक्की सिंह वालिया ने की।बैठक में सर्वसम्मति से लगातार आठवीं बार लक्ष्मण प्रसाद सैनी को अध्यक्ष चुना गया। प्रदीप कुमार व प्रदीप सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष फागू मुंडा कृष्णा प्रसाद सिन्हा व मनोज मुंडा को उपाध्यक्ष गणेश रजवार सचिव रामजी सिंह सह सचिव विजय सिंह कोषाध्यक्ष सत्यपाल राउत व जयनारायण साहू को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया। श्रवण कुमार मुंडा मुखिया राजेंद्र बेदिया पंसस विनोद रजवार विक्की सिंह वालिया मनोज बेदिया अर्जुन प्रसाद शंकर स्वामी व प्रमोद साहू को संरक्षक मंडली में रखा गया है।

गठबंधन सरकार को उखाड़ जयराम महतो को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प

●झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का सम्मेलन

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएस) का सम्मेलन बूटी में हुआ। विराट महतो की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में झारखंड हित में स्थानीय, नियोजन, विस्थापन, कंपनी, खनन आदि नीति बनाने और झारखंड का नव निर्माण करने के लिए टाइगर जयराम महतो को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया। वहीं रांची लोकसभा व विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड के युवा कार्यकर्ता व प्रखंड प्रमुखों को लोकसभा व विधानसभा की तैयारी में लग जाने और सभी गांव में बूथ स्तर पर छोटी-छोटी सभा करने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष देवेंद्र महतो ने कहा कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी हित में सरकार आज तक स्थानीय व नियोजन नीति नहीं बना पाई है। राज्य के युवाओं के विरोध के बावजूद विभिन्न सरकारी पदों पर नियुक्ति 60-40 के हिसाब से नहीं करके, बाहरियों को नौकरी बेचने का काम कर रही है।

दो वर्ष से हमारा आंदोलन हो रहा है, लेकिन सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। 2024 में वर्तमान झारखंड मुक्ति मोर्चा गठबंधन की सरकार को उखाड़ कर फेंकने का आह्वान करते हुए जेबीकेएस के युवा क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं को लोकसभा व विधानसभा भेजा जाएगा।

सम्मेलन में मंच पर उपस्थित लोग।

कार्यक्रम में ये लोग थे शामिल

मौके पर मुख्य रूप से रामेश्वर प्रसाद, मोहन महतो, जितेंद्र बाबू, अशरफ अंसारी, संजय महतो, महावीर मुंडा, राजू महतो, मनीष तिर्की, लक्ष्मण प्रमाणिक, प्रवीण कुमार महतो, गोपेश महतो, मोहम्मद जावेद, विनोद महतो, मनोज महतो, अभय प्रसाद, जानकी देवी, मार्शल महतो, सुमित महतो, दमयंती मुंडा, गोवर्धन महली, सुमित नायक, अंगद नायक, आकाश नायक, बबलू महतो, निवेदिता महतो, मंजू महतो, कुलदीप मंडल मौजूद थे।

एक नजर में

धुर्वा डैम में मिला अज्ञात युवक का शव

पिस्कानगड़ी। धुर्वा डैम में एक अज्ञात शव तैरते हुए दिखा। इसकी सूचना ग्रामीणों ने नगड़ी थाना प्रभारी को शाम में दी। थाना प्रभारी सदल बल घटना स्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के मदद से उसे डैम से निकाला गया। हालांकि शव को देखने से लगा कि 35-40 साल का युवक लाल रंग का टी शर्ट और खाकी रंग का पैंट पहने हुए है तथा 4-5 दिन पहले से ही डूबा हुआ प्रतीत हो रहा था। पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दी है।

जितिया करम पर मांदर की थाप पर झूमे लोग

लापुंग। लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध महुगांव इंद जतरा तथा फतेहपुर में जितिया करम के दौरान मांदर की थाप पर संस्कृति नाच उठी और परंपरा थिरक उठा। महुगांव जतरा स्थल पर महुगांव सरनाटोलीए महुगांव खास तथा महुगांव बड़का टोली सहित बाकाकेरा का खोड़हा नृत्य दलों ने मुखिया मेरी होरो तथा हुलसू पंचायत के उप मुखिया अरविंद सिंह भूलन की उपस्थिति अपनी नृत्य कला से लोगों को खूब अभिभूत किया। मुखिया मेरी होरो ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति परंपरा और रीति रिवाज के साथ साथ सांस्कृतिक रूप से बच्चों को सुदृढ़ करने के लिए उन्हें अच्छी शिक्षा देना और अच्छे संस्कार देना हमारी प्राथमिकता है। वहीं उप मुखिया अरविंद सिंह भूलन ने कहा कि क्षेत्र में विकास से ही खुशियां आती हैं। हमारा क्षेत्र विकसित होगा और लोगों में जागरूकता होगी तथा हम एकजुट होकर रहेंगे तो हमारा समाज और हमारे गांवों की उन्नति जरुर होगी। कार्यक्रम की देखरेख संयोजक शंकर साहु तथा समाजसेवी दीपनारायण सिंह ष्दीपकष् ने किया। शंकर साहु ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं और चिंताओं से मुक्ति के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं। इस मौके पर गांव के ग्राम प्रधान सह महतो नेलसन बरलाए पाहन संजीत कुजूरए मंगा पाहन कोयोंग पाहन संजय बरला भोला लकड़ा मंजूली तिर्की गुनुआ नायक करमू उरांव सहित अन्य लोगों ने खोड़हा नृत्य दलों का नेतृत्व किया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अवर निरीक्षक सुनील मरांडीए अतिथि के रूप में अजय उरांव विरेंद्र कंडुलनाए मुक्ति प्रकाश भेंगराए बुद्धदेव उरांवए प्रेम उरांव बेंजामिन टोप्पनो रतिया खड़िया सहित कई लोग मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर जितिया करम के दौरान फतेहपुर मुंडा टोली में जितिया करम के दौरान लोगों ने गांव में जश्न मनाया और खुशियां बांटी।

अपराधियों ने आधा दर्जन मजदूरों को जमकर पीटा

■ डिंबा गांव में पाइप लाइन योजना के वर्क साइट पर अपराधियों ने मचाया तांडव

खबर मन्त्र संवाददाता

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र में उग्रवादियों और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और पुलिस लकीर पीट रही है। अभी हाल ही में हुलसू की घटना को बीते 10 दिन भी नहीं हुए और लापुंग थाना क्षेत्र के डिंबा गांव के निकट बगीचा के पास पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से करोड़ों रुपए की लागत से बन रहे जलमीनार और पाईप लाईन योजना के साईट पर अपराधियों ने तांडव मचाया। घटना शनिवार की रात लगभग 8.30 बजे की है। साईट पर काम कर रहे मजदूरों क्रमशः वीरेंद्र शाह, राहुल कुमार, अमावस्या कुमार उपेन्द्र शाह गंगा सागर शाह सहित कई लोगों की पिटाई की। इसमें वीरेंद्र शाह को सबसे अधिक चोट लगी है। वहीं मौके पर मौजूद मजदूर राहुल कुमार अमावस्या कुमार उपेन्द्र शाह तथा गंगा सागर शाह को भी पीटा। कई मजदूरों ने भाग कर अपनी जान बचाई। घटना के दौरान अपराधियों ने मजदूरों के खाना बनाने वाले चूल्हे में तोशक को डालकर जलाया और झोपड़ी में तोड़फोड़ भी की। घटना की जानकारी मिलने पर डिंबा के ग्रामीणों ने लापुंग पुलिस को सूचना दी। ग्रामीण 108 एंबुलेंस बुलाकर सभी घायलों को लापुंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। लापुंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पांच घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल विरेंद शाह को रिम्स रेफर कर दिया गया। रविवार की शाम लापुंग थाने में मामला दर्ज किया गया।

पीएलएफआई के नाम पर साइट इंचाज से पांच लाख की मांगी थी लेवी

ग्रामीण सूत्रों के अनुसार घटना को दोलैचा के रहने वाले अंकित कुमार सिंह के गैंग ने अंजाम दिया है। कथित रूप से अंकित कुमार सिंह ने पीएलएफआई के नाम पर काम करने वाले ठेकेदार तथा साइट इंचार्ज से पांच लाख रुपए की लेवी मांगी थी। लापुंग पुलिस ने रविवार को दोलैचा के तीन युवकों क्रमशः उमेश सिंह छोटू साहु तथा बलराम साहु नामक युवकों से पूछताछ की है। अंकित कुमार सिंह के संदर्भ में बताया गया कि वह पूर्व में भी जेल गया है। हाल ही में वह जेल से छुटकर आया है। दोलैचा और इसके आसपास अपराधिक घटनाओं के बढ़ने से लापुंग पुलिस परेशान हैं। मामले को लेकर डीएसपी और सर्किल इंस्पेक्टर सुबह से लेकर देर शाम तक लापुंग थाना में जम रहे। घटना के संदर्भ में पूछे जाने पर थाना प्रभारी सुकुमार हेंब्रम ने कोई भी जवाब नहीं दिया। हाल ही में स्कूलों में दर्जनों चोरी की घटना सहित पीएलएफआई द्वारा हुलसू में दी गई दोहरे हत्याकांड को पुलिस प्रशासन खुलासा और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर पाई। लापुंग के ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना घर कर रही है। वहीं दूसरी ओर डिंबा की घटना से लापुंग पुलिस भारी परेशान है।

राहे जिला प्रतिनिधि को सौंपा गया पवित्र अमृत कलश

राहे। मेरा माटी मेरा देश अभियान को लेकर राहे प्रखंड के सभी 9 पंचायतों से एकत्रित पवित्र अमृत कलश को जिला में जमा किया गया।प्रखंड परिसर में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप प्रमुख उमेश महतो ने कहा कि दिल्ली में बलिदानियों की याद में बननेवाली अमृत वाटिका में राहे प्रखंड के सभी पंचायतों की मिटटी का उपयोग होगा। यह हमारे प्रखंड के लिए गर्व की बात है। मौके पर मुखिया श्याम सिंह मुंडा कृष्णा पातर क्षेत्रमोहन महतो विनय कुमार सुभाष महतो सहित नेहरू युवा केन्द्र के सदस्य मौजूद थे।

बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे युवा

●राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ का पहला स्थापना दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ का पहला स्थापना दिवस मनाया गया। मोरहाबादी स्थित रिजॉर्ट में आयोजित समारोह की शुरूआत दिवंगत सामाजिक अगुआ डॉ करमा उरांव की चित्र पर माल्यार्पण कर की गयी। अध्यक्ष संगम उरांव ने कहा कि देश के युवा बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। पार्टियों को चुनाव में युवाओं से वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। झारखंड में स्थानीय नीति की वकालत करते हुये उन्होंने कहा कि राज्य में 2 लाख पद वर्षों से रिक्त है। श्री उरांव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर यहां के आदिवासियों पर झूठी हमदर्दी दिखाकर समाज को छलने का आरोप लगाया। रांची जिला अध्यक्ष टाईगर शनि उरांव ने संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। श्याम लाल उरांव ने सरकार से बहन-बेटियों के स्मिता की रक्षा करने और जलए जंगल व जमीन बचाने की मांग की। संचालन प्रवक्ता शिवशंकर उरांव ने किया। उन्होंने विलुप्त होती भाषा व संस्कृति तथा शिक्षण संस्थानों में आदिवासी शिक्षकों की कमी पर चिंता जतायी।

इन्होंने भी रखी अपनी बातें

शयाम किशोर मुंडा, धर्मेश उरांव, चंद्रदीप उरांव, राजू उरांव, सुशील उरांव, अजित मुंडा, राकेश उरांव, रंजित उरांव, बल्केश्वर उरांव, छोटू मुंडा, दीपक उरांव, सूर्य लकड़ा, अरुण मुंडा, करण मुंडा, मुकुंद मुंडा, भरतदेव मुंडा, रामधन मुंडा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संघ के छात्र-छात्रायें मौजूद थे।

मुड़मा मदरसा बागीचा में कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का सम्मेलन

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। मांडर कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का सम्मेलन का आयोजन रविवार को मुड़मा मदरसा बगीचा में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मंजूर अंसारी और कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की उपस्थित हुए। मौके पर मंजूर अंसारी ने कहा कि अल्पसंख्यकों को उनका हक दिलाना प्राथमिकता में शामिल है। आबादी के अनुसार उनका हक दिला कर रहूंगा। आज अल्पसंख्यकों के लिए सरकार द्वारा बहुत सारी योजना चलाई जा रही है, लेकिन जानकारी के अभाव में उनका अधिकार नहीं मिल पा रहा है। झारखंड के सभी जिलों में घूमकर मुसलमानों की समस्याओं को सुन रहे हैं और उसका समाधान भी ढूंढ रहे हैं। वहीं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि अल्पसंख्यकों के विकास के बिना झारखंड का विकास संभव नहीं। उनका हक दिलाया जाएगा। अल्पसंख्यकों के खिलाफ उठनेवाली आवाज को कुचलने का काम किया जायेगा।

कल्याणपुर जितिया मेला महोत्सव का होगा आयोजनः सत्यानंद भोक्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

पिपरवार। कल्याणपुर में ऐतिहासिक तीन दिवसीय जितिया जतरा मेला का आयोजन किया गया । इस तीन दिवसीय जितिया जतरा मेला में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता और विशिष्ट अतिथि सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी सुधीर कुमार दास टंडवा अंचल पदाधिकारी राजेंद्र कुमार दास सीएचपी ध्सीपीपी परियोजना पदाधिकारी धनंजय कुमार अशोका परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार पुलिस निरीक्षक टंडवा पुलिस निरीक्षक रंजीत रोशन शामिल ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता फुलदेव उरांव एवं संचालन निर्मल उरांव ने किया । इस ऐतिहासिक कल्याणपुर जितिया जतरा मेला का उद्घाटन समारोह आयोजित कर किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि झारखंड राज्य के श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर इस तीन दिवसीय जितिया जतरा मेला का उद्घाटन किया गया । राज्य के श्रम मंत्री के पिपरवार स्थित कल्याणपुर मेला परिसर में आगमन के दौरान उपस्थित सैकड़ो महिलाओं द्वारा परंपरागत आदिवासी नृत्य कर स्वागत किया गया ।

जतरा खूंटा की हुई पूजा

जतरा खुटा का गांव के पुजारी पूजा कर कोयलांचल की खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहां की झारखंड प्रदेश का कल्याणपुर में लगने वाला तीन दिवसीय ऐतिहासिक जितिया जतरा मेला को राज्य स्तर पर द्वितीय मुड़मा मेला कहा जाता है इसकी संस्कृति और पूर्वजों द्वारा मनाई जा रही इस ऐतिहासिक मेले को भी इटखोरी महोत्सव के तर्ज पर कल्याणपुर जितिया जतरा मेला महोत्सव के रूप में मनाने के लिए राज्य सरकार से प्रस्ताव पारित कर कल्याणपुर जितिया जतरा मेला महोत्सव कराया जाएगा।

रातू राजकिला में दुर्गोत्सव की तैयारी शुरू, 15 को कलश स्थापना

शेख मुजिबुल

रातू। छोटानागपुर के ऐतिहासिक राजकिला में दुर्गोत्सव की तैयारी जोरशोर से की जा रही है। 15 अक्टूबर को कलश स्थापना के साथ ही नवरात्र की शुरूआत होगी। 20 की शाम षष्ठी, सप्तमी को नवपत्रिका और इसके अगले दिन संधि बलि होगी। 23 को महानवमी व 24 को महादशमी के बाद 4 बजे महाराजा तालाब में देवी की प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। पूजा अनुष्ठान राजपुरोहित भोला शंकर मिश्र, करुणा नाथ मिश्र, अर्जुन विशि व भोला देवघरिया की ओर से किया जायेगा। किले की दुर्गा मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। विद्युत सजावट भी की जा रही है। कारीगर युद्ध स्तर पर काम में लगे हैं। शिल्पकार अशोक और संतोष सूत्रधार मूर्ति बनाने में जुटे हैं। इनकी कलाकृति देखते ही बनती है।

यहां भी पूजी जायेंगी मां भवानी

रातू। झखराटांड़, देवी मंडप, महादेव टंगरा, पालीए कटहल मोड़, पिर्रा, भवानी नगर, आनंदमयी नगर, सुंडिल, आनंद नगर, ओमनगर चटकपुर, छाता टोंगरी, धनई सोसो, छाता टोंगरी, गायत्री नगर व रवि स्टील चौक में पंडाल बना मां शारदे की प्रतिमा स्थापित की जायेगी। दुर्गा पाठ भी किया जायेगा। पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे। मांस, मछली, महुआ शराब की बिक्री और डीजे पर पाबंदी रहेगी।

किला मैदान में लगेगा मेला

किला प्रबंधक दामोदर मिश्र ने बताया कि पूजा को लेकर प्रशासन की ओर से जारी होने वाले दिशा-निर्देश का पालन किया जायेगा। दो दिनी दशहरा मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे। पेयजल व चिकित्सा की व्यवस्था होगी। नियंत्रण कक्ष और गुमसुदा केंद्र भी स्थापित किये जायेंगे। 14 अक्टूबर की शाम 4 बजे किला सभागार में बैठक आयोजित की गयी है। इसमें पूजा और मेले पर चर्चा की जायेगी।

एशियाई खेलों में भारत का नया रिकॉर्ड, जमी धाक

ललित गर्ग

भारतीयों में न तो प्रतिभा कम है, न जुनून और न मेहनत में कोई कमी रहती है। तभी एशियन गेम्स के 72 साल के इतिहास में पहली बार सबसे अधिक पदक जीत कर नया इतिहास गढ़ा है। भारत का इससे पहले किसी एशियन गेम्स में सबसे अधिक मेडल जीतने का रिकॉर्ड साल 2018 का था।

खेलों में ही वह सामर्थ्य है कि वह देश एवं दुनिया के सोये स्वाभिमान को जगा देता है, क्योंकि जब भी कोई अर्जुन धनुष उठाता है, निशाना बांधता है तो करोड़ों के मन में एक संकल्प, एकाग्रता एवं अनूठा करने का भाव जाग उठता है और कई अर्जुन पैदा होते हैं। अनूठा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी माप बन जाते हैं और जो माप बन जाते हैं वे मनुष्य के उत्थान और प्रगति की श्रेष्ठ, सकारात्मक एवं अविस्मरणीय स्थिति है। भारत की अनेकानेक अनूठी एवं विलक्षण उपलब्धियों के बीच चीन के हांगझू में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में भारत एवं उसके खिलाड़ियों ने जिस तरह अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 83 पदक अर्जित कर लिए, वह न केवल भारत के खिलाड़ियों बल्कि हर युवा के मन और माहौल को बदलने का माध्यम बनेगा, ऐसा विश्वास है। शतक पदकों की ओर बढ़ने की गौरवपूर्ण स्थिति से भारत में नयी ऊर्जा का संचार होगा, इससे नया विश्वास, नयी उम्मीद एवं नयी उमंग जागेगी। इसके पहले जकार्ता में आयोजित एशियाई खेलों में भारत को कुल 70 पदक मिले थे।

एशियाड में भारत के ऐतिहासिक, अनूठे एवं अविस्मरणीय प्रदर्शन का जारी रहना सुखद, गर्व एवं गौरव का विषय है। बुधवार को भारत ने एशियाई खेलों में 70 पदक जीतने का अपना पूर्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए पदक-यात्रा को नए कीर्तिमान की ओर अग्रसर किया है। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा किया गया प्रदर्शन खेल-भाल पर लगे अक्षमता के दाग को धो दिया है। हमारे देश में यह विडंबना लंबे समय से बनी है कि दूरदराज के इलाकों में गरीब परिवारों के कई बच्चे अलग-अलग खेलों में अपनी बेहतरीन क्षमताओं के साथ स्थानीय स्तर पर तो किसी तरह उभर गए, लेकिन अवसरों और सुविधाओं के अभाव में उससे आगे नहीं बढ़ सके। लेकिन इसी बीच एशियाड में कई उदाहरण सामने आए, जिनमें जरा मौका हाथ आने पर उनमें से हर खिलाड़ी ने दुनिया से अपना लोहा मनवा लिया। अनेक खिलाड़ी हैं, जिन्होंने बहुत कम वक्त के दौरान अपने दम से यह साबित कर दिया कि अगर वक्त पर प्रतिभाओं की पहचान हो, उन्हें मौका दिया जाए, थोड़ी सुविधा मिल जाए तो वे दुनिया भर में देश का नाम रोशन कर सकते हैं। अब हमारे पास ऐसे अनेक नाम हैं जिन्होंने स्वर्णिम इतिहास रचा है, जबकि पहले ऐसे नामों का अभाव था, कुछ ही नाम थे जिनको दशकों से दोहराकर हम थोड़ा-बहुत संतोष करते रहे हैं, फिर चाहे वह फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह हों या पीटी उषा।

19वें एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने भारत का मस्तक ऊंचा करने वाला प्रदर्शन किया है, जिसका असर भारतीय खेल तंत्र ही नहीं बल्कि आम जनजीवन पर गहरे पड़ने वाला है। पदकों के कीर्तिमान देश के बच्चों और युवाओं में अनूठा करने के संकल्पों को आसमानी ऊंचाई देगा। विशेषतः युवतियों एवं बालिकाओं को हौसला मिलेगा। क्योंकि एशियाई खेलों में लड़कियों का प्रदर्शन बुलन्द रहा, स्वागत योग्य है।

निश्चित ही पदक विजेता महिला खिलाड़ियों की सोच भीड़ से अलग थी और यह सोच एवं कृत जब रंग दिखा रहा थी तो इतिहास बन रहा था। अनेक महिला खिलाड़ी पहली बार दुनिया की नजरों में आई और बन गई हैं हर किसी की आंखों का तारा। अपने प्रदर्शनों एवं खेल प्रतिभा से दुनिया को चौंका दिया है। भारत के गांव-देहात की लड़कियों ने भी चीन के हांगझोउ में झंडे गाड़ दिए हैं। लंबी दौड़, भाला फेंक, तलवारबाजी, टेबल टेनिस इत्यादि ऐसे खेल हैं, जिनमें लड़कियों ने भारत के लिए एक नई शुरूआत की है। स्वर्ण पदक जीतने वाली लड़कियों में वह अनु रानी भी शामिल हैं जो अपने गांव में खेती में गन्ने को भाला बनाकर फेंका करती थीं। उन्हें जब सुविधा मिली तो उन्होंने विश्व स्तर पर कमाल कर दिखाया। बिल्कुल जमीन से उठी अनु रानी और पारूल चौधरी जैसी खिलाड़ियों की वीरगाथा जब लोगों की निगाह में आती है तो पुरुषार्थ के नए लक्ष्य खड़े होते हैं। पारूल चौधरी तो अपने गांव की टूटी-फूटी सड़क पर भी दौड़ा करती थीं, पर जब परिवार ने प्रोत्साहित किया, तब वह एशियाड में 5,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण ले आई।

भारतीयों में न तो प्रतिभा कम है, न जुनून और न मेहनत में कोई कमी रहती है। तभी एशियन गेम्स के 72 साल के इतिहास में पहली बार सबसे अधिक पदक जीत कर नया इतिहास गढ़ा है। भारत का इससे पहले किसी एशियन गेम्स में सबसे अधिक मेडल जीतने का रिकॉर्ड साल 2018 का था। नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता तो इसके बाद पुरुष 4 गुणा 400 मीटर रिले में अनस मोहम्मद याहिया, अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल वी, राजेश रमेश ने गोल्ड जीता। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने तीरंदाजी मिक्स्ड टीम कंपाउंड का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। खेलों में खास करने का यह निर्णायक मोड़ जकार्ता 2018 से आया है। पदकों की जो बढ़त भारत ने हासिल की है, उसे आगे थमने नहीं देना चाहिए। ध्यान रहे, चीन अकेले ही 165 से भी ज्यादा स्वर्ण जीत चुका है। जापान और कोरिया भी कुल 150-150 पदकों के करीब पहुंच गए हैं। मतलब, आगे हमारा रास्ता लंबा है, चुनौतीपूर्ण है, हमें ज्यादा तेज चलना होगा। भले ही भारत पदक तालिका में चीन, जापान और दक्षिण कोरिया से पीछे है लेकिन एशिया में चौथी बड़ी खेल शक्ति के रूप में उभरना भी एक उपलब्धि है। इस उभार का एक प्रमाण यह है कि हांगझू में भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही दिन में 15 पदक जीते। इसी तरह कुछ खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने पहले और दूसरे दोनों स्थानों पर कब्जा किया यानी स्वर्ण के साथ रजत पदक भी जीता।

एशियाड की विजयगाथाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायी है। जिस प्रकार से विभिन्न खेलों में भारतीयों ने प्रदर्शन किया है, उससे भविष्य के लिए खेल-योजना बनाने में मदद मिलेगी। इसमें कोई शक नहीं है कि सीमित संसाधनों और कमजोर खेल-बुनियाद के बावजूद भारतीयों खेलों की तस्वीर बदलने लगी है, खेलों के लिये प्रोत्साहन, सुविधा एवं साधना का अभाव भी दूर हो रहा है। खेलो इंडिया अभियान को पांच वर्ष ही बीते हैं और उसके नतीजे सतह पर दिखने लगे हैं। जाहिर है, खेल विकास की विशेष योजनाओं व प्रयासों को बल मिलने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहे हैं, उन्हें एवं समूचे देश को उम्मीद है कि भारत अब विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में किसी से कम नहीं रहने वाला है। राष्ट्र के खिलाड़ी अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वे शिखर पर पहुंच सकते हैं। विश्व को बौना बना सकते हैं। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकते हैं, भले ही रास्ता कितना ही कांटों भरा हो, अवरोधक हो।

इस बार एशियाड का आयोजन वास्तव में हमारी नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने का सशक्त माध्यम बना है। इस खेलों के महाकुम्भ से निश्चित ही अस्तित्व को पहचानने, दूसरे अस्तित्वों से जुड़ने, विश्वव्यापी पहचान बनाने और अपने अस्तित्व से दुनिया को चौंकाने की भूमिका बनी है। भारतीय खिलाड़ियों ने एक खेल रोशनी को अवतरित किया है। अब खेलों की दुनिया में भारत का नाम सोने की तरह चमकते अक्षरों में दिखेगा। इस बार के एशियाड ने बेहद खेल उम्मीदों पंख दिये हैं। क्योंकि यहां तक पहुंचते-पहुंचते कईयों के घुटने घिस जाते हैं। एक बूंद अमृत पीने के लिए समुद्र पीना पड़ता है। ये देखने में कोरे पदक हैं पर इसकी नींव में लम्बा संघर्ष और दृढ़ संकल्प का मजबूत आधार छिपा है। राष्ट्रीयता की भावना एवं अपने देश के लिये कुछ अनूठा और विलक्षण करने के भाव ने ही एशियाड में भारत की साख को बढ़ाया है। एशियाई खेलों में विजयगाथा लिखने को बेताब खिलाड़ी, विशेषतः देश की बेटियां, अभूतपूर्व सफलता का इतिहास रचकर भारत की दो सौ अस्सी करोड़ आंखों में तैर रहे भारत को अव्वल बनाने के सपने को जीत का हार पहनाया है जो निश्चित ही रोमांचित एवं गौरवान्वित करने वाला है।

19 वें एशिआई खेलों में 100 पदकों का लक्ष्य हासिल कर बढ़ाया देश का गौरव

31. स्क्वैश- भारतीय महिला स्क्वैश टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सेमीफाइनल में उसे हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अनहत सिंह आखिरी मैच में ली के खिलाफ 10-12 से हार गईं। इससे पहले तन्वी खन्ना को हार मिली थी। जोशना चिनप्पा ने दूसरे मैच को जीतकर भारत को बराबरी पर ला दिया था, लेकिन अनहत की हार ने टीम को फाइनल में नहीं पहुंचने दिया।

32. शूटिंग- ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने टीम इवेंट में जीत हासिल करने के बाद 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुष फाइनल में रजत पदक जीता। ऐश्वर्य ने 459.7 अंक हासिल किए।

विचार मंत्र

हम जो ऐसे ही खेलों में कुछ स्पर्धा में अंपायरिंग खराब रही और विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हुई। 100 मीटर बाधा दौड़ में अंपायरों के विवादित फैसले के कारण भारत की खिलाड़ी ज्योति यरार्जी के मनोबल पर पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

33. ट्रैक एंड फील्ड, किरण बालियान (शॉटपुट): किरण बालियान ने शॉटपुट यानी गोला फेंक प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 17.36 मीटर के थ्रो के साथ पदक जीता। यह एथलेटिक्स यानी ट्रैक एंड फील्ड में भारत का पहला पदक है। मेरठ की किरण बालियान ने ट्रैक एंड फील्ड में भारत का खाता खोला।

34. शूटिंग, मिश्रित युगल, 10 मीटर एयर पिस्टलः सरबजोत और दिव्या की जोड़ी ने रजत पदक जीता। फाइनल मैच चीन ने 16-14 के अंतर से मैच अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में शूटिंग में यह भारत के लिए आठवां रजत पदक है।

35. टेनिस, मिश्रित युगल, रोहन बोपन्ना और ऋतुजा भोसले (स्वर्ण): मिश्रित युगल टेनिस में रोहन बोपन्ना और ऋतुजा भोसले ने स्वर्ण पदक जीता है। भारत के लिए 2002 एशियाई खेलों के बाद से इस खेल में स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला जारी है। रोहन बोपन्ना अब दो बार के एशियाई खेल चैंपियन हैं! उन्होंने 2018 में दिविज शरण के साथ पुरुष युगल जीता था।

36. स्क्वैश, पुरुष टीम (स्वर्ण): स्क्वैश में भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 2014 के बाद भारतीय टीम ने पहली बार एशियाई खेलों में यह पदक जीता है। 18 साल के अभय सिंह ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और तीसरा मैच जीत भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले सौरव घोषाल ने मैच में मुहम्मद आसिम खान को हराया था, जबकि महेश मनगांवकर को नासिर इकबाल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

37 और 38. एथलेटिक्स, 10000 मीटर रेस (रजत और कांस्य): पुरुषों के 10000 मीटर रेस में भारत के कार्तिक और गुलवीर ने इतिहास रच दिया है। कार्तिक ने 28:15.38 की टाइमिंग के साथ रजत पदक और गुलवीर ने 28:17.21 की टाइमिंग के साथ कांस्य पदक जीता। एथलेटिक्स यानी ट्रैक एंड फील्ड में हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत ने तीन पदक जीत लिए हैं। इससे पहले शुक्रवार को किरण बालियान ने शॉटपुट में कांस्य पदक जीता था। इन दो पदकों के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 38 हो गई है।

39. गोल्फ, अदिति अशोक (रजत): गोल्फ में महिलाओं की प्रतियोगिता में अदिति अशोक ने रजत पदक अपने नाम किया। वह शुरूआत से स्वर्ण पदक जीतने की दावेदार थीं, लेकिन अंत में उन्होंने बेहद साधारण प्रदर्शन किया और उन्हें रजत से ही संतोष करना पड़ा।

40. शूटिंग, महिला ट्रैप टीम (रजत): महिला ट्रैप टीम ने रजत पदक जीता है। मनीषा कीर, राजेश्वरी कुमारी और प्रीति रजक ने 337 का स्कोर किया। चीन की टीम ने 355 का स्कोर कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

41. शूटिंग, पुरुष टीम (स्वर्ण): पुरुषों की ट्रैप शूटिंग स्पर्धा में किनान चेनाई, जोरावर सिंह और पृथ्वीराज टोंडिमान की टीम ने कुवैत और चीन से काफी आगे रहते हुए 361 का स्कोर किया और स्वर्ण पदक जीता।

42. ट्रैप शूटिंग, पुरुष (कांस्य): पुरुषों की ट्रैप शूटिंग स्पर्धा में किनान चेनाई ने कांस्य पदक जीता है। वह 40 में से 32 शॉट निशाने पर लगाने में सफल रहे।

43. मुक्केबाजी, महिला, निकहत जरीन (कांस्य): मुक्केबाजी में महिलाओं के 50 किलोग्राम भारवर्ग में निकहत जरीन ने कांस्य पदक अपने नाम किया। निकहत विश्व चैंपियन हैं और उनसे स्वर्ण की उम्मीद थी, लेकिन वह सेमीफाइनल में हार गईं।

44. 3000 मीटर स्टीपलचेज, अविनाश साबले (स्वर्ण): पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज प्रतियोगिता में अविनाश साबले ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 8:19:53 मिनट का समय निकाला।

45. गोला फेंक, तजिंदरपाल सिंह तूर (स्वर्ण): तजिंदरपाल सिंह तूर ने भाला फेंक में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। वह लगातार दूसरे एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने में सफल हुए हैं। तजिंदर ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में भी पहला स्थान हासिल किया था।

46. महिला 1500 मीटर दौड़- हरमिलन बैंस (रजत पदक): महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में भारत को हरमिलन बैंस ने रजत पदक दिलाया। वह दूसरे स्थान पर रहीं। बहरीन की विनफ्रेड मुटिले यावी ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

47 और 48. पुरुष 1500 मीटर दौड़- अजय कुमार सरोज (रजत पदक) और जिनसॉन जॉनसन (कांस्य पदक): पुरुषों के 1500 मीटर दौड़ में भारत को दो पदक मिले। अजय कुमार सरोज ने रजत पदक पर कब्जा किया। वहीं, जिनसॉन जॉनसन ने उनसे पीछे रहे और उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। कतर के मोहम्मद अल गरनी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

49. लॉन्ग जंप- मुरली श्रीशंकर (रजत पदक)- मुरली श्रीशंकर ने लॉन्ग जंप में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। श्रीशंकर ने 8.19 मीटर का जंप लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन के बांग जिआनान 8.22 मीटर की जंप के साथ पहले स्थान पर रहे।

50. हेप्टाथेलॉन- (नंदिनी अगासारा, कांस्य पदक)- नंदिनी अगासारा ने 800 मीटर हेप्टाथेलॉन में कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने इस स्पर्धा के फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। उन्होंने 2:15:33 का समय लिया।

51. डिस्कस थ्रो- (सीमा पूनिया, कांस्य पदक)- डिस्कस थ्रो में भारत की सीमा पूनिया ने कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 58.62 मीटर दूर थ्रो फेंककर कांस्य पदक जीता। चीन की बिन फेंग ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं, जियांग झिचाओ ने रजत पर कब्जा किया।

52. 100 मीटर बाधा दौड़- (ज्योति याराजी, रजत पदक)- भारत की एथलीट ज्योति याराजी ने 100 मीटर हर्डल रेस में रजत पदक जीता। वह 12.91 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रही थीं, लेकिन दूसरे पायदान रहने वाली चीन की खिलाड़ी वू यानी को डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। इस तरह याराजी का पदक कांस्य से रजत में बदल गया।

53. बैडमिंटन- (पुरुष टीम, रजत पदक)- भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम स्वर्ण पदक से चूक गई। फाइनल में उसका सामना मजबूत चीन से था। चीन ने फाइनल में भारत को 3-2 से हरा दिया। भारत को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। टीम इंडिया ने इस स्पर्धा में 37 साल बाद कोई पदक जीता है। यह पहली बार है जब भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने एशियाड में रजत जीता है।

54. स्केटिंग, 3000 मीटर, (महिला टीम, कांस्य पदक): संजना भटुला, कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी ने महिलाओं की स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर में कांस्य पदक जीता। उन्होंने अपने रेस 4:34:861 मिनट में पूरी की।

55. स्केटिंग, 3000 मीटर, (पुरुष टीम, कांस्य पदक): भारत के आर्यनपाल घुमन, आनंदकुमार वेलकुमार, सिद्धांत कांबले, विक्रम इंगले 4:10.128 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक जीता। चीनी ताइपे ने स्वर्ण, दक्षिण कोरिया ने रजत पदक जीता।

56. टेबल टेनिस, महिला टीम (कांस्य): अहकिया मुखर्जी और सुतीर्था की जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया है।

एशियाड में हमारे विजेता खिलाड़ियों के खेल और प्रदर्शन

भारत के लिए हांगझोऊ में महिला शूटिंग टीम ने 24 सितंबर को पदक का खाता खोला था और पुरुष शतरंज टीम ने आखिरी पदक जीता। भारत को तीरंदाजी और एथलीट में मिले पदकों ने भारत के 100 पदक पूरे करने में अहम योगदान दिया।

भारतीय दल ने हांगझोऊ में एशियाई खेल 2023 की शुरूआत शानदार अंदाज में की है। पहली बार भारत ने अपना शतक पूरा किया। 2018 एशियाई खेलों में भारतीय दल ने 570 सदस्यीय मजबूत दल से 70 पदक अर्जित करके एशियाड में अपना सबसे ज्यादा पदक का रिकॉर्ड बनाया था।

भारत के लिए अब तक 19वें एशियाई खेलों में इन एथलीट्स ने जीते पदक

1. निशानेबाजी, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीमः मेहुली घोष, रमिता और आशी चौकसे की शूटिंग टीम ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल करने के बाद रजत पदक जीता। उन्होंने 1886 का कुल स्कोर बनाया।

2. रोइंग मेंस डबल्स स्कल्सः अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह की जोड़ी ने लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स में रजत पदक जीता।

3. रोइंग, मेंस पेयरः लेख राम और बाबू लाल यादव की जोड़ी ने तीसरे स्थान पर रही और कांस्य पदक अपने नाम किया।

4. रोइंग, मेंस एटः रोइंग में पदक का सिलसिला जारी रखते हुए भारत ने इस बार पुरुषों की आठ स्पर्धा में एक और रजत पदक जीता।

5. निशानेबाजी, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगतः महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली रमिता जिंदल ने 10 मीटर एयर राइफल वर्ग में व्यक्तिगत स्पर्धा में 230.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

6. निशानेबाजी, पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीमः दिव्यांश सिंह पंवार, रुद्रांक्ष पाटिल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की तिकड़ी ने 2023 एशियाई खेलों में भारत को अपना पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 1893.7 के स्कोर के साथ, उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में एक टीम के लिए मौजूदा विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया।

7. रोइंग, मेंस कॉक्सलेस फोरः जसविंदर सिंह, भीम सिंह, पुनीत और आशीष कुमार की चौकड़ी ने पुरुषों की चार स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य जीता।

8. रोइंग, पुरुष क्वाड्रपल स्कल्सः भारत ने रोइंग में कांस्य पदक जीता। सतनाम, परमिंदर, जाकर और सुखमीत की चौकड़ी फाइनल में 3:6.08 मिनट के समय के साथ तीसरे स्थान पर रही।

9. पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगतः शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, जिन्होंने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में भारत को एशियाई खेलों का पहला स्वर्ण पदक दिलाया था, उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

10. पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीमः आदर्श सिंह, अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू की तिकड़ी ने 1718 के कुल स्कोर के साथ भारत को कांस्य पदक दिलाया।

11. महिला क्रिकेटः भारतीय टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह पहला मौका था, जब भारतीय टीम ने एशियाई खेलों में भाग लिया। पहले प्रयास में ही टीम इंडिया स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही है।

12. नाविक नेहा ठाकुरः 17 वर्षीय नाविक नेहा ठाकुर ने रजत पदक जीता। उन्होंने लड़कियों की डिंगी कछउअ4 स्पर्धा में 11 रेसों में कुल 27 अंकों हासिल किए।

13. नाविक इबाद अलीः इबाद अली ने नौकायन में कांस्य पदक जीता। वह पुरुषों की विंडसर्फर आरएस एक्स स्पर्धा में 52 के नेट स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

14. घुड़सवारी टीमः हृदय छेदा, दिव्यकृति सिंह, अनुष अग्रवाल और सुदीप्ति हजेला की भारतीय मिश्रित टीम ने 209.205 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता।

15. 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल टीम, सिफ्त, मानिनी और आशीः भारतीय शूटिंग टीम ने रजत पदक पर निशाना साधा है। भारत ने 50 मीटर थ्री पोजिशन की टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता है। सिफ्त कौर समरा, आशी चौकसे और मानिनी कौशिक की टीम चीन के जिया सियू, हान जियायु और झांग कियोनग्यू के बाद दूसरे स्थान पर रही। इस बीच सिफ्ट दूसरे स्थान (594-28७) के साथ फाइनल में पहुंची, आशी ने भी छठे स्थान (590-27७) के साथ फाइनल में जगह बनाई। मानिनी (580-28७) के स्कोर के साथ 18वें स्थान पर रहीं।

16. 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा, मनु, ईशा और रिदमः भारतीय शूटिंग टीम ने आज का दूसरा पदक भी दिलाया है। भारत ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया है। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान ने 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है! उन्होंने चीन को तीन अंकों से हराया! भाकर ने राउंड की शुरूआत दो अंकों की बढ़त के साथ की और जैसे-जैसे राउंड आगे बढ़ा, उन्होंने इसे तीन अंकों तक बढ़ा दिया। वह क्वालीफाइंग में भी शीर्ष पर रहीं और व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में 5वें स्थान पर रहीं ईशा सिंह के साथ शूटिंग करेंगी।

17. 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल व्यक्तिगत, सिफ्त कौर (स्वर्ण): शूटिंग में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। सिफ्त कौर ने स्वर्ण अपने नाम किया। सिफ्त कौर समरा ने 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में 10.2 अंक हासिल कर आसानी से स्वर्ण पदक जीत लिया। सिफ्त कौर एशियाई खेल 2023 में एकल प्रतिस्पर्धा में भारत को स्वर्ण दिलाने वाली पहली एथलीट हैं। सिफ्त ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने 469.6 का स्कोर किया जो कि पिछले रिकॉर्ड से 2.6 अधिक है।

18. 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल व्यक्तिगत, आशी चौकसे (कांस्य): 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में सिफ्त जहां पहले स्थान पर रहीं, वहीं इसी प्रतियोगिता में आशी चौकसे ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

19. भारतीय पुरुष स्कीट शूटिंग टीम, अंगद, गुरजोत, अनंतः भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने कांस्य पदक जीता। अंगद बाजवा, गुरजोत सिंह खंगुरा और अनंत जीत सिंह नरुका की तिकड़ी ने कुल मिलाकर 355 अंक बनाए और फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें कांस्य मिला।

20. नौकायन डिंगी कछउअ 7 पुरुष, विष्णु सरवनन (कांस्य): विष्णु सरवनन ने पुरुषों की डिंगी कछउअ 7 में 34 के नेट स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

21. महिला 25 मीटर पिस्टल, ईशा सिंह (रजत): शूटिंग में ईशा सिंह ने रजत पदक पर कब्जा जमाया है। उन्होंने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिता में 34 का स्कोर किया और दूसरे स्थान पर रहीं।

22. शॉटगन स्कीट, पुरुष, अनंतजीत सिंह (रजत): अनंत नाकुरा ने पुरुषों की शॉटगन स्कीट में रजत पदक जीता। अनंत ने 60 प्रयासों में से 58 सही निशाने लगाए।

23. वूशु सांडा, महिला, रोशिबिना देवी (रजत): रोशिबिना देवी ने महिलाओं की 60 किग्रा वूशु सांडा में रजत पदक जीता है।

24. पुरुष, 10 मीटर एयर पिस्टल (स्वर्ण): सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा और शिव नरवाल की पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने चीन को एक अंक से हराया। भारत ने 1734 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

25. घुड़सवारी, व्यक्तिगत ड्रेसेज, (कांस्य): अनुश और उनका घोड़ा एट्रो व्यक्तिगत ड्रेसेज में तीसरे स्थान पर रहे और 73.030 का स्कोर हासिल कर कांस्य पदक जीता।

26. शूटिंग- 10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम इवेंट में भारत ने रजत पदक जीता। भारतीय महिला टीम की खिलाड़ियों ईशा सिंह, पलक और दिव्या ने कमाल कर दिया। तीनों ने देश को एशियाई खेलों के मौजूदा संस्करण का 26वां पदक दिलाया। ईशा सिंह, पलक और दिव्या की टीम 1731-50७ के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। चीन की रैंक्सिंग, ली और नान की जोड़ी ने स्वर्ण पर कब्जा किया।

27. शूटिंग- ऐश्वर्य प्रताप सिंह, स्वप्निल और अखिल की तिकड़ी ने कमाल कर दिया। तीनों ने मिलकर 50 मीटर राइफल 3 पॉजिशन पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। तीनों मिलकर 1769 का स्कोर किया। चीन के लिंशू, हाओ और जिया मिंग की जोड़ी को रजत पदक मिला। वहीं, कोरिया के खिलाड़ियों ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

28. टेनिस- टेनिस के पुरुष युगल स्पर्धा में भारत को एक रजत पदक मिला है। साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन की जोड़ी फाइनल में हार गई। दोनों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। साकेत और रामकुमार को चीनी ताइपे के जेसन और यू-हसिउ ने मिलकर सीधे सेटों में हरा दिया।

29 और 30. शूटिंग- महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पलक ने स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया। वहीं, ईशा सिंह ने रजत पदक पर कब्जा किया। पाकिस्तान की किश्माला तलत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पलक ने 242.1 और ईशान ने 239.7 का स्कोर किया। वहीं, किश्माला ने 218.2 का स्कोर किया।

स्पीड न्यूज

बाइक सवार तीन युवकों को अज्ञात बोलेरो ने मारी टक्कर

महुआडांड़। महुआडांड थाना क्षेत्र अंतर्गत बांसकरचा गांव निवासी सतीश तिर्की (17) पिता बिमल तिर्की एवं ललित कुजूर (18) पिता स्व. जवाकिम कुजूर और लूरगुमी खुर्द गांव के युवक अमजित जोनी लकड़ा (25) पिता फ्रांसिस लकड़ा रविवार शाम लगभग छह बजे बांसकरचा मोड़ रोड कंट्रक्शन प्लांट के स्थित मोड में मोटरसाइकिल दुर्घटना मे घायल हो गया है। ललित कुजूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, इन तीनो घायलो का प्रथामिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड में डा. अमित खलखो द्वारा कर बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर किया गया। इस घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया, एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीनो महुआडांड़ की ओर जा रहे थे, विपरीत दिशा से आ रही एक अज्ञात बोलेरो के द्वारा टक्कर मारा गया और टक्कर मारने के बाद बोलेरो गाड़ी फरार हो गई। ग्रामीणों की मदद से तीनों घायल युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

सेरक व चकला में वन अधिकार समिति का हुआ गठन

चंदवा। सरकार के प्रधान सचिव अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग झारखंड रांची के पत्रांक 2150 के आलोक में बाबा वीर दिशोम अभियान 2023 (वन अधिकार अधिनियम 2023) के क्रियान्वयन तथा वन अधिकार समिति (एफआरए) गठन को लेकर चंदवा प्रखण्ड के सेरक व चकला में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। सेरक पंचायत में पर्यवेक्षक संख्यायिक पदाधिकारी शिशिर बारला, ग्राम प्रधान जगलाल उरांव, मुखिया अनिता भगत, राजस्व कर्मचारी अमित तिर्की की मौजूदगी में वन अधिकर समिति गठित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से बाबूलाल उरांव को अध्यक्ष व धनलाल उरांव को सचिव चुना गया। इसके अलावे मुनिया परहिन, मुनिया देवी, अल्पन यादव, सुकलदेव उरांव, जगेश्वर उरांव, जग सहाय उरांव समेत 12 लोगों को सदस्य बनाया गया।

सामूहिक दुष्कर्म के तीन दोषियों को उम्रकैद एवं जुर्माना

लातेहार। पोक्सो की विशेष अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अमित कुमार की अदालत ने किशोरी की सामूहिक बलात्कार के तीन आरोपियों को टील नेचुरल लाइफ उम्र कैद की सजा एवं 25-25 हजार रुपए जुमार्ना की सजा मुकर्रर किया है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने जेल में बंद तीनों आरोपियों को विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत कराया और उन्हें फैसला सुनाया। पोक्सो अदालत के विशेष लोक अभियोजक अशोक कुमार दास ने बताया कि चंदवा थाना कांड संख्या 110/20 के तीन आरोपियों बालकिशोर उरांव, मोहनदेव उरांव एवं मनीष महतो ने चंदवा की एक 15 वर्षीय पीड़िता को उस समय रास्ते से रोक कर सामूहिक बलात्कार किया था जब वह कुछ सामान खरीदने दुकान में जा रही थी। तीनों आरोपियों ने उसे रास्ते से पकड़ कर बारी-बारी से बलात्कार किया था। इस मामले में भादवि की धारा 376 डी एवं 4/6/8 पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में कुल 9 गवाहों को पेश किया गया।

महिला से 45 हजार रूपये की ठगी, मामला दर्ज

चंदवा। चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनहरदी पंचायत अंतर्गत डड़ैया गांव की महिला कांति देवी से साइबर ठगो के द्वारा सुखाड़ राहत के नाम पर 45 हजार रूपये ठगी करने का मामला सामने आया है। भुक्तभोगी कांति देवी पति दशरथ सिंह ने रविवार को चंदवा थाना में आवेदन देकर मोबाइल फोन के जरिए धोखाधड़ी कर 45000 रूपये ठगी करने का मामला दर्ज कराया है। उक्त महिला के आवेदन पर चंदवा पुलिस ने कांड संख्या 201/23 के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि शनिवार 7 अक्टूबर को पूर्वाहन 11:00 बजे मोबाइल नंबर 9123371370 से मेरे मोबाइल नंबर 6203848006 पर कॉल आया कि क्या आपने सुखाड़ राहत फॉर्म भरा है। मेरे द्वारा जब यह कहा गया कि हां भरे हैं तब उसने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाड योजना के तहत आपको एक ट्रैक्टर एक पानी पटाने का मशीन और 125000(एक लाख पच्चीस हजार) रुपये नगद दिया जाएगा। इसके लिए आपको 45000 रुपया मेरे बताए हुए बैंक अकाउंट्स नंबर पर भेजना होगा। इसके बाद हमने हुचलु समेत विभिन्न सीएसपी केंद्रों से 45000 रुपए जमा कराया। इसके बाद फिर 6201003175 से भी फोन आया कि और पैसा जमा करना पड़ेगा।

अपहृत नाबालिग के अपहरण के 30 घंटे बाद भी सुराग नहीं

आक्रोशित लोगों ने बालूमाथ में 24 घंटे में चार बार सड़क जाम

खबर मन्त्र संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ पुराना कस्तूरबा विद्यालय के समीप से शनिवार को 15 वर्षीय रेश्मा प्रवीण काल्पनिक नाम नाबालिक युवती का अपहरण के 30 घंटे बाद भी सुराग नहीं मिला। जिससे युवती के परिजनों एवं उसके समर्थकों द्वारा बालूमाथ को चार बार सड़क जाम किया। जिससे पूरा बालूमाथ एवं आने जाने वाले राहगीरों में को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बालूमाथ पुलिस शक के आधार पर लगभग 18-20 लड़के को बालूमाथ थाना में लाकर पूछताछ कर रही है।

लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इधर लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने इस मामला के उद्वेदन को लेकर एक एसआईटी का गठन बालूमाथ के प्रभारी डीएसपी दिलु लोहरा के नेतृत्व में गठन की है। परिजनों ने शनिवार को पहला सड़क जाम 3:30 से 4:30 तक किया, फिर दूसरा सड़क जाम 5:30 से 6:30 बजे तक तीसरा शनिवार की रात्रि 10:00 से 2:00 बजे रात तक रहा जबकि चौथा सड़क जाम रविवार को दोपहर 3:00 बजे से समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम था। जिससे वाहनों की सड़क के दोनों ओर लंबी कतार लग गई। इधर जाम कर रहा कर रहे लोगों में से मो० फैसल ने कहा कि प्रशासन खिलवाड़ कर रहा है 28 घंटा बीत जाने के बाद भी अभी तक लड़की को बरामद नहीं किया गया है। इसीलिए हम लोग सड़क जाम किया। मो०जुगनू ने कहा कि प्रशासन द्वारा कुछ संदिग्ध लोगों को लाकर पूछताछ कर रही है। लेकिन हम लोगों को कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे रहा है इसलिए हम लोग सड़क जाम किया।

सड़क जाम करते आक्रोशित लोग।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल पहुंचे महुआडांड़, जोरदार स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

महुआडांड। अपने संकल्प यात्रा के दौरान झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने महुआडांड़ प्रखण्ड का दौरा किया। महुआडांड पहुंचने पर बिरसा मुंडा चौक में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबुलाल मरांडी जिंदाबाद, भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद,भारत माता की जय आदि नारा लगाते हुए बाबुलाल मरांडी का जोरदार स्वागत करते हुए फूल माला पहनाकर कर व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। जिसके बाद श्री मरांडी के द्वारा बिरसा मुंडा चौक पर बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर तथा मुख्य बाजार स्थित शास्त्री चौक पर शास्त्री जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तदुपरांत श्री बाबूलाल मरांडी महुआडांड भाजपा मंडल कार्यालय पहुँचे। वंहा भाजपा कार्यकताओं के द्वारा फुल माला पहनाकर कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वंहा श्री मरांडी ने भाजपा कार्यकताओं से विचार विमर्श कर नेतरहाट के लिए रवाना हो गए। इस दौरान भाजपा नेता शंभु प्रसाद, भानू प्रसाद, भुवनेश्वर सिंह, सुचीत प्रसाद, संजय जायसवाल, आनन्द किशोर नाथ शाह, यमुना प्रसाद, बिजय जायसवाल, मोहन यादव, दिलिप प्रसाद, प्रशान्त सिंह, दीपेन्द्र नाथ शाह समेत भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

मरांडी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

बरवाडीह सांसद प्रतिनिधि ने पूर्व सीएम और पलामू सांसद को सौंपा मांगपत्र

मांगपत्र सौंपने के दौरान विवेक सिंह।

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। सांसद प्रतिनिधि विवेक सिंह ने बरवाडीह प्रखण्ड के मंगरा रेलवे स्टेशन के समीप अंडर पास निर्माण हेतु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य के पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के साथ-साथ पलामू संसदीय क्षेत्र के सांसद बीडी राम को मांगपत्र सौंपा हैं। बता दें कि बाबूलाल मरांडी मनिका विधानसभा क्षेत्र के बरवाडीह में जन संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। अपने दौरे के दौरान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत वह बेतला गेस्ट हाउस में रुके थे। जहां उनसे मुलाकात करने पलामू सांसद बीडी राम के साथ-साथ भाजपा के कई दिग्गज नेता और बरवाडीह मंडल के कार्यकर्ता पहुंचे थे। इसी क्रम में बरवाडीह सांसद प्रतिनिधि विवेक सिंह ने दोनों नेताओं से मुलाकात करते हुए मांग पत्र सौंपने का काम किया। दिए गए मांगपत्र में उन्होंने बताया है कि मंगरा के समीप रेलवे थर्ड लाइन को पार करने में दो दर्जन से अधिक गांव के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यहां से पलामू जिले के खपिया, बांसडीह व पीढे समेत लातेहार जिला के दो दर्जन से अधिक गांव के लोगों को अपनी जान-जोखिम में डालकर रेलवे ट्रेक पार करना पड़ता है। किसी की तबीयत खराब होने, स्कूली छात्र - छात्राओं और आम नागरिकों को बहुत तरह की कठिनाई हो रही है। रेलवे लाइन पार करने के दौरान अभी तक डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों की मृत्यु तक हो चुकी है। उन्होंने जनहित की समस्या से दोनों दिग्गज नेताओं को रूबरू कराते हुए जल्द से जल्द मंगरा रेलवे स्टेशन के समीप अंडर पास का निर्माण कराने की मांग की हैं।

जतरा मेला का आयोजन

जतरा मेला में उमड़ी भीड़।

खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार। मुख्यालय से सटे फायरिंग रेंज ललमटिया के पास स्थित मैदान में रविवार को जिउतिया परब के उपलक्ष में जतरा मेला का आयोजन किया गया। जतरा मेला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि सरना समिति के अध्यक्ष देवचरण उरांव, कमलेश उरांव, टेपा उरांव, पाड़ों देवी, कलावती देवी, समेत कई यूतियां के द्वारा सरना पूजा कर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर लोगो को संबोधित करते हुए सरना समिति के अध्यक्ष ने कहा कि जतरा झारखंड की सांस्कृतिक विरासत से हमे रु-ब-रु कराती है।

फांसी पर लटके युवक का शव बरामद

खबर मन्त्र संवाददाता

बारियातू। थाना क्षेत्र के फूलसु ग्राम निवासी जयदीप सिंह के पुत्र बिट्टू सिंह उम्र लगभग (22) का पेंड़ मे फांसीलगाकर लटके शव को टोंगरीटांड जंगल से पुलिस ने बरामद की है। बताया जाता है की बिट्टू कोलयरी मे लिफ्टिंग का काम करता था। प्रतिदिन अपने घर फूलसु सेअपने बाईक से आना-जाना किया करता था। शनिवार को फूलसु के पास ही क्रिकेट खेल मैदान कई दोस्तों से बात करते देखा गया. युवक रात्रि मे जब घर वापस नहीं आया तो परिजन काफी खोजबिन करने लगे। मोबाइल मे परिजनों द्वारा फोन किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं की गई.

मृतक बिट्टू का फाईल फोटो

लोकेशन से पता चला की फूलसु से मात्र एक किमी दुरी पर मोबाइल मे फोन लगी थी, ग्रामीण ने चारो ओर खोजबीन करने लगे तो फूलसु से सटे एक किमी दूर स्थित टोंगरीटांड जंगल मे एक बरगद पेंड़ से लटकते हुए शव को देखा गया। वहीं बाईक पड़ा हुआ था. चपल खोलकर पेंड़ मे चढ़ने जैसा प्रतीत हो रहा था।

शव को देखते ही इसकी जानकारी बारियातू पुलिस को दी गई. घटना के सूचना मिलते ही बारियातू पुलिस सदलबल के साथ घटना स्थल पर पहुँच कर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया है। इधर परिजनों का कहना है की आत्म हत्या नहीं हत्या है। पुलिस हर पहलु पर गहनता से जाँच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हो पायेगा की हत्या या आत्म हत्या है। अचनाक इस तरह के घटी घटना के बाद परिजनों सहित आसपास मे मातम पसरा हुआ है।

अघोषित बिजली कटौती से उपभोक्ताओं और व्यवसायियों में आक्रोश

बरवाडीह। बरवाडीह में विद्युत विभाग की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को बिना पूर्व सूचना दिए पूरे बरवाडीह प्रखण्ड क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति छह घंटे से अधिक समय तक पूर्ण रूप से ठप कर दी गई। भीषण गर्मी के लोग हताश और परेशान रहे। वहीं सबसे ज्यादा परेशानी दुकानदारों को उठानी पड़ी। विद्युत से चलने वाले कई व्यवसाय पूरे दिन बंद रहे। बरवाडीह प्रखण्ड क्षेत्र के सभी फीडर में सुबह दस बजे से विद्युत आपूर्ति बंद रही जो पांच बजे के बाद बहाल हुई। विद्युत उपभोक्ताओं ने बताया कि विभाग के सहायक अभियंता हमलोगों का फोन उठाना जरूरी नहीं समझते है और न ही विद्युत कटौती की सूचना ही उपलब्ध करा पाते है। जिस समय उपभोक्ताओं को बिजली की ज्यादा जरूरत होती है।

सरकार आज के बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजे की राशि हमें मुहैया कराये : सुरेंद्र

बैठक में उपस्थित लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

मनिका। मनिका प्रखंड मुख्यालय स्थित सिंजो पंचायत सचिवालय में फोर लाइन सड़क निर्माण से प्रभावित रैयतों के साथ अधिग्रहित किए जा रहे भूमि के मुआवजा का नोटिस प्राप्त करने को लेकर भू अर्जन संघर्ष समिति मनिका के अध्यक्ष सुरेंद्र पासवान की अध्यक्षता में दिन रविवार को एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। वहीं बैठक की जानकारी देते हुए श्री पासवान ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र से होते हुए फोर लाइन सड़क का निर्माण किया जा रहा है जिसमें अधिग्रहित भूमि के मुआवजा के लिए 13 अक्टूबर को रैयतों को नोटिस दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम लोग एकजुट रहकर सड़क निर्माण से प्रभावित रैयतों के समस्याओं में कैसे मदद करें और उन्हें मुआवजे की राशि कैसे प्राप्त हो सकेगा आज इस विषय पर विशेष चर्चा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के नौ गांव से होकर फोर लाइन सड़क का निर्माण हो रहा है जिसमें सरकार के द्वारा दूंदू गांव का मुआवजे की राशि 1105 रुपए प्रति डिसमिल,जमुना 1158 रुपए,नतबेलवा 1205 रुपए,लाली 1268 रुपए,औराटांड़ 2097 रुपए, सिंजो 24373 रुपए, मनिका 30647 रुपए, एजामाड़ 2289 रुपए और नामुदाग 6841 रुपए निर्धारित की गई है जो बहुत ही कम है।

पीड़ित परिवार को दी गयी सहायता राशि एवं राशन

सहायता प्रदान करते मुखिया व अन्य।

सरयू। नवनिर्मित सरयू प्रखण्ड के गणेशपुर पंचायत अंतर्गत दोरहा टोला निवासी सुरेन्द्र कोरवा बुधवार को गारू सप्ताहिक बाजार से अपने घर आने के क्रम में कार्रवाई के कोयल नदी पार करने के दौरान बाढ़ के तेज बहाव में बह गया है, जिसका पता अभी तक नहीं चल सका है। यह मामला प्रकाश में आने के बाद प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी अनूज सोरेन एवं मुखिया के द्वारा सुखा राशन मुहैया कराया गया। वही उपप्रमुख सुनिल उरांव एवं मुखिया राजेश सिंह के द्वारा पिड़ित परीवार के घर जाकर सुखा राशन एवं सहायता राशि दिया गया। साथ ही उन्होने परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए एवं घर का हालात को देखते हुए मुखिया ने कहा कि पिड़ित परिवार को अम्बेदकर आवास एवं 8 वर्षिय पुजा कुमारी का नामांकन बेहतर स्कूल में कराने की बात कहा गया।

ग्लोबल कीर्तन दिवस पर बाबा नाम केवलम कीर्तन, नारायण भोज व वस्त्र दान का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। आनंद मार्ग प्रचारक संघ सेवा धर्म मिशन के तत्वाधान में आनंद मार्गियों के द्वारा रविवार 8 अक्टूबर को ग्लोबल कीर्तन दिवस धूमधाम के साथ मनाया। 8 अक्टूबर 1970 के दिन हीं श्री श्री आनंदमूर्ति ने अमझरिया स्थित डाक बंगला में सिद्ध अष्टाक्षरी बाबा नाम केवलम महामंत्र को सिद्ध किया था। इसके बाद से प्रत्येक वर्ष आज के दिन को ग्लोबल कीर्तन दिवस के रूप में आनंद मार्गियों के द्वारा मनाया जाता आ रहा है। इसी के तहत रविवार को आनंद मार्गियों के द्वारा बाबा नाम केवलम कीर्तन के साथ-साथ नर सेवा नारायण सेवा के तहत नारायण भोज, वस्त्र दान समेत कई कार्यक्रम आयोजित किये। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल कीर्तन ने 300 जरूरतमंदों के बीच साड़ी एवं धोती वितरित किया। इसके पूर्व सुबह अमझरीय के सुदूर गांव में घूम घूम कर 'बाबा नाम केवलम' कीर्तन करते हुए प्रभात फेरी निकली गयी। कार्यक्रम में चंदवा समेत दूरदराज से आनंदमार्गी साधक बड़ी संख्या में अमझरिया पहुंचे। आचार्य सत्याश्रयानन्द अवधूत ने कहा ईश्वर की प्राप्ति के सुगम साधन कीर्तन है। कीर्तन, भक्ति और ध्यान का अद्वितीय माध्यम है।

गरीबों के बीच वस्त्र वितरण करते आनंदमार्गी।

मनिका थाना क्षेत्र के औरंगा नदी में डूबने से लापता हुई बच्ची का शव बरामद

दो बच्चियों की मौत से गांव में मातम का माहौल, परिजनों का रो-रो कर हाल खराब

मृतक बच्ची का शव व रोते बिलखते परिजन।

खबर मन्त्र संवाददाता

मनिका। मनिका थाना क्षेत्र स्थित भटको गांव से होकर गुजरने वाली औरंगा नदी में नहाने के दौरान नदी में डूबी दूसरी बच्ची चांदनी कुमारी का शव दिन रविवार को बरामद कर लिया गया है। गांव में दो बच्चियों की मौत से पूरा मातम का माहौल बन गया है वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ज्ञात हो कि दिन शनिवार को चांदनी कुमारी समेत 6 लड़कियां औरंगा नदी में नहाने के दौरान डूब गई थी जिन में से चार बच्चों को ग्रामीणों ने बचा लिया था लेकिन एक बच्ची पूर्णिमा कुमारी की मौत शनिवार को ही हो गई थी। वहीं चांदनी कुमारी लापता थी सभी बच्चियां अपने गांव के पास से गुजरने वाली औरंगा नदी में नहाने गए थे नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने के कारण सभी बच्चियां नदी में डूब रही थी वहीं गांव के कुछ लोगों ने बच्चियों को नदी में डूबता देख तत्परता दिखाते हुए नदी में दौड़कर चार बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया था जबकि पूर्णिया कुमारी की मौत पानी में डूबने से हो गई थी वहीं चांदनी कुमारी लापता हो थी। बच्ची के परिजन एवं ग्रामीण शनिवार देर रात तक बच्ची की काफी खोजबीन किए लेकिन उसका पता नहीं चल पा रहा था वहीं दिन रविवार को सुबह से ही ग्रामीण नदी के आसपास और दूसरे गांव के आसपास भी बच्ची का खोज कर रहे थे इसी दौरान लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर चांदनी कुमारी का शव बरामद हुआ। वहीं बच्ची का शव मिलने की जानकारी मनिका पुलिस को भी दे दिया गया था। इधर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मृतक बच्चियों के परिजनों को आपदा प्रबंधन के तहत सहायता उपलब्ध करवाने का मांग किया है।

विधि व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर प्रशासन ने की पूजा समिति के साथ बैठक

बैठक में निर्देश देते इंस्पेक्टर व मौजूद समिति के लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। आगामी दुर्गा पूजा त्योहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बबलू कुमार ने रविवार को प्रखंड के पूजा समितियां के पदधारियों के साथ आवश्यक बैठक की। बैठक में इंस्पेक्टर बबलू कुमार ने दुर्गा पूजा कार्यक्रम को प्रशासन व पूजा समिति के बीच समन्वय में स्थापित कर सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करने पर बल दिया। बैठक में सितमोहम मुंडा, आशीष सिंह, रमेश प्रसाद, सुबोध जायसवाल, इंदुभुषण पाठक, अनुज साव,संजय दुबे, गोकुल शाही, सत्येंद्र प्रसाद, पांडेय भुइयां, सरदार सिंह, मनोज कुमार, मयंक कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

आस्ट्रेलिया को रौंद कर वर्ल्ड कप में भारत की शानदार शुरुआत

कोहली और राहुल की धमाकेदार पारी से भारत 6 विकेट से जीता

एजेंसी

चेन्नई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए विश्व कप 2023 के पांचवे मैच में इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को जीत के लिए 200 रन का लक्ष्य दिया था। भारत ने 4 विकेट पर 41.2 ओवर में 201 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। विजयी छक्का केएल राहुल ने जड़ा। बेहतरीन पारी पारी खेलने के चलते केएल राहुल को प्लेयर ऑफ दी मैच से नवाजा गया। तीन झटका लगने के बाद कोहली और राहुल ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी निभाई और भारत को जीत तक पहुंचाया। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन यह गलत साबित हुआ। गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 49.3 ओवर में 199 रनों पर समेट दिया। भारत

ने पूरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को बांधे रखा। ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेविड वॉर्नर और स्टीवन स्मिथ ही 40 के आंकड़े को पार कर सके, लेकिन दोनों बल्लेबाज अर्धशतक से चूक गये। डेविड वॉर्नर ने 41 रन और स्टीव स्मिथ ने 46 रन बनेये। इनके अलावा मार्नस लाबुशेन ने 27 और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 28 रनों की पारी खेली। भारत की ओर से रविंद्र जडेजा ने 10 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किये। वहीं जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव को 2-2 विकेट मिला। टीम इंडिया 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में लड़खड़ा गयी और 2 रन के स्करो पर 3 विकेट गंवा बैठी। कप्तान रोहित शर्मा के साथ-साथ इशन किशन और श्रेयस अय्यर बिना कोई रन बनाये ही चलते बने। इसके बाद विराट कोहली और केएल राहुल ने भारत को जीत की अपने दम पर जीत दिलायी। विराट कोहली 85 रन बनाकर आउट हो गये लेकिन इसके बाद केएल राहुल ने 97 और हार्दिक पांड्या ने 11 रन बनाकर टीम इंडिया को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने सबसे ज्यादा 3 विकेट हासिल किए तो वहीं, 1 विकेट मिचेल स्टार्क को मिला।

कोहली ने पकड़ा मिचेल मार्श का अद्भुत कैच

बनाया कैच का शानदार रिकॉर्ड

एजेंसी

चेन्नई । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चेन्नई में खेले जा रहे क्रिकेट विश्व कप के मैच में भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने एक हैरतअंगैज कैच पकड़कर सभी को चौंका दिया। कोहली का यह कैच देखकर आप भी दांतों तले उंगली दबा लेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चेपॉक स्टेडियम में क्रिकेट विश्व कप 2023 के 5वें मैच में स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने यह हैरतअंगेज कैच लपका। भारत के स्टार बल्लेबाज और मैदान पर अपनी शानदार फील्डिंग के लिए जाने जाने वाले विराट कोहली ने मैच के शुरू होते ही मार्श का हैरतअंगैज कैच पकड़कर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया।

विराट ने बनाया कैच का रिकॉर्ड : हर एक मैच में एक नया कीर्तिमान बनाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श का शानदार कैच पकड़ते ही एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. वनडे विश्व कप में कोहली का यह 15वां कैच था और वो वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए.

विराट ने पकड़ा हैरतअंगैज कैच : ऑस्ट्रेलिया की पारी का तीसरा ओवर फेंकने के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुहराह को गेंद थमाई. बुमराह के ओवर की दूसरी गेंद पर स्लिप पर खड़े विराट कोहली ने एक शानदार कैच पकड़कर मार्श की पारी को शून्य रन के स्कोर पर समाप्त कर दिया. बुमराह की ऑफ स्टंप से बाहर की ओर निकलती इस शॉर्ट-लेंथ गेंद पर मार्श गच्चा खा गए और गेंद बल्ले का किनारा लेते हुए सीधे कोहली के हाथों में चली गई।

लखनऊ पहुंचे अफ्रीकी खिलाड़ी 12 को ऑस्ट्रेलिया से आमना-सामना

खबर मन्त्र संवाददाता

लखनऊ। साल 1975 में पहली बार क्रिकेट के विश्वकप की शुरूआत हुई। विश्वकप के 48 साल के इतिहास में पहली बार लखनऊ के दर्शक अपने शहर में मैच देखने को आनंद उठा सकेंगे। इकाना में 12 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे वर्ल्डकप मैच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला साउथ अफ्रीका से होगा। साउथ अफ्रीका की टीम रविवार दोपहर लखनऊ पहुंची। ऑस्ट्रेलिया की टीम 9 अक्टूबर को राजधानी पहुंचेगी। सोमवार से प्रैक्टिस होगा। विश्वकप के इतिहास में सर्वाधिक 428 रन बनाने और श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करने के बाद अफ्रीका की टीम का जोश हाई है। अब यह देखना होगा कि इकाना में भी दिल्ली की तरह रन बरसते हैं या खिलाड़ी पहले की तरह रन के लिए संघर्ष करते नजर आएंगे। इकाना स्टेडियम मैच के लिए पूरी तरह से तैयार है। स्टेडियम में इस बार वर्ल्डकप के 5 मैच खेले जाएंगे। इसमें इंडिया के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका, अफ्रीका, अफगानिस्तान और नीदरलैंड जैसी टीम अपना मैच खेलेगी। भारत में चौथी बार विश्वकप का आयोजन हो रहा है। इससे पहले 1987, 1996 और 2011 में वर्ल्डकप का आयोजन हो चुका है। 2011

में भारत ने श्रीलंका को हराकर वर्ल्डकप जीता है। इस बार भी भारत को वर्ल्डकप का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। खिलाड़ियों को होटल से स्टेडियम तक लाने और ले जाने के लिए बसें तैयार हैं। शनिवार को पूरे दिन उन्हें डेकोरेट करने का काम चला। इसमें वर्ल्डकप से जुड़े लोगों की ड्यूटी लगाई गई थी। दोनों टीम के लिए अलग-अलग बसें रखी गई हैं। इसके अलावा पूरे स्टेडियम को होर्डिंग से सजाया गया है। लखनऊ में इस बार बड़े स्कोर की उम्मीद की जा रही है। दरअसल, क्ढछ के दौरान यहां कई मैच काफी लो स्कोरिंग रहे थे। उसके अलावा उससे पहले हुए भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी - 20 अंतरराष्ट्रीय मैच में काफी लो स्कोरिंग रहा था।

जापान में फिर मिलेंगे के आह्वान के साथ हांगझोउ एशियाई खेल संपन्न

श्रीजेश ने थामा भारतीय ध्वज

एजेंसी

हांगझोउ । चीन में आयोजित 19वें एशियाई खेलों का रविवार शाम शानदार रंगारंग समारोह के साथ समापन हो गया। भारत के हॉकी स्टार पीआर श्रीजेश भारत की ओर से ध्वजवाहक बने। खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों और चीन की सांस्कृतिक विरासत के जश्न को दर्शाते हुए रंगारंग और तकनीकी रूप से मंत्रमुग्ध कर देने वाले कार्यक्रम के साथ एशियाई खेलों का पटाक्षेप हुआ। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के कार्यवाहक प्रमुख रणधीर सिंह ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एशियाई खेलों के 19वें सत्र के समापन की घोषणा की। साथ ही 20वें एशियाई खेलों का जश्न मनाने के लिए तीन साल में आइची-नागोया (जापान) में इकट्ठा

होने का आह्वान करता हूं। समापन समारोह में 1951 में नयी दिल्ली में पहले एशियाई खेलों की मशाल और ध्वज के साथ-साथ ओसीए ध्वज को 2026 सत्र के मेजबान शहर जापान के आइची-नागोया के गवर्नर को सौंप दिया गया।

देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों के शामिल होने से पहले सभी देशों के ध्वजवाहक मैदान में पहुंचे। पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश भारतीय ध्वजवाहक थे। परेड में लगभग 100 भारतीय एथलीट और अधिकारी शामिल थे। लगभग 80,000 दर्शकों की क्षमता वाले 'बिग लोटस' स्टेडियम में प्रकाश, ध्वनि और लेजर के 75 मिनट के कार्यक्रम के दौरान उत्सव का माहौल था। कार्यक्रम में इन खेलों में भाग लेने वाले 45 देशों के एथलीटों ने दो सप्ताह से अधिक समय तक प्रतिस्पर्धा करने के बाद विदाई ली। समापन समारोह में खेल और संस्कृति के मिश्रण का उत्सव दिखा। ओसीए के कार्यवाहक प्रमुख रणधीर सिंह ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कहा, 'मैं 19वें हांग्झोउ एशियाई खेलों के समापन की घोषणा करता हूं और परंपरा के अनुसार एशिया के युवाओं से ओलंपिक परिषद के आदर्शों के अनुरूप 20वें एशियाई खेलों का जश्न मनाने के लिए तीन साल में आइची-नागोया (जापान) में इकट्ठा होने का आह्वान करता हूं। भारत 107 पदकों (28 स्वर्ण, 38 रजत, 41 कांस्य) के रिकॉर्ड के साथ चौथे स्थान पर रहा। इन खेलों के दौरान तेरह विश्व रिकॉर्ड, 26 एशियाई रिकॉर्ड और 97 खेलों के रिकॉर्ड टूटे।

आइसीसी ने श्रीलंका पर ठोका जुर्माना

नयी दिल्ली। वर्ल्ड कप 2023 में 7 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच चौथा मुकाबला खेला गया। इस मैच में धीमी ओवर गति के कारण आईसीसी ने श्रीलंका पर मैच फीस से 10 प्रतिशत की कटौती के साथ जुमार्ना लगाया गया है। बता दें कि यह जुमार्ना खिलाड़ियों और टीम स्टाफ सपोर्ट पर भी आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार लगाया गया है। इसके तहत प्रत्येक ओवर के लिए जो टीम निर्धारित समय के भीतर गेंदबाजी करने में विफल रहती है, खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का 5 प्रतिशत जुमार्ना लगाया जाता है। दासुन शानका ने अपराध स्वीकार कर लिया और औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता को नकारते हुए प्रस्तावित दंड पर सहमति व्यक्त की। यह आरोप मैदानी अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और शाहिद सैकत द्वारा लगाया गया, जिसमें तीसरे अंपायर माइकल गफ और चौथे अंपायर एलेक्स व्हार्फ का सहयोग रहा।

10 चौके और 13 छक्के... 29 गेंदों में ठोका शतक

21 साल के बैटर ने चकनाचूर किया एबी डिविलियर्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी

नयी दिल्ली। 21 साल के युवा बल्लेबाज ने एबी डिविलियर्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड चकनाचूर कर डाला है। जेक फ्रेजर ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 29 गेंदों पर सेंचुरी ठोकी। अपनी इस तूफानी पारी के दौरान युवा बैटर ने 10 चौके और 13 गगनचुंबी छक्के लगाए। यानी फ्रेजर ने 118 रन सिर्फ चौके-छक्कों से बटोरे। फ्रेजर ने डिविलियर्स के सबसे तेज सेंचुरी लगाने के आठ साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। लिस्ट-ए टूर्नामेंट मार्श कप में खेलते हुए जेक फ्रेजर ने तस्मानिया के खिलाफ महज 29 गेंदों पर सेंचुरी जमाई। फ्रेजर ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों पर अर्धशतक जमाया। इसके

बाद 21 साल के युवा बल्लेबाज ने अपना विकराल रूप धारण किया और अगली 11 गेंदों पर पचास कर बटोरते हुए शतक ठोक डाला। फ्रेजर ने एबी डिविलियर्स के वनडे क्रिकेट में सबसे तेज सेंचुरी लगाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी धराशायी कर दिया है। डिविलियर्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए 31 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। बता दें कि इंटरनेशनल क्रिकेट के रन और रिकॉर्ड की गिनती लिस्ट-ए में भी की जाती है। यही वजह है कि लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज सेंचुरी लगाने का रिकॉर्ड फ्रेजर के नाम हो गया है। हालांकि, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड डिविलियर्स के ही नाम दर्ज रहेगा। जेक फ्रेजर ने अपनी शतकीय पारी के दौरान जमकर चौके-छक्कों की बरसात की। फ्रेजर ने महज 38 गेंदों पर 125 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान युवा बल्लेबाज के बल्ले से 10 चौके और 13 गगनचुंबी छक्के निकले। यानी उन्होंने अपने 118 रन सिर्फ बाउंड्री से बटोरे। फ्रेजर ने ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी जमाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण विजेता महिला कबड्डी टीम का हिस्सा बनी हिमाचल की पांच बेटियां

एजेंसी

धर्मशाला । चीन में सम्पन्न हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम में हिमाचल से पांच बेटियों ने हिस्सा लेकर देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है। इन पांच बेटियों में दो खिलाड़ी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र साई धर्मशाला की प्रशिक्षु भी शामिल थीं। केंद्र साई धर्मशाला की पुष्पा राणा और ज्योति ठाकुर ने भी भारत की जीत में अपनी अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही सिरमौर जिला के शिलाई की ऋतु नेगी ने बतौर कप्तान तथा सुषमा और बिलासपुर की निधि ने भी अपने बेहतर खेल का प्रदर्शन कर भारत को महिला कबड्डी में स्वर्ण दिलाने का काम किया। इन सभी ने अनुकरणीय खेल कौशल और अदम्य भावना का प्रदर्शन करते हुए हिमाचल का ही नहीं अपितु पूरे देश का नाम विश्व भर में उंचा किया है। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र साई धर्मशाला के प्रभारी राकेश जस्सल ने कहा कि राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र साई धर्मशाला को अपने खिलाड़ियों एवं एथलीटों के शानदार प्रदर्शन पर गर्व है और केंद्र सरकार के निदेर्शानुसार खेलों के ऐसे माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो प्रतिभा को पोषित करता है तथा प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला की ओर से कबड्डी टीम की सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई भी प्रेषित की है ताकि साई धर्मशाला के अन्य प्रशिक्षु भी इन प्रतिभाओं से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि धर्मशाला लौटने पर उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा।

पेज 3 का शेष

कामगारों को मिलेगा...

बैठक में यूनियन की तरफ से बीएमएस के सुधीर एच घुरदे और मजरूल हक अंसारी, एचएमएस के नाथूलाल पांडेय और शिवकांत पांडेय, एटक के रमेंद्र कुमार और सीटू के डीडी रामानंदन शामिल थे। कोल इंडिया चेयरमैन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। वहीं निदेशक (वित्त) देवाशीष नंदा, कार्मिक निदेशक विनय रंजन, बीसीसीएल के सीएमडी, इसीएल बीसीसीएल/सीसीएल समेत अन्य अनुषंगिक कोल कंपनियों के अधिकारी एवं सीएमडी शामिल थे।

साल में दो बार बोर्ड परीक्षा...

उन्होंने कहा कि 'डमी स्कूलों' के मुद्दे पर गंभीर चर्चा करने का समय आ गया है। **विद्यार्थी तनाव मुक्त रहें** : उन्होंने कहा, नयी पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) की घोषणा के बाद मैं कई विद्यार्थियों से मिला। उन्होंने इसकी सराहना की है और इस विचार से खुश हैं। हमारी कोशिश है कि 2024 से साल में दो बार परीक्षाएं आयोजित की झाये। इस साल राजस्थान के कोटा में रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों के आत्महत्या करने के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, यह बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। किसी की जान नहीं जानी चाहिए...वे हमारे बच्चे हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि विद्यार्थी तनाव मुक्त रहें।

संघर्ष में 600 से अधिक...

हिजबुल्लाह भी कूदा : वहीं बेरूत से मिली खबरों के अनुसार हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह ने रविवार सुबह लेबनान सीमा पर इजरायली सैन्य स्थलों पर मोर्टार दागे। इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने हमास के हमले के साथ एकजुटता दिखाते हुए माउंट डोव क्षेत्र में तीन इजरायली ठिकानों पर दर्जनों रॉकेट और गोले दागे। उधर संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल ने कहा कि वह स्थिति को नियंत्रित करने और अधिक गंभीर होने से बचाने के लिए दोनों पक्षों के संपर्क में है। हमास के साथ इजरायल पर हुए हमलों में सराया अल-कुद्स और अल-कसम ब्रिगेड ने भी इजरायल को निशाना बनाया। अल कुद्स फिलिस्तीन के इस्लामिक जेहाद मूवमेंट की ही एक शाखा है। इन दोनों संगठनों ने हमास के साथ मिलकर इजरायल में खूनी खेल खेला। अल कसम हमास से जुड़ा संगठन है।

चेशायर होम: खाता नं 37 की जमाबंदी...

पुनीत भार्गव ने जमीन खरीदने के बाद विष्णु अग्रवाल ने नाम से रजिस्ट्री कर दी थी। **ईडी कर रही इस घोटाले की जांच** : मालूम हो कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) चेशायर होम रोड के खाता नंबर 37 के भूमि घोटाले की जांच कर रही है। ईडी इसे भूखंड को अटैच करने को लेकर कोर्ट में भी आवेदन दिया है। जांच के क्रम में ईडी ने व्यवसायी विष्णु अग्रवाल, रांची के तत्कालीन उपायुक्त छवि रंजन सहित आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

जसपाल बने यूपी ओलंपिक संघ के सह संयुक्त सचिव

लखनऊ। कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के सचिव और खालसा इंटर कॉलेज में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रवक्ता जसपाल सिंह को उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ का सह संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया है। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा. आनन्देश्वर पाण्डेय ने जसपाल सिंह को मनोनयन पत्र जारी किया। उन्होंने बताया कि यह खेल प्रबंधन, खेल शिक्षा, स्कूली खेलों के आयोजन, खिलाड़ियों की सहायता में निभाई गयी ।

बांग्लादेश और इंगलैंड की टीमें आज प्रैक्टिस में बहाएंगी पसीना

खबर मन्त्र संवाददाता

धर्मशाला (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 10 अक्टूबर को इंगलैंड और बांग्लादेश के बीच होने वाले वर्ल्ड कप के मैच से पहले सोमवार को दोनों ही टीमें नेट प्रैक्टिस कर पसीना बहाएंगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक सोमवार को सुबह के सैशन में इंगलैंड की टीम सुबह 10 बजे से एक बजे तक करीब तीन घंटे तक प्रैक्टिस करेगी। वहीं दोपहर बाद दूसरे सैशन में दो बजे से पांच बजे तक बांग्लादेश की टीम भी प्रैक्टिस करेगी। उधर रविवार को इंगलैंड की टीम ने स्टेडियम पंहुचकर नेट प्रैक्टिस की जबकि बांग्लादेश के कुछेक खिलाड़ियों ने जिम किया।

11 को धर्मशाला पंहुचेगी नीदरलैंड की टीम

धर्मशाला (हि.स.)। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के धर्मशाला में 17 अक्टूबर को होने वाले तीसरे मैच के लिए नीदरलैंड की टीम 11 अक्टूबर को धर्मशाला पंहुच जाएगी। तय कार्यक्रम नीदरलैंड की टीम दोपहर बाद करीब तीन बजे गगल एयरपोर्ट पर पंहुचेगी। यहां से टीम सीधा होटल के लिए रवाना होगी। वहीं प्रतिद्वंदी टीम दक्षिण अफ्रीका की टीम के आने का कार्यक्रम अभी तय नही है। गौरतलब है कि धर्मशाला में 17 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के बीच विश्व कप का लीग मैच खेला जाना है। धर्मशाला में खेले जा रहे पांच विश्व कप मैचों में यह तीसरा मैच होगा। इससे पूर्व यहां 10 अक्टूबर को इंगलैंड और बांग्लादेश की टीमें आपस में भिड़ने वाली हैं।

प्रयागराज में वायुसेना के विमानों ने दिखायी अपनी ताकत

पहली बार सी-295 परिवहन विमान ने एयर शो में लिया हिस्सा

एजेंसी

प्रयागराज। भारतीय वायुसेना की 91वीं वर्षगांठ के मौके पर रविवार को यहां गंगा और यमुना के संगम क्षेत्र में वायुसेना के विमानों ने शानदार एयर शो का प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग इस एयर शो को देखने के लिए कई किलोमीटर दूर से पैदल चलकर आए थे। संगम क्षेत्र, परेड ग्राउंड, अरैल घाट पर नगर के कोने-कोने से आए लाखों लोगों ने इस एयर शो का आनंद उठाया, यहां तक कि गंगा नदी पर बने शास्त्री पुल और यमुना के नये पुल पर इस एयर शो को देखने के लिए लोगों का जमघट लगा रहा। वहीं सेना के अधिकारियों और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने यमुना के तट पर स्थित किले से इस एयर शो का आनंद लिया। दोपहर ढाई बजे शुरू हुए इस एयर शो में भारतीय वायुसेना के करीब 108 विमानों ने हिस्सा लिया जिसमें भारतीय सेना का एएलएच ध्रुव हेलीकाप्टर और भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान भी शामिल थे। भारत में पहली बार सी-295 परिवहन विमान ने भी इस एयर शो में हिस्सा लिया। इस एयर शो में प्रमुख विमानों में चिनूक, जगुआर, अपाचे, राफेल, तेजस, सी-17, हॉक, टाइगरमोठ और पिलाटस शामिल रहे। इससे पूर्व, भारतीय वायुसेना की ओर से वायुसेना दिवस परेड का आयोजन किया गया जिसमें वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, प्रमुख रक्षा अयक्ष जनरल अनिल चौहान, एयर मार्शल आरजीके कपूर और वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर वायुसेना प्रमुख ने भारतीय वायुसेना के नए ध्वज का अनावरण भी किया। यह वायुसेना दिवस की पहली परेड है जिसकी कमान एक महिला अधिकारी ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी ने संभाली। साथ ही पहली बार इस परेड में महिलाओं की एक टुकड़ी थी जिसमें अग्निवीर वायु महिलाओं को शामिल किया गया और जिन्होंने पुरुष सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया। संगम क्षेत्र में एयर शो संपन्न होने के बाद एक साथ लाखों की भीड़ अपने घरों के लिए वापस निकलने से पुलिस को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

- चिनूक, जगुआर, अपाचे, राफेल, तेजस, सी-17, पिलाटस और टाइगरमोठ ने किया शानदार प्रदर्शन
- वायुसेना प्रमुख ने नये ध्वज का भी किया अनावरण

इजरायल के लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी में किया हमला।

इजरायल और गाजा पट्टी में सभी भारतीय सुरक्षित

फंसे लोगों ने निकासी के लिए तेल अवीव में स्थित भारतीय दूतावास से किया अनुरोध

एजेंसी

यरूशलम। इजराइल पर हमास के हमले के बाद भारतीय नागरिकों से जुड़ी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और देश में फंसे लोगों ने अपनी सुरक्षित निकासी के लिए तेल अवीव में स्थित भारतीय दूतावास से अनुरोध किया है। गाजा पट्टी पर शासन करने वाले आतंकवादी समूह हमास ने शनिवार सुबह इजराइल के दक्षिण में हवा, भूमि और समुद्र से अचानक हमला कर दिया था। रविवार को मीडिया में आईं खबरों के अनुसार, इजराइल में सैनिकों समेत कम से कम 350 इजराइली मारे गए हैं और 1,900 से अधिक घायल हुए हैं। इसे बीते 50 साल में देश में हुआ सबसे भीषण हमला कहा जा रहा है। इजराइल के जवाबी हमले में गाजा पट्टी में लगभग 300 लोगों की मौत हुई है और करीब 1,500 घायल हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि लगभग 18 हजार भारतीय नागरिक इजराइल में रहते और काम करते हैं तथा अब तक उनसे जुड़ी किसी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं मिली है। देश में फंसे भारतीय पर्यटकों ने भारतीय दूतावास से उन्हें बाहर निकालने का अनुरोध किया है। अधिकतर पर्यटक समूहों में यात्रा कर रहे हैं।

बीते 50 साल में इजरायल में हुआ सबसे भीषण हमला

इजराइल का दौरा करने वाले कुछ व्यवसायी भी हैं जो तनाव में हैं और वहां से निकलने की कोशिश कर रहे हैं। तेल अवीव में भारतीय मिशन और फलस्तीन में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने शनिवार को परामर्श जारी कर भारतीय नागरिकों से सतर्क रहने और आपात स्थिति में सीधे कार्यालय से संपर्क करने की अपील की थी। दूतावास के सूत्रों ने बताया कि वे चौबीस घंटे सभी भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं और सक्रिय रूप से उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं। इजराइल में रहने वाले भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा देखभाल करने वालों के रूप में काम करता है, लेकिन वहां लगभग एक हजार छात्र, कई आईटी पेशेवर और हीरा व्यापारी भी हैं। हिब्रू विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट की छात्रा बिंदू ने बताया कि उन्होंने शनिवार को पूरे दिन निर्देशों का अक्षरशः पालन किया और सुरक्षित महसूस किया। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय छात्र एक-दूसरे के संपर्क में हैं और लगातार स्थिति का जायजा ले रहे हैं। कुछ अन्य छात्रों ने भी कहा कि उन्हें स्थिति नियंत्रण में आती दिख रही है और ह्यहमें अनावश्यक रूप से दहशत नहीं फैलानी चाहिए। हिब्रू विश्वविद्यालय के गिवत राम कैंपस में पोस्टडॉक्टरल फेलो विकास शर्मा ने कहा कि हमले के कारण इजराइल में तनावपूर्ण स्थिति है, लेकिन सभी भारतीय छात्र सुरक्षित हैं। अधिकतर छात्र संस्थानों द्वारा उपलब्ध कराए गए छात्रावासों और आवासों में रह रहे हैं। हम व्हाट्सऐप के माध्यम से एक-दूसरे के साथ-साथ भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं। इजराइल में देखभाल करने के कार्य से जुड़े लोग भी भारतीय मिशन के दिशानिर्देशों का पालन करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अश्केलॉन में सबसे ज्यादा रॉकेट गिरे हैं। वहां रहने वाले एले प्रसाद ने कहा किउन्हें बहुत सतर्क रहना होगा ताकि सायरन बजने के बाद वे जल्द से जल्द आश्रय गृह तक पहुंच सकें। वहीं, एक अन्य देखभालकर्ता विवेक ने कहा कि स्थिति चिंताजनक है लेकिन वे सभी ठीक हैं और दूतावास के साथ लगातार संपर्क में हैं।

गाजा में स्थिति डरावनी

गाजा में रहने वाली एक भारतीय नागरिक ने कहा कि स्थिति डरावनी है लेकिन वह और उसका परिवार सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि कोई इंटरनेट कनेक्शन और बिजली नहीं है। स्थिति डरावनी है लेकिन हम ठीक हैं।

हमास के हमले से इजरायल में 4 नेपाली छात्र घायल, 11 लापता

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री एन. पी. सऊद ने रविवार को कहा कि इजराइल में पढ़ाई कर रहे चार नेपाली छात्र आतंकवादी समूह हमास के हमले में घायल हुए हैं जबकि 11 छात्र लापता हैं। मंत्री ने कहा कि इजराइल के दक्षिणी हिस्से में पढ़ाई कर रहे लापता छात्रों के हताहत होने की आशंका है। सऊद ने कहा कि 11 नेपाली छात्रों से संपर्क स्थापित नहीं हो सका और उनके हताहत होने की आशंका है। हम हताहतों की सही संख्या का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार सीखो और कमाओ कार्यक्रम के तहत 17 नेपाली छात्र दक्षिणी इजराइल के कुबुज अलुमिम में रह रहे थे। उनमें से दो छात्र सुरक्षित निकलने में सफल रहे और तीन छात्र घायल हो गए। घायल नेपाली छात्रों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। फिलहाल 4,500 नेपाली इजराइल में काम कर रहे हैं वहीं 265 नेपाली छात्र सीखो और कमाओ योजना के तहत विभिन्न कृषि कंपनियों में काम कर रहे हैं।

इजरायल में आपातकालीन एकता सरकार पर चर्चा शुरू

यरुशलम। इजराइल के शीर्ष नेताओं ने हमास के अप्रत्याशित हमले के बाद जटिल स्थिति से निपटने के लिए देश में आपातकालीन राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की संभावना पर चर्चा शुरू कर दी है। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू तथा विपक्षी नेता यायर लापिड और बेनी गैंट्ज ने चर्चा की और नेतन्याहू की सरकार में शामिल होने की संभावना पर चर्चा की।

मंत्री हकीम व विधायक मित्रा के आवास पर सीबीआइ का छापा

कोलकाता/नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में नगर निकायों द्वारा की गई भर्तियों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी जांच के सिलसिले में रविवार सुबह मंत्री फिरहाद हकीम और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मदन मित्रा के आवास सहित 12 स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शहरी विकास और नगर निकाय मामलों के मंत्री हकीम कोलकाता के महापौर भी हैं। वह तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी संगठन में अच्छा खासा प्रभाव रखते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सीबीआई अधिकारियों की एक टीम केंद्रीय बलों की एक बड़ी टुकड़ी के साथ दक्षिण कोलकाता के चेतला इलाके में हकीम के आवास पर पहुंची। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीबीआई के दो अधिकारी उनसे पूछताछ की। तलाशी शुरू होते ही, हकीम के समर्थक उनके आवास के बाहर एकत्र हो गए और विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीबीआई के एक दल ने पूर्व मंत्री और उत्तर 24 परगना जिले के कामरहाटी से विधायक मित्रा के उत्तर 24 परगना जिले के भवानीपुर इलाके में स्थित आवास पर भी तलाशी ली। मित्रा का आवास चेतला में हकीम के आवास से करीब तीन किलोमीटर दूर है।

- बंगाल में नगर निकाय घोटाला मामले में 12 स्थानों पर ली तलाशी

यूपी की पहली सोलर सिटी होगी अयोध्या

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में अगले साल जनवरी में होने वाले राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पहले शहर को उत्तर प्रदेश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के लिए युद्ध स्तर पर काम जारी है। अधिकारियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (यूपीनेडा) ने राम नगरी को राज्य की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का काम शुरू कर दिया है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने एक पखवाड़े पहले बताया था कि 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देशभर से लगभग 10 हजार गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व्यक्तिगत रूप से अयोध्या में जारी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इसी साल मई में मंदिर शहर को सौर ऊर्जा से रोशन करने संबंधी कार्य का निरीक्षण करने के बाद कहा था कि अयोध्या सूर्यवंश की राजधानी है। इसलिए यहां बिजली अन्य स्रोतों से नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा से आएगी।

इस परियोजना में सरयू के किनारे एक सौर पार्क विकसित करना, सौर ऊर्जा से चलने वाली नौकाएं प्रदान करना, सौर स्ट्रीट लाइट लगाना, सार्वजनिक परिवहन में सौर ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, विद्युतीकरण के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट जैसी सौर ऊर्जा संचालित सुविधाएं प्रदान करना शामिल है। सरकारी भवन भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहे हैं और घरेलू उपयोग के लिए सौर ऊर्जा की पहुंच में सुधार कर रहे हैं।

वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी सौर ऊर्जा नीति-2022 का हिस्सा है। सौर ऊर्जा नीति के अनुसार, कोई भी शहर जहां बिजली की 10 प्रतिशत मांग नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये पूरी की जाती है, उसे सोलर सिटी माना जाएगा। यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला ने बताया कि अयोध्या को सौर शहर परियोजना के मॉडल के रूप में विकसित करने और अन्य प्रस्तावित शहरों में सौर नीतियों के कार्यान्वयन में सीख का उपयोग करने की योजना है। सौर शहर परियोजना एक पंचवर्षीय (2023-28) योजना है, जिसमें सौर ऊर्जा पर आधारित स्ट्रीट लाइट, सरकारी भवनों पर सौर पैनल की स्थापना, चार्जिंग स्टेशनों के साथ ई-रिक्शा, सौर पेड़ और पीने के पानी के कियोस्क के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाले प्यूरीफायर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। शुक्ला ने कहा कि अयोध्या में चल रही अधिकांश परियोजनाएं जनवरी तक पूरी हो जाएंगी। सरयू के तट पर एनटीपीसी ग्रीन द्वारा 40 मेगावाट के सौर संयंत्र की स्थापना है। जनवरी तक 10 मेगावाट की परियोजना के चालू होने की उम्मीद है।

- जनवरी में होने वाले राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले विकसित करने को युद्ध स्तर काम जारी

अफगानिस्तान में भूकंप से अब तक 2000 से अधिक लोगों की मौत

काबुल। पश्चिमी अफगानिस्तान में 24 घंटे पहले शनिवार को आए भूकंप से भारी तबाही हुई है। भूकंप से हेरात प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। अब तक 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। देश के राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। तालिबान प्रवक्ता ने बताया कि अफगानिस्तान के पश्चिम में शक्तिशाली भूकंप में लगभग 2,000 लोग मारे गए हैं। ईरान सीमा के पास सबसे ज्यादा विनाश हुआ है। अफगानिस्तान के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, शनिवार दोपहर सबसे पहले 12:11 बजे रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद 12:19 बजे 5.6 तीव्रता और 12.42 पर तीसरा भूकंप आया।

पांच कंपनियों का मार्केट 86,234 करोड़ बढ़ा

टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस लाभ में

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 86,234.73 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे अधिक लाभ में रही। टीसीएस के अलावा एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस लाभ में रहे। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल में गिरावट हुई। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स 167.22 अंक या 0.25 फीसदी चढ़ गया। इस दौरान टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 32,730.22 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,649.78 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस ने 21,697.96 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर 4,94,884.37 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 18,057.94 करोड़ रुपये बढ़कर 6,13,655.04 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 7,730.16 करोड़ रुपये बढ़कर 5,87,104.12 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 6,018.45 करोड़ रुपये बढ़कर 11,63,164.31 करोड़ रुपये हो गया।

दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 19,336.49 करोड़ रुपये घटकर 15,68,216.88 करोड़ और आईसीआईसीआई का मूल्यांकन 4,671.54 करोड़ रुपये घटकर 6,62,057.43 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 4,105.33 करोड़ रुपये घटकर 5,30,211.19 करोड़ रुपये और आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 2,743.6 करोड़ रुपये घटकर 5,51,463.84 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 196.19 करोड़ रुपये घटकर 5,19,082.95 करोड़ रह गया।

दूसरी छमाही में 28 आइपीओ आयेंगे

मुंबई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में रिकॉर्ड 31 आईपीओ आने के बाद दूसरी छमाही में 28 कंपनियां 38,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर आईपीओ से 44,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए 41 कंपनियों को शेयर बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिलने का इंतजार है।

एफपीआइ ने 8000 करोड़ के शेयर बेचे

नयी दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने डॉलर की बढ़त और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार वृद्धि के कारण अक्टूबर के पहले सप्ताह में 8,000 करोड़ रुपये की इक्विटी बाजार में बेच दी। इससे पहले सितंबर में भी एफपीआई शुद्ध विक्रेता बने रहे और उन्होंने 14,767 करोड़ रुपये निकाले थे। एफपीआई मार्च से अगस्त तक पिछले छह महीनों में लगातार लिवाली कर रहे थे और इस अवधि के दौरान 1.74 लाख करोड़ रुपये भारतीय शेयर बाजार में आए। एफपीआई की बिकवाली की भरपाई घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से हुई। एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में 2,081 करोड़ का निवेश किया। अब तक इक्विटी में एफपीआई का कुल निवेश 1.12 लाख करोड़ और बॉन्ड बाजार में 31,200 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

स्पीड न्यूज

कंगना रनौत की फिल्म तेजस का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। कंगना रनौत अपकमिंग फिल्म तेजस का ट्रेलर रविवार को वायु सेना दिवस के अवसर पर जारी किया गया। 2 मिनट 33 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरूआत भारतीय लड़ाकू विमानों के हवाई शॉट्स के साथ होती है और बैकग्राउंड में कंगना की आवाज में डायलॉग होता है, भारत को छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। ट्रेलर में दर्शकों को कंगना के मुख्य किरदार तेजस गिल से परिचित कराने से पहले रोमांचक हवाई लड़ाई दिखाई गई है और बाद में तेजस गिल के बारे में बताया गया है कि वह एक लड़ाकू पायलट के रूप में कितनी निडर और भावुक है। कंगना का किरदार तेजस पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा पकड़े गए भारतीय आकाश को बचाने के लिए एक घातक मिशन पर निकलता है। उनका मानना है कि आतंकवाद दुनिया में सबके लिए पर्सनल मुद्दा होना चाहिए, क्योंकि तभी आतंक खत्म होगा।

सिक्किम में बाढ़ से अब तक 32 की मौत

गंगटोक। सिक्किम में तीस्ता नदी में आई अचानक बाढ़ के मलबे से नौ सैन्य कर्मियों सहित 32 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि 100 से ज्यादा लापता लोगों की तलाश के लिए खोज अभियान अब भी जारी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) के मुताबिक, बुधवार तड़के बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने 41,870 लोगों को प्रभावित किया है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों से अभी तक 2563 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इतना ही नहीं सिक्किम के ज्यादातर इलाकों का संपर्क दूसरे राज्यों से टूट गया है।

कांग्रेस विधायक बिरला भाजपा में हुए शामिल

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस विधायक सचिन बिरला ने रविवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। खरगोन जिले की बड़वाह विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बने बिरला (40) ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में एक समारोह के दौरान भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

योगी ने केदारनाथ में किया अभिषेक

गोपेश्वर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन किए। योगी ने केदारनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया और पूजा-अर्चना कर विश्व में सुख, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

अगस्त में कोयला आयात 12 % घटा

नयी दिल्ली। भारत का कोयला आयात इस साल अगस्त में सालाना आधार पर 12.08 प्रतिशत घटकर 1.82 करोड़ टन रह गया। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 2.07 करोड़ टन था। ई-कॉमर्स फर्म एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से अगस्त के दौरान कुल कोयला आयात भी 10.3 प्रतिशत घटकर 10.39 करोड़ टन रह गया।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!